फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 271 प्रभात जयपुर, रविवार 4 मई, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Hate And Jealousy A Story In Art

Shah Jahan seems to have made a conscious attempt to obliterate all physical record of his father. Structures built by order of Jahangir in the royal cities of Agra and Lahore were replaced

Does Your Plant Need a Nanny? Because sometimes, even your monstera needs a little extra love

जातिगत जनगणना: मण्डल-कमण्डल सोच का विलय है

पर, इस विलय का क्या अर्थ निकलेगा, यह अभी अनिश्चितता के कोहरे में छिपा है, जिसका आंकलन करना, विशेषकर भाजपा के लिये बहुत मुश्किल है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 मई। केन्द्र सरकार द्वारा जातिगत जनगणना कराये जाने का निर्णय लिये जाने के बाद, मंडल और कमंडल मुद्दों के विलय की प्रक्रिया शुरु हो गई है, और इसके साथ ही, भाजपा के अन्दर इस बात को लेकर काफी बेचैनी है, क्योंकि पार्टी नेताओं द्वारा पहले जातिगत जनगणना की कड़ी आलोचना की गई थी, इसलिए अब चिंता है कि इस पर राजनैतिक खेल क्या होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर दूसरी-तीसरी पंक्ति के भाजपा नेता, जिनमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल हैं, पहले जातिगत जनगणना कराने के घोर आलोचक रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ की स्थिति खासतौर बड़ी अजीब हो गई है, क्योंकि उन्होंने अभी हाल ही में "बटेंगे तो कटेंगे" का नारा दिया था तथा उनकी मानयता थी कि जातिगत जनगणना तो विपक्षी दलों की रणनीति है, जिससे

- **योगी आदित्यनाथ का नारा रहा है, "बंटेंगे तो कटेंगे", तो क्या यह नारा निरर्थक हो गया।**
- **योगी आदित्यनाथ, "जातिगत जनगणना" का विरोध इसलिए कर रहे थे, क्योंकि उनकी सोच है कि जातिगत जनगणना, विपक्ष की रणनीति है, मुसलमानों को आरक्षण देने के लिए और यह आरक्षण, उनके अनुसार, हिन्दुओं का आरक्षण घटाकर दिया जायेगा।**
- **भाजपा में यह भी सोच है कि जाति जनगणना दोधारी तलवार है। एक तरफ तो इस जनगणना ने कांग्रेस व विपक्ष का मुख्य चुनावी मुद्दा उनसे छीन लिया है दूसरी ओर इस निर्णय से भाजपा में भी अंदर ही अंदर काफी बैचेनी है तथा वैचारिक उथल-पुथल है।**

हिन्दुओं की कीमत पर, मुस्लिम समुदाय को आरक्षण दिया जा सके।

केन्द्र सरकार के इस निर्णय के बाद, योगी आदित्यनाथ ने "समग्र सामाजिक- आर्थिक विकास लाने के लिये शुरु की जाने वाली इस कार्यवाही के लिये प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त" निस्संदेह रुप से किया था, लेकिन उसके बाद उन्होंने पूरी तरह चुप्पी धारण कर ली है। दूसरी तरफ, उनके उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य इस कदम का स्वागत एवं यशोगान करने के लिये प्रेस कॉन्फ्रेंन्सेज़ आयोजित किये जा रहे हैं। भाजपा के अन्दर कुछ ग्रुपों का मानना है कि जातिगत जनगणना कराने का निर्णय एक दोधारी तलवार है, जिसमें जहाँ कांग्रेस और विपक्षी दलों के प्रचार के मुख्य आधार को तहस-नहस करने की क्षमता है, वहीं यह भाजपा के अन्दर भूचाल ला सकती है।

इन वर्गों का कहना है कि जातिगत जनगणना हो जाने के बाद, कम प्रतिनिधित्व वाली जातियों की ओर से माँगों की बाढ़ आ जायेगी।

सरकार ने पहले आरक्षण नीति की समीक्षा करने तथा विकास की दौड़ में काफी पीछे रह गई जातियों को चिन्हित करने के लिये जस्टिस रोहिणी आयोग गठित किया था। यद्यपि रोहिणी आयोग ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है, लेकिन उसे सार्वजनिक नहीं किया गया। जाहिर है, राजनेताओं को यह डर था कि इस रिपोर्ट को सार्वजनिक होने से, वह मुद्दा फिर से हावी हो जाएगा, जो अब तक शांत था। भाजपा थिंक टैंक का मानना है कि चूँकि अब जातिगत जनगणना कराने का निर्णय ले लिया गया है, इसलिये रोहिणी आयोग की सिफारिशें एक स्वाभाविक उप-परिणाम के रुप में सामने आ जायेंगी।

एक ही मुद्दे पर दुबारा याचिका दायर नहीं कर सकते

जयपुर, 3 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने ब्लॉक कोऑर्डिनेटर को हटाने से जुड़े मामले में पुनः याचिका दायर करने वाले तीन याचिकाकर्ताओं पर कार्रवाई के लिए प्रमुख शिक्षा सचिव को निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता सरकारी कर्मचारी हैं और उन्हें इस तरह की हरकत नहीं करनी चाहिए थी। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश प्रभु दयाल व तीन अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता की जानकारी में यह गड़बड़ी

- **याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने याचिका वापस ली। हाई कोर्ट ने शिक्षा समिति सचिव को कार्यवाही के आदेश दिये।**

आने पर उन्होंने याचिका को वापस ले लिया।

सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से एडिशनल एडवोकेट जनरल (ए.ए.जी.) बीएस छाबा ने अदालत को बताया कि याचिका में शामिल याचिकाकर्ता योगेश, भंवर और रामस्वरूप ने पहले ही इस मुद्दे पर एक याचिका पेश की थी, जिसमें अदालत ने याचिकाकर्ताओं को अपना अभ्यावेदन विभाग के समक्ष देने को कहा था। तथापि, इस याचिका में पूर्व की याचिका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'2016 की सर्जिकल स्ट्राइक या 2019 की बालाकोट की एयर स्ट्राइक को दोहराने से लाभ नहीं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 मई। सीमा पर चल रहे तनाव तथा लाइन ऑफ कंट्रोल (एल.ओ.सी.) पर दोनों तरफ से हो रहे मिसाइल व आर्टिलरी के बीच, भारत के सुरक्षा विशेषज्ञों और सैन्य दिग्गजों का मानना है कि भारत अब पाकिस्तान को एक मजबूत निर्णायक जवाब देने के लिए तैयार है, वह भी पारंपरिक युद्ध का सहारा लिए बिना।

- **रणनीति विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान अब इन प्रतीकात्मक एक्शन का अभ्यस्त सा हो गया है। अतः इस बार भारत को ऐसी कार्यवाही करनी चाहिए, जिससे पाकिस्तान को आर्थिक, कूटनीतिक व अन्य भारी सामरिक नुकसान हो।**
- **इन विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि पाकिस्तान को भारी नुकसान तो जरूर हो, पर, ऐसी स्थिति न बने कि पूरा खुला युद्ध आरंभ हो जाए।**

देश भर में हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले की स्मृति अभी बिल्कुल ताजा है, इस बीच रणनीतिक हल्कों में इस बात को लेकर चर्चा जोरों पर है कि भारत अगला कदम क्या उठाएगा। कई सेवानिवृत्त सैन्य जनरल तथा युद्ध के दिग्गजों के अनुसार, भारतीय सशस्त्र बलों ने पहले ही एक अत्यंत सटीक व संतुलित प्रतिक्रिया की तैयारी कर ली है, जो पूर्ण युद्ध का रूप लिए बिना पाकिस्तान को एक स्पष्ट संदेश देगा।

रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल मोहन भंडारी, जो कई आतंकवाद विरोधी अभियानों में शामिल रहे हैं, ने कहा, "इस बार माहौल अलग है। यह बालाकोट को दोहराने की बात नहीं है। इस बार जवाब अधिक अप्रत्याशित और गहराई तक मार करने वाला हो सकता है।" उन्होंने आगे कहा, "इस बार प्रतिक्रिया का स्तर और दायरा पाकिस्तान की उम्मीदों से कहीं अधिक हो सकता है।"

पहलगाम हमला, जिसमें कई भारतीय लोग शहीद हुए, की राजनीतिक और सैन्य हल्कों में व्यापक निंदा हो रही है। हालांकि, सरकार ने अभी तक किसी भी अभियान की जानकारी नहीं दी है, सूत्रों का कहना है कि थलसेना, वायुसेना और नौसेना, तीनों मिलकर समन्वित जवाब की रणनीति बना रही हैं। सूत्रों के अनुसार, पूरा जोर सही समय, सटीकता और इनोवेशन पर है।

1971 के भारत-पाक युद्ध में शामिल एक अन्य वॉर वैटरन ने भी नाम नहीं बताने की शर्त पर यही विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, "2016 की सर्जिकल स्ट्राइक या 2019 के बालाकोट हवाई हमलों को दोहराना अब व्यर्थ है। आईएसआई और पाकिस्तानी सेना अब प्रतीकात्मक जवाबों की आदी हो गई है और इनका कोई असर नहीं होता है। भारत को इस बार पाकिस्तान की कमज़ोर नस पर वार करना होगा, जहाँ उसे सबसे ज्यादा नुकसान हो, यह आर्थिक रूप से, कूटनीतिक रूप से और गुप्त अभियानों के माध्यम से करना होगा।"

हालांकि आधिकारिक सैन्य तंत्र "वेट एण्ड वॉच" की नीति पर कायम है, लेकिन निहितार्थ यही लगता है कि रणनीतिक धैर्य रखते हुए चुपचाप तैयारी जारी रखी जाए। खुफिया सूत्रों के अनुसार, सीमा पार और जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई है और खुफिया गतिविधियाँ तेज़ कर दी गई है।

विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि भारत अपने जवाब में साइबर युद्ध, आर्थिक दबाव और विशिष्ट गोपनीय अभियानों के कॉम्बिनेशन पर विचार कर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अंधड़ में जोधपुर डिस्कॉम के 577 पोल गिरे

जैसलमेर के कई गाँव-ढाणियों में लाईट नहीं, डिस्कॉम को एक करोड़ रूपए का नुकसान

जैसलमेर, 3 मई (नि.सं.)। जैसलमेर जिले में गुरुवार की शाम आए अधंड़ ने तबाही मचाई। तेज आंधी से कई गांव-ढाणियों में बिजली चली गई तथा वितरण एवं प्रसारण निगमों को भी बड़ा नुकसान हुआ है।

- **जैसलमेर एसई भैंराराम चौधरी के अनुसार विभाग की टीमें टूटे पोल की जगह नये पोल खड़े करके बिजली आपूर्ति सुचारु रूप से चालू करने में जुटी हुई हैं।**

जानकारी के अनुसार, अधंड़ से जोधपुर डिस्कॉम के 33 केवी और 11 केवी के कुल 577 पोल गिर गए हैं। 10 ट्रांसफॉर्मर टावर भी धराशायी हो गए हैं। तूफान की चपेट में आने से डिस्कॉम के भोजका पॉवर हाउस में लगा एक पावर ट्रांसफॉर्मर भी गिर गया, जिसकी लागत करीब 53 लाख रुपए है। बताया जा रहा है कि अंधड़ से जोधपुर डिस्कॉम वितरण विभाग को करीब एक करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

अधंड़ से निगम के प्रसारण विभाग की अलग- अलग लाइनों के कुल 15 टावर गिर गए हैं। विभागीय अधिकारियों ने मौके पर नुकसान का आकलन किया। इसके साथ ही टूटे पोलों की जगह नए पोल खड़े करके बिजली आपूर्ति सुचारू करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बिजली निगम के जैसलमेर एसई भैराराम चौधरी ने बताया कि तूफान की चपेट में आने से जोधपुर डिस्कॉम वितरण निगम को एक करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। डिस्कॉम के 33 केवी के 27 पोल गिरे हैं। इसके अलावा, 11 केवी के 550 पोल धराशायी हुए हैं। भोजका पावर हाउस का पावर ट्रांसफॉर्मर व अन्य छोटे बड़े 10 ट्रांसफॉर्मर भी गिरे हैं। डिस्कॉम की टीम मौके पर जुटी हुई हैं। डिस्कॉम टीमों द्वारा प्रयास किया जा रहा है कि जल्द से जल्द पोल खड़े कर बिजली आपूर्ति सुचारु की जाए।

पायलट पति अपनी पायलट पत्नी व बेटी को भरण पोषण भत्ता दे

जयपुर, 3 मई। जयपुर मेट्रो-प्रथम की फैमिली कोर्ट-एक ने पारिवारिक विवाद से जुड़े एक मामले में पायलट पति को निर्देश दिया है कि वह अपनी पत्नी, जो खुद पायलट है, को 80 हजार रुपए व बेटी को 60 हजार रुपए, अर्थात कुल 1.40 लाख रुपए हर महीने भरण-

- **फैमिली कोर्ट ने पायलट पत्नी को 80 हजार रूपए तथा बेटी को 40 हजार रूपए हर माह भरण पोषण के लिए देने के आदेश दिये।**

पोषण की राशि दे। कोर्ट ने कहा कि अंतरिम भरण पोषण की यह राशि प्रार्थना पत्र दायर करने की तारीख 30 नवंबर 2024 से दो किस्तों में देय होगी और हर महीने की दस तारीख तक देनी होगी। कोर्ट ने यह आदेश पत्नी के अंतरिम भरण पोषण हेतु दायर प्रार्थना पत्र पर दिया।

कोर्ट के पीठासीन अधिकारी वीरेन्द्र कुमार जसूजा ने आदेश में कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेजस्वी यादव ने प्र.मंत्री मोदी को चिट्ठी लिखी, जातिगत जनगणना के निर्णय के बाद

पत्र में तेजस्वी ने जुडीशियरी व प्राइवेट सैक्टर में भी आरक्षण की मांग की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे एक पत्र में बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव जातिगत जनगणना से सम्बंधित आग को और भड़का दिया और न्यायपालिका व प्राइवेट सैक्टर में आरक्षण देने की मांग की है।

उन्होंने मंडल आयोग की लम्बित सिफारिशों के तुरंत क्रियान्वयन की मांग की और कहा प्राइवेट सैक्टर, ठेकों और न्यायपालिका में जातिगत जनगणना से प्राप्त आंकड़ों के आधार जाति की जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण दिया जाए। "तेजस्वी ने कहा संविधान ऐसे एक्शन का नैतिक और कानूनी आधार देता है।"

तेजस्वी ने कहा, हमारा संविधान नीति निर्देशक तत्वों के माध्यम से निर्देश देता है कि आर्थिक असमानता कम की जाए और सुनिश्चित किया जाए कि संसाधनों का समान वितरण हो। जब हम जानेंगे कि कितने नागरिक वंचित समूहों से हैं उनकी आर्थिक स्थिति क्या है तब अधिक सटीकता के साथ लक्षित हस्तक्षेप तैयार किए जाने चाहिए। निजी क्षेत्र जो सार्वजनिक संसाधनों का प्रमुख लाभार्थी रहा है, सामाजिक न्याय की आवश्यकताओं से अलग नहीं रह सकता। कार्पोरेट कम्पनियों को पर्याप्त लाभ मिलता रहा है, रियायती दरों पर जमीन, बिजली पर सब्सिडी, कर छूट, बुनियादी सुविधाएं और विभिन्न प्रकार के वित्तीय प्रोत्साहन।

- **तेजस्वी का तर्क है कि प्राइवेट कॉर्पोरेट सैक्टर, भूमि सब्सिडी, टैक्स रियायतें आदि सरकारी सहायता का लाभ उठाता है। अतः कॉर्पोरेट जगत जो भी नौकरियां देता है या पदोन्नति देता है, उसमें देश की विविधता (कमज़ोर वर्ग) को भी पूरा लाभ मिलना चाहिये।**
- **तेजस्वी ने अपने पत्र में लिखा कि बिहार में किये गये जातिगत सर्वे में उजागर हुआ कि ओबीसी व इकोनॉमिक बैकवर्ड क्लास की संख्या 63 प्रतिशत है बिहार में, इस आंकड़े ने उन कई किंवदंतियों को नेस्तनाबूद कर दिया, जो समाज में यथास्थिति बरकरार करने के लिये फैलायी गई थीं।**
- **तेजस्वी के अनुसार, संविधान में प्रावधान है कि समाज में आर्थिक विषमताएं खत्म हों तथा संसाधनों का "इक्विटेबल" वितरण हो। अतः जातिगत जनगणना के बाद, हम दलित, पिछड़े वर्ग के लोगों को चिन्हित करके उन्हें सरकारी योजनाओं, आरक्षण आदि का पूरा लाभ दे सकेंगे।**

उन्होंने परिसीमन पर भी चिंता जताई और ओबीसी व ईबीसी के राजनैतिक प्रतिनिधित्व पर जोर दिया, जिन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया से अलग रखा जाता है उन्होंने कहा विधानसभाओं व संसद में उनका प्रतिनिधित्व बढ़ाना चाहिए।

तेजस्वी ने लिखा कि "कई वर्षों तक आपकी सरकार व एनडीए के घटक दल जातिगत जनगणना को समाज को बांटने वाला बताकर नकारते रहे। जब बिहार ने कास्ट सर्वे शुरु किया तब आपकी सरकार ने, आपके अफसरों ने कई रोड़े अटकाए। आपकी पार्टी ने इसकी आवश्यकता पर सवाल किए। पर देर से ही सही आपने जो निर्णय लिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एनआईए ने तहुव्वर राणा की आवाज़ और लिखावट के नमून लिए

नयी दिल्ली, 03 मई। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा की आवाज और लिखावट के नमूने शनिवार को लिये। राणा को 10 अप्रैल को अमेरिका से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया था।

राणा के वकील पीयूष सचदेव ने यहां कहा कि विशेष अदालत के पहले के आदेश के अनुसार, एनआईए ने मुख्यालय में राणा की आवाज का नमूना लिया और न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) के समक्ष उसकी लिखावट के नमूने भी एकत्र किये।

सोमवार को अदालत ने पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक राणा की

- **गौरतलब है कि हाल ही में विशेष अदालत ने एनआईए को राणा की आवाज़ और हस्तलिपि का सैम्पल लेने की अनुमति दी थी।**

एनआईए की हिरासत 12 दिन और बढ़ाकर 09 मई तक कर दी थी, जबकि बुधवार को अदालत ने उसकी आवाज और लिखावट के नमूने प्राप्त करने के लिए एनआईए के आवेदन को स्वीकार कर लिया था।

गौरतलब है कि राणा उन आरोपियों में से एक है, जिसके खिलाफ एनआईए ने 2011 में और मुंबई पुलिस ने 2023 में आरोप पत्र दायर किया था।

एनआईए ने राणा पर 26/11 मुंबई हमलों के लिए एक बड़ी साजिश रचने का आरोप पत्र दाखिल किया था, जबकि मुंबई पुलिस ने मुंबई आतंकवादी हमले में उसकी मुख्य भूमिका के मद्देनजर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रदेश के छोटे खान बजरी मालिकों के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण ओदश!

'जिन खानों के द्वारा बजरी खनन करने के आवेदन को एस.इ.आई.ए.ए. ने स्वीकृति दे दी है, उनमें खनन गतिविधि शुरु की जा सकती है'

-यादवेन्द्र शर्मा-

नई दिल्ली, 3 मई। उच्चतम न्यायालय ने राजस्थान में सक्रिय और बजरी खनन कर रहीं करीब 5,000 छोटी खानों को राहत दी है, जिन्हें बजरी खनन करने के लिए "शॉर्ट-टर्म" परमिट मिला हुआ है और प्रदेश की इन्वायरनमैंट इम्पैक्ट एसैसमैंट अथॉरिटी द्वारा स्वीकृति भी प्राप्त है।

दरअसल इस मामले के तथ्यों के अनुसार, "नैशनल ग्रीन ट्राइब्यूनल" (एन.जी.टी.) ने आदेश दिया था कि बजरी खनन वाली खानों को राज्य के इन्वायरनमैंट इमपैक्ट एसेसमैंट अथॉरिटी (एस.इ.आई.ए.ए.) द्वारा स्वीकृति प्राप्त करने के बाद ही कार्य करने की अनुमति दी जाएगी। एन.जी.टी. के इस आदेश से पूर्व कई राज्य सरकारें, जिसमें राजस्थान भी शामिल है, जिला स्तरीय इन्वायरनमैंट इम्पैक्ट एसैसमैंट अथॉरिटी द्वारा बजरी खनन करने की स्वीकृति मुहैया कराया करती थीं। परंतु एन.जी.टी. के समक्ष जनहित में दायर याचिकाओं के माध्यम से यह सिद्ध किया गया कि जिला स्तरीय समितियां बजरी खानों को खनन की स्वीकृति देने के लिए किसी भी रूप में उपयुक्त नहीं हैं और उनके पास ऐसे कोई भी विशेषज्ञ या एक्सपर्ट उपलब्ध नहीं हैं, जो बजरी खनन के पर्यावरण पर प्रभाव को माप सकें। इसका अर्थ था कि एन.जी.टी. के समक्ष यह सिद्ध किया गया कि जिला स्तरीय अधिकारी मनमाने तरीके से बजरी खनन की छोटी-बड़ी "लीज़" जारी कर रहे थे, पर एन.जी.टी. ने अपने आदेश से इस पर रोक लगा दी।

- **सुप्रीम कोर्ट के आदेश से अदालती फैसलों और अपीलों में फंसे करीब 5,000 खान मालिकों को राहत मिली।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने बजरी खनन गतिविधि को अनुमति देने के लिए एस.इ.आई.ए.ए. को जिम्मेदार विभाग मानते हुए एन.जी.टी. के फैसले को सही माना और राज्य सरकार को इस आदेश की पालना करने को कहा।**
- **गौरतलब है कि पिछली गहलोत सरकार में एस.इ.आई.ए.ए. ने बजरी खनन की अनुमति मांग रही 16-17 हजार खानों में से केवल 4,500-5,000 खानों को ही जाँच करके खनन की अनुमति दी और करीब 2,000 आवेदनों को अस्वीकार किया। बचे हुए आवेदनों पर कोई फैसला नहीं दिया गया, जिससे अवैध खनन को बढ़ावा मिला।**
- **उल्लेखनीय है कि वर्तमान भाजपा सरकार ने एस.इ.आई.ए.ए. के सभी सदस्यों की अभी तक नियुक्ति नहीं की है, जिस वजह से बजरी खनन के कई आवेदनों पर फैसला नहीं हो पा रहा था और इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश की एस.इ.आई.ए.ए. और राज्य सरकार को जवाब प्रस्तुत करने और प्रस्तावों की जाँच करने के लिए दूसरी बार समय दिया।**

परंतु हैरानी की बात यह है कि छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में तो स्टेट इन्वायरनमैंट इम्पैक्ट एसैसमैंट अथॉरिटी (एस.ई.आई.ए.ए.) का गठन ही नहीं किया गया था और राजस्थान जैसे प्रदेश, जहाँ एस.ई.आई.ए.ए. का गठन तो किया गया था परंतु अधिकारियों द्वारा बजरी खनन करने के लिए दायर आवेदनों पर कई वर्ष तक कार्यवाही नहीं की गई, जिस वजह से कुछ ही आवेदनों को अस्वीकार किया गया और अधिकतर आवेदनों पर कोई फैसला ही नहीं लिया गया।

पाठकों को यह भी बता दें कि गहलोत सरकार के दौरान रिटायर्ड

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महिला की हत्या करने वाले युवक को उम्र कैद की सजा

जयपुर, 3 मई। सत्र न्यायालय, महानगर प्रथम ने खो-नागोरियान थाना इलाके में धारदार चाकू से कई वार कर महिला की हत्या करने वाले अभियुक्त गौतम जाटव को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी नंदिनी व्यास ने अपने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष अभियुक्त

- **अभियुक्त ने दुकान से चाकू खरीद कर महिला के पेट पर कई गंभीर वार किये थे।**

के खिलाफ हत्या का अपराध साबित करने में सफल रहा है। अभियुक्त ने भागन्ती देवी की हत्या करने के आशय से ही दुकान से चाकू खरीदा था और उस चाकू से उसके पेट पर कई बार गंभीर वार किए, ताकि हर स्थिति में उसकी मृत्यु हो सके। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक एलए खान ने बताया कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मनुष्य जीवन अनुभव का शास्त्र है। –विनोबा

गरीबी से बड़ा कोई अभिशाप नहीं. इससे मुक्ति दिलाने में शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण से बेहतर कोई उपाय नहीं

मेरा जीवन एक साधारण गाँव में शुरू हुआ, जहाँअकूत गरीबी थी। मेरे पिता प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे और मैं प्राय: उनको इस संघर्ष में देखता था कि कैसे वे एक ओर अपने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते थे और दूसरी ओर सरकारी अफसरों और नेताओं से हाथ जोड़कर अपने पदस्थापन स्थान के विकास के लिए याचना करते थे। मैंने तब इस बात को स्वयं जिया कि कैसे गरीबी न केवल जीवन की गुणवत्ता को कम करती है, बल्कि यह व्यक्ति की आत्मा को भी छलनी कर देती है। इस अभिशाप से मुक्ति पाने की छटपटाहट में मैंने शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण के महत्व को आत्मसात और क्रियान्वित किया।

शिक्षा ने मेरे लिए विश्व के बंद दरवाजे खोले। शिक्षा मेरे लिए ज्ञान की वह रोशनी लेकर आई, जिसने मुझे अपनी स्थितियों को समझने और उन्हें बदलने की रणनीति और शक्ति दी। स्वास्थ्य ने मुझे यह सिखाया कि एक स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ और निर्मल मन निवास करता है, और यही निर्मल मन व्यक्ति के समग्र कल्याण का बीज है। शांति ने मुझे आंतरिक संतुलन और सामंजस्य के चमत्कारी प्रभाव को समझाया, जो हमारे भीतर सहयोग और सद्भावना को बढ़ाता है। हमारे आसपास का पर्यावरण और उसको बेहतर रखने के प्रति सचेत रहने से मुझे यह समझ पाना सुलभ हुआ कि प्राकृतिक संसाधन हमारे जीवन केमूल आधार हैं, और इनकी सुरक्षा करना हमारी असल में हमारी अपनी भलाई के लिए अनिवार्य है।

इस प्रकार, मेरी कहानी आपको यह सिखा सकती है कि गरीबी से लड़ने और विजय पाने हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण को साथ लेकर चलना होगा। ये चारों स्तंभ व्यक्तिगत जीवन के साथ ही समग्र समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। जब हम इन स्तंभों को सशक्त बनाते हैं, तो हम न केवल गरीबी के विरुद्ध एक प्रबल लड़ाई लड सकते हैं, बल्कि एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो अधिक समृद्ध, स्वस्थ और शांतिपूर्ण हो।

अपनी जीवन यात्रा मेंमैंने यह भी सीखा कि जब समाज एक साथ मिलकर काम करता है, तो बदलाव लाना तुलनात्मक रूप से शीघ्रतापूर्वक संभव हो पाता है। शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना, शांति की दिशा में काम करना और पर्यावरण की रक्षा करना–ये सभी कार्य तब और अधिक प्रभावी होते हैं जब हम सभी इसमें साझा प्रयत्न करते हैं। मेरी कहानी यह भी दर्शाती है कि गरीबी एक बड़ी चुनौती है, लेकिन इसे पराजित करने के लिए हमारे पास शक्तिशाली रणनीतियाँ उपलब्ध हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति, और पर्यावरण के माध्यम से हम व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बना सकते हैं, और साथ ही पूरे समाज और राष्ट्र को भी उन्नति की ओर ले जा सकते हैं। इस दिशा में मिल–जुलकर किया गया कार्य एक ऐसे भविष्य की ओर ले जा सकता है जहाँ गरीबी मात्र इतिहास का हिस्सा बन कर रह जाए।

शिक्षा का महत्व तो जगजाहिर है। यह व्यक्ति को न केवल ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि उसे आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक होती है। एक अनपढ़ व्यक्ति जो अपने अधिकारों से अनभिज्ञ होता है, उसे प्राय: शोषण का सामना करना पड़ता है। जब वही व्यक्ति शिक्षित हो जाता है, तो वह न केवल अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है, बल्कि अपने जीवन की बेहतरी हेतु सही निर्णय ले सकता है। उदाहरण के लिए, एक छोटे गाँव की एक युवती जिसने शिक्षा प्राप्त की और अपने गाँव में एक स्कूल खोला, उसने अपना जीवन तो बदला ही साथ ही अपने गाँव के बच्चों को भी शिक्षित करने का मार्ग प्रशस्त किया।

शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य साधन है। बीमारियों से मुक्त एक स्वस्थ व्यक्ति अपने कार्य में अधिक सक्षम होता है और तुलनात्मक रूप से अधिक आय अर्जित कर सकता है। इसके उलट, एक बीमार व्यक्ति अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर सकता, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति दुष्प्रभावित होती है। स्वास्थ्य सेवाओं का सुलभ होना और उनकी गुणवत्ता दोनों ही महत्वपूर्ण है। एक स्वस्थ समाज ही एक समृद्ध और सुखी समाज की नींव रख सकता है। एक छोटे गाँव में, जहाँ पहले स्वास्थ्य सेवाएं नहीं थीं, वहाँ एक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना से न केवल बीमारियों का बेहतर प्रबंधन हुआ, बल्कि लोगों की जीवन गुणवत्ता में भी सुधार हुआ।

शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ ही शांति भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य घटक है। एक शांतिपूर्ण समाज में, व्यक्तियों, परिवारों और समाज को अपनी क्षमताओं को विकसित करने और आर्थिक अवसरों का लाभ उठाने के बेहतर अवसरप्राप्त होता है। जिस समाज में हिंसा और अशांति होती है उसमें सतत विकास की संभावनाएं घट जाती हैं और गरीबी बढ़ती जाती है। फलत:, शांति को बढ़ावा देना और आपसी संघर्षों को कम करना गरीबी से मुक्ति के लिए अनिवार्य है।

शिक्षा का महत्व तो जगजाहिर है। यह व्यक्ति को न केवल ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि उसे आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक होती है। एक अनपढ़ व्यक्ति जो अपने अधिकारों से अनभिज्ञ होता है, उसे प्रायः शोषण का सामना करना पड़ता है। जब वही व्यक्ति शिक्षित हो जाता है, तो वह न केवल अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है, बल्कि अपने जीवन की बेहतरी हेतु सही निर्णय ले सकता है।

गरीबी को मिटाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, और शांति के साथ–साथ पर्यावरण का संरक्षण भी अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरणीय स्थिरता से हमारे संसाधन सुरक्षित रहते हैं, जो कि सतत आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिकीय विकास और लोगों के कल्याण में मौलिक भूमिका निभाते हैं। जब पर्यावरण संरक्षित होता है, तो यह खाद्य सुरक्षा में योगदान देता है, प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करता है, और स्वच्छ जल, वायु और मृदाप्रदान करता है। इस प्रकार,पर्यावरणीय स्थिरता प्राकृतिक पारिस्थितिकीय तंत्रों के साथ ही मानव समाज के स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता के लिए भी अनिवार्य है। इसलिए, गरीबी उन्मूलन की हमारी रणनीतियों में पर्यावरणीय संरक्षण को भी प्रमुख स्थान देना चाहिए। प्राकृतिक जलवायु समाधान जिसमें कार्बन पृथक्करण और संचय, जैव–विविधता का संरक्षण, और आजीविका में सुधार शामिल हैं, एक ऐसा रास्ता देते हैं जो गरीबी उन्मूलन के लिए आवश्यक संसाधनों का सुदृढीकरण भी करते हैं।

इन चारों स्तंभों – शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण – को सुदृढ़ करने से ही गरीबी के चक्र को तोड़ा जा सकता है और एक समृद्ध समाज की नींव रखी जा सकती है। इसके लिए आवश्यक है कि सरकारें और समाज के सभी वर्ग इन क्षेत्रों में प्राथमिकता से निवेश करें। इन मूलभूत कारकों को सम्हाली बिना गरीबी के विरुद्ध एक प्रभावी और निर्णायक लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती।

यदि एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन नहीं दे सकता, तो वास्तव में उसके पास देने के लिए और क्या बचता है? ये सभी तत्व न केवल एक समृद्ध समाज की नींव हैं, बल्कि ये हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण हैं। एक व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के रूप में हमारी प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि हम इन मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करें और अपने नागरिकों को एक सुरक्षित, स्वस्थ, और शिक्षित भविष्य प्रदान करें।

इसी विश्वास के साथ हम एक श्रृंखलाबद्ध विश्लेषण प्रारम्भ कर रहे हैं कि यह ज्ञान व्यक्तियों, परिवारों समाज और सरकारों को गरीबी उन्मूलन के लिए एक नवाचारी और प्रमाण–आधारित दिशा प्रदान करेगा। यदि हमारा देश अपने नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को तो बढ़ाएगा ही साथ ही समाज के समग्र विकास को भी सुनिश्चित करेगा। इन मूलभूत कारकों को ध्यान रखकर तय की गई प्राथमिकता ही वह आधार है जिस पर एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है।

इस विश्लेषण में हम आने वाले समय में यह स्पष्ट करेंगे कि कैसे शिक्षा नागरिकों को नई तकनीकें और विचार सीखने में मदद कर सकती है,स्वास्थ्य सेवाएं कैसे उन्हें अधिक उत्पादक बना सकती हैं, पर्यावरणीय संरक्षण कैसे संसाधनों की रक्षा कर सकता है, और शांति कैसे हमारे समाज को अधिक सहयोगी और सद्भावपूर्ण बना सकती है। हम उम्मीद करते हैं कि इस विश्लेषण के माध्यम से प्राप्त निष्कर्ष समाज और सरकारों को इन क्षेत्रों में नीतियाँ और कार्यक्रम विकसित करने के लिए प्रेरित करेंगे, जिससे गरीबी कम होने के साथ ही देश की समग्र प्रगति भी सुनिश्चित होगी।

हम इस श्रृंखलाबद्ध विश्लेषण को इस आशा और विश्वास के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं कि यह ज्ञान, गरीबी को मिटाने के लिए समाज और सरकारों को एक नई दिशा देगा। जब एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह न केवल व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है बल्कि समाज के समग्र विकास को भी सुनिश्चित करता है। ये सभी तत्व एक समृद्ध समाज की नींव हैं और हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण हैं। इससे न केवल हमारे देश की समग्र उन्नति सुनिश्चित होगी, बल्कि यह हमारे नागरिकों को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी और सक्षम बनाने में भी मदद करेगा। यह आवश्यक है कि हम शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, और शांति के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दें और इन्हें अपनी राष्ट्रीय नीतियों का केंद्र बिंदु बनाएं। इस प्रकार, हम एक ऐसे भविष्य की ओर अग्रसर होंगे जहाँ हर नागरिक के पास अपनी पूर्ण क्षमता को प्राप्त करने का अवसर होगा।

हम इस बात को समझते हैं कि गरीबी एक जटिल समस्या है जिसका समाधान एक क्षेत्र में कार्य करने से नहीं, अपितु एक समन्वित और समठा दृष्टिकोण से ही हो सकता है। इसलिएहमारी श्रृंखला विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के विचारों और अनुभवों को साझा करेगी, और शोध–आधारित विचारों को आगे लायेगी, जिससे नवाचार और सुधार के लिए प्रेरणा मिल सके। अंत में, हम आशा करते हैं कि यह श्रृंखला न केवल जागरूकता बढ़ाएगी बल्कि समाज और सरकारों को उन नीतियों और कार्यक्रमों को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी जो वास्तव में गरीबी को कम करने और हमारे देश को एक समृद्ध भविष्य की ओर ले जाने में सहायक होंगे।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंगप्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

एक राष्ट्र, एक चुनाव: नीतिगत स्थिरता और जनकल्याण की राह

डॉ. सौम्या गुर्जर

लोकतंत्र की जननी भारत को सशक्त बनाने वाले लोकमत के उत्सव यानी चुनाव की प्रक्रिया ही यह प्रश्न उठाती है कि क्या 145 करोड़ की आबादी वाला देश लगातार चुनावी मोड में रहकर विकास की स्थिर गति बनाए रख सकता है? चुनाव, निस्संदेह लोकतंत्र की आत्मा हैं, लेकिन जब वे वर्ष–दर–वर्ष किसी न किसी राज्य में दोहराए जाते रहते हैं, तो नीतियों की निरंतरता, प्रशासन की कार्यशीलता और योजनाओं के क्रियान्वयन की गति बाधित होती है। यही वह चुनौती है, जिसके समाधान के रूप में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का विचार सामने आया है।

यह अवधारणा कोई नया विचार नहीं है – स्वतंत्रता के बाद भारत में 1951–52 से लेकर 1967 तक लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ आयोजित किए जाते रहे थे। लेकिन समय के साथ राजनीतिक अस्थिरता, राज्यों में राष्ट्रपति शासन लागू करने वाले अनुच्छेद 356 के दुरुपयोग, और लोकसभा के समय से पूर्व चुनाव कराने जैसे कारणों से यह क्रम टूट गया।

आज, जब भारत वैश्विक मंच पर अपनी भूमिका को पुनर्परिभाषित करते हुए 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, तब यह आवश्यक है कि राजनीतिक कैलेंडर राष्ट्रीय विकास के लक्ष्य के आड़े न आए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विचार को पुन: राष्ट्रीय विमर्श में लाने का साहसिक कार्य किया। पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय समिति इस विषय के संवैधानिक, व्यवहारिक और सामाजिक पहलुओं का समग्र अध्ययन कर रही है।

यह पहल न तो किसी एक दल की है, न ही किसी तात्कालिक राजनीतिक लाभ की – यह उस लोकतांत्रिक दृष्टिकोण का विस्तार है जो भारत को अधिक उत्तरदायी और परिणामोन्मुखी बनाना चाहता है। हालांकि कुछ दलों द्वारा इसे राजनीतिक दृष्टिकोण से देखा गया है, फिर भी इसका मूल उद्देश्य शासन व्यवस्था को अधिक सक्षम, स्थिर और जनकल्याणकारी बनाना है।

एक राष्ट्र एक चुनाव की नीति से मतदाता की भागीदारी में वृद्धि होगी, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मजबूती और उसकी वैधता को और अधिक सुदृढ़ बनाती है। नागरिकों को अपनी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी निभाने का एक समान अवसर मिलेगा और भारतीय लोकतंत्र का उत्सव सभी वर्गों तक पहुंचेगा। प्रवासी मतदाताओं को भी बार–बार छुट्टी लेने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, क्योंकि मतदान का समय एक ही दिन होगा। यह भारतीय लोकतंत्र को और समावेशी और सहभागी बनाएगा।

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाने से आदर्श आचार संहिता की वजह से जो विकास कार्य रुकते हैं, वे बाधित नहीं होंगे। इससे शासन व्यवस्था को लगातार कार्य करने का अवसर मिलेगा और नीति–निर्माण की प्रक्रिया में कोई रुकावट नहीं आएगी।

चुनावों के दौरान अक्सर धारा 144 लागू की जाती है, ट्रैफिक प्रतिबंध होते हैं, और कुछ क्षेत्रों में दुकानें बंद रखने के निर्देश दिए जाते हैं। इससे आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होती है, सामानों की आवाजाही धीमी हो जाती है और उत्पादकता घटती है। एक राष्ट्र एक चुनाव की नीति उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान को घटाने के साथ–साथ आर्थिक गतिविधियों को भी स्थिर करेगी।

चुनाव आचार संहिता के लागू होते ही नीतिगत निर्णयों, विकास योजनाओं और प्रशासनिक पहलों पर रोक लग जाती है, जिससे जनकल्याण से जुड़ी गतिविधियाँ प्रभावित होती हैं। इसके अतिरिक्त, राजनीतिक दलों और सरकारी अधिकारियों को चुनावी रणनीतियों और तैयारियों में बार–बार संलग्न होना पड़ता है, जिससे शासन पर केंद्रित ध्यान विखंडित हो जाता है। एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा इस निरंतरता को तोड़ते हुए नीति–निर्माण को अधिक स्थिर और प्रभावी बना सकती है। जब देश भर में एक निर्धारित समय पर चुनाव आयोजित होंगे, तो सरकारों को शेष अवधि में नीतियों के क्रियान्वयन और विकास योजनाओं पर सुचारू रूप से कार्य करने का अवसर मिलेगा। इससे राजनीतिक कार्यकर्ताओं और सरकारी अमले का समय भी बचेगा, जो अक्सर चुनावी तैयारियों में व्यय होता है। साथ ही चुनावों के दौरान होने वाली सामाजिक असामंजस्यता और संघर्ष में भी कमी आएगी, क्योंकि चुनाव हर पांच साल में एक बार होंगे।

वित्तीय दृष्टिकोण से देखा जाए तो वर्ष 2019 के आम चुनाव पर लगभग 55,000 करोड़ रुपये का व्यय हुआ था, और राज्यों के चुनावों को जोड़ने पर यह आंकड़ा सालाना 60,000 से 70,000 करोड़ रुपये तक पहुँचता है, जो भारत की उञ्ज का लगभग 0.3ञ है। समवर्ती चुनावों से विशेषज्ञों का अनुमान है कि प्रत्येक चक्र में लगभग 40,000 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है। यह केवल आर्थिक लाभ नहीं, बल्कि भारत के विकास में अभूतपूर्व गति ला सकता है।

राजनीतिक स्थिरता और वैश्विक छवि की बात करें तो, जब भारत के सभी चुनाव एक साथ होंगे, तो ग्लोबल पार्टनर्स और निवेशक भारत को एक स्थिर और परिपक्व लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में देखेंगे, जिससे अंतरराष्ट्रीय सहयोग और निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी।

इन सभी बदलावों के लिए संवैधानिक संशोधन, राजनीतिक सहमति और जनचर्चा की आवश्यकता होगी, लेकिन यदि इसे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर देखा जाए, तो यह भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को अधिक मजबूत और कार्यक्षम बना सकता है।

एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा भारतीय जनता पार्टी के दीर्घकालिक दृष्टिकोण का हिस्सा रही है, जो समय–समय पर उनके घोषणापत्रों में भी परिलक्षित होती रही है। यह केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि स्वतंत्रता के बाद से चली आ रही एक विचार प्रक्रिया का परिणाम है, जिसका उद्देश्य देश की लोकतांत्रिक और विकासात्मक प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करना है। पार्टी ने अपने 1984, 2019 और 2024 के घोषणापत्रों में इस विचार को प्रमुखता से शामिल किया है।

आज भारत एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है, जहाँ उसे यह निर्णय लेना है कि क्या वह केवल लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का विस्तार चाहता है – या फिर उनमें दक्षता, स्थायित्व और समृद्धि भी लाना चाहता है। एक राष्ट्र, एक चुनाव कोई तात्कालिक प्रयोग नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक संगठित, उत्तरदायी और तेज़तर विकास देने वाला यथार्थ समाधान हो सकता है।

यह विचार समय की पुकार है – और जब राष्ट्र सामूहिक विवेक से जागता है, तो केवल चुनाव नहीं, इतिहास बदला जाता है।

–डॉ. सौम्या गुर्जर,
महापौर, नगर निगम ग्रेटर जयपुर

अंधड़ से प्रभावित व्यवस्थाओं की समीक्षा

झुंझुनूं, । गुरूवार–शुक्रवार के बीच मध्यरात्रि को आए अंधड़ से झुंझुनूं जिले में काफी नुकसान हुआ है। जिसे लेकर झुंझुनूं कलेक्टर रामावतार मीणा लगातार सक्रिय नजर आए। शुक्रवार सुबह ही जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने बिजली, पानी और राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को नुकसान का आंकलन और प्रभावित लोगों की समस्या समाधान के निर्देश दे दिए थे। शनिवार को इसी अंधड़ से हुए नुकसान को लेकर उन्होंने बिजली और पानी महकमों के अधिकारियों की बैठक बुलाई। शनिवार की छुट्टी होने के कारण जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने अपने सरकारी आवास पर ही अधिकारियों को बुलाया और सभी से एक–एक बिंदू पर जानकारी हासिल की। कलेक्टर ने कहा कि अंधड़ से अभी तक कोई जनहानि नहीं हुई है।

'मुफ्त खाद्यान्न उठाने वालों से होगी बाजार दर से वसूली'

- **आशातीत सफलता को देखते हुए अभियान की अवधि को अब विभाग ने 31 मई तक बढ़ा दी हैं।**

अजमेर (कासं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा गिव अप अभियान प्रारम्भ किया गया था। आशातीत सफलता को देखते हुए इस अभियान की अवधि को अब विभाग द्वारा 31 मई तक बढ़ा दी हैं।

इन लोगों को एक अंतिम अवसर और प्रदान किया गया था। खाद्य सुरक्षा योजना की पात्रता खो चुके 1837 परिवारों के 6967 सदस्यों ने सरकार की प्रस्तावित कार्यवाही के डर से स्वेच्छा से अपने नाम हटवा लिए है।

इसके बाद कोई परिवार पात्रता नहीं रखने के बावजूद खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ लेता है तो उस पर विभाग कार्यवाही के साथ ही 27 रूपये प्रति किलो गेंहू अथवा बाजार दर के हिसाब से वसूली की जाएगी।

जिला रसद अधिकारी (प्रथम) रतन कौर ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में अवैध रूप से लाभ लेने वाले लाभार्थियों के लिए गिव अप अभियान चलाया जा रहा है।

इसके तहत ऐसे व्यक्ति जिनके पास चार पहिया वाहन है, आयकर दाता है, ग्रामीण क्षेत्रों में 1500 स्क्वायर फीट से ज्यादा जमीन पर मकान बना हो और आर्थिक रूप से सक्षम है। इसके बाद भी खाद्य सुरक्षा योजना में अवैध रूप से लाभ उठा रहे है, तो उनके नाम काटे जा रहे है।

वे उपभोक्ता एवं परिवार स्वयं अभियान के तहत योजना से नाम कटवा सकते हैं। अवैध रूप से योजना का लाभ ले रहे लोगों को पर्याप्त समय दिया गया था। विभाग के पास सभी अपात्र परिवारों की सूची तैयार है। वे स्वयं अंतिम तिथि से पूर्व नाम नहीं हटवाते हैं, तो एक जून से विभागीय कार्यवाही शुरू की जाएगी। इसमें 27 रूपये प्रति किलो के हिसाब से वसूली की जाएगी। इस संबंध में सतर्कता समिति की बैठक के दौरान समस्त सतर्कता समिति के सदस्यों को निर्देशित किया गया कि ऐसे अपात्र व्यक्तियों का चिन्हिकरण करे, जो सक्षम होते हुए भी खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ उठा रहे हैं। पात्र व्यक्तियों के नाम खाद्य सुरक्षा में जोड़ने हेतु नाम उपलब्ध कराए।

उनको खाद्य सुरक्षा में सम्मिलित किए जाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके। मीटिंग के दौरान समस्त प्रर्वतन अधिकारी तथा निरीक्षकों को निर्देश प्रदान किये गये कि वे अपने अपने क्षेत्र में ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित कर नोटिस जारी करें। अब तक गिव–अप अभियान के तहत 220 अपात्र व्यक्तियों को नोटिस जारी किये जा चुके है। आज ही बड़गांव के 20 व्यक्तियों को नोटिस जारी हुए हैं। इनमें से 16 को एक लाख रुपए से अधिक आय होने, 3 को चार पहिया वाहन होने तथा एक को आयकर दाता होने के कारण नोटिस दिए गए हैं।

भारतीय संस्कृति व सनातन के ज्ञान से होगा मनुष्य में सद्भावना का निर्माण : खर्रा

- **वर्तमान दौर की आवश्यकता है गुरुकुल की शिक्षा : तिवाड़ी**
- **राम गुरुकुलम का भव्य शिलान्यास समारोह श्यामपुरा (पालवास) में सम्पन**

सीकर । निकटवर्ती गांव श्यामपुरा (पालवास) के मुलकानी तलाई में शनिवार को श्रीरामगुरूकुलम का शिलान्यास देशभर आये संतों के सानिध्य में हुवा। शिलान्यास समारोह में मुख्य अतिथि नगरीय विकास मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने संबोधित करते हुये कहा कि भारतीय संस्कृति व नैतिक मूल्यों की समाज में स्थापना के लिये गुरूकुल शिक्षा की महती आवश्यकता है। बच्चा बचपन से ही अपने गौरवशाली इतिहास को पढ़कर गौरवान्वित महसुस करेगा तो देश व दूनिया में भारत का नाम रोशन करेगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने भी नई शिक्षा नीति में भारत के गौरवमयी इतिहास को शामिल किया है। जिससे हमें हमारे इतिहास के बारे में पता चल सकें। समारोह की अध्यक्षता करते हुये राज्यसभा सदस्य घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि वेदों की महत्वता व पुरातन गुरूकुल शिक्षा के बल पर ही भारत विश्वगुरू रहा है। भारतीय वेद, दर्शन व अंकशास्त्र की पूरे विश्व में पहचान रही है। श्रीराम गुरूकुलम न्यास के अध्यक्ष व पालवास के करणी गोपाल गौधाम के महंत चन्द्रमादास महाराज ने बताया कि शिलान्यास समारोह सुबह 9,15 बजे वैदिक मंत्रोंच्चार व गणेश वंदना से शुरू हुवा जो दोहपर 2 बजे तक चला। इस समारोह में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता व हनुमानगढ़ी अयोध्याधाम के महंत गौरीशंकर दास महाराज, श्री कृष्णायन गौशाला हरिद्वार के महामंडलेश्वर ईस्वर दास महाराज, श्रीधाम वृंदावन के सनतकुमार शरण महाराज, अखिल भारतीय सांगलिया धूणी सांगलिया पीठ के संत ओमदास महाराज व बावलिया बाबा आश्रम कुचामन सिटी के प्रकाश नारायण महाराज, ग्वाल सन्त गौऋषि गोपालानन्द सरस्वती महाराज, गाडोदा के संत महावीर जति, काछवा के मोतीनाथ,चूरू खासोली के नवरत्न गिरी महाराज, के उदबोधन हुये अन्य प्रदेश के कई संतो का सानिध्य मिला। कार्यक्रम में धोद विधायक गोवर्धन वर्मा, भाजपा नेता हरीराम रणवा, पूर्व विधायक रतन जलधारी, पूर्व सासंद सुमेधानन्द सरस्वती, भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज बाटड एवं आरएसएस के प्रांत प्रचारक बाबूलाल, सहप्रान्त प्रचारक , विशाल कुमार, जिला संघचालक चितरंजन सिंह, सह प्रात कार्यवाह कृष्ण अडाणीया, वरिष्ठ प्रचारक सत्यनारायण सहित सैकड़ों राजनेता व गणमान्यजन उपस्थित रहे। समारोह में मुख्य भामाशाह ने किया नींव पूजन : श्रीराम गुरूकुलम के सचिव राजेन्द्र सिंह मूंडरू ने बताया कि शिलान्यास समारोह में जमीन दान करने वाले भामाशाह अजीत सिंह नाथावत ने संतो के सानिध्य में भूमि पूजन किया। समारोह में रामेश्वर जांगिड नागवा, चतुर्भुज कुमावत , विनोद अग्रवाल, दिनेस बियाणी, मुकेश खडेलिया . गोपाल डोलिया , भोजराज,मनमोहन शर्मा, वेदप्रकाश शर्मा ,गोपाल बड़ाडर, सुशीला सर्राफ, देवीलाल कुमावत ,रघुवीर सिंह नागवा, पुरुषोत्तम पाण्डेय ,महेंद्र लोहिया ,राजवीर सिंह शेखावत , मनोज कुमार शर्मा. भाजपा नेता हनुमान सिंह पालवास, मनमोहन मिश्रा, अमित चिराणियां, विष्णुभूत, सुरेश डीडवानिया,नरेश सिंधी,राजेश दोदराजका, श्रवण सिंह तासर छोटी, सुरेश गिनौडीया आदि भामाशाहो का सम्मान किया गया। पूर्व शिक्षा मंत्री एवं राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाडी ने कहा कि सभी वक्ताओं ने गुरुकुल शिक्षा को आज के दौर में जरूरी बताया कहा की आज की युवा पीढ़ी संस्कृति व संस्कारों से दूर होती जा रही है।

राशिफल रविवार 4 मई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, पुष्य नक्षत्र दिन 12:53 तक, गंड योग रात्रि 12:41 तक, वणिज करण प्रात: 7:19 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मेष, चन्द्रमा–कर्क मंगल–कर्क, बुध–मीन, गुरू–वृष, शुक्र–मीन, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

राजयोग सूर्योदय से प्रात: 7:19 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग और रविपुष्य योग सूर्योदय से दिन 12:53 तक है। आज भद्रा प्रात: 7:19 से सायं 7:27 तक रहेगी। आज भानु सप्तमी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:29 से 9:07 तक, लाभ अमृत 9:07 से 12:24 तक, शुभ 2:02 से 3:42 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:50, सूर्यास्त 6:57

मेष
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये–पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

कर्क
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

सिंह
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कन्या
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे, अटका धन प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आज स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

ईसरदा बांध का 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण, इस मानसून में होगा जल संग्रहण : भास्कर ए सावंत

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश के हर छोर तक सुचारू पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कर रहे है। मुख्यमंत्री के निर्देशन में सवाई माधोपुर और दौसा जिले में पेयजल आपूर्ति की दृष्टि से महत्वपूर्ण ईसरदा बांध का निर्माण कार्य मिशन मोड़ पर किया जा रहा है। बांध के निर्माण का 90 फीसदी कार्य पूर्ण हो चुका है। बांध के पियर्स एवं गेटों का कार्य पूरा हो चुका है। डैम एवं कॉक्रीट स्पिलवे का कार्य 15 जून तक पूर्ण किये जाने का प्रयास है।

इसी के तहत शनिवार को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए सावंत ने ईसरदा बांध परियोजना के निर्माण कार्य, फिल्टर प्लांट साइट के कार्यों का निरीक्षण किया। साथ ही, विभागीय अभियंताओं को कार्य प्रगति को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने प्रभावित परिवारों को भूमि आवंटन, पुनर्वास अवार्ड कार्य की पूर्णता को समयबद्ध सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया। भूमि अधिग्रहण से संबंधित प्रकरण, रेलवे एवं वन विभाग से संबंधित मुद्दों पर चर्चा कर इनका शीघ्र समाधान किये जाने की बात कही।

इस दौरान उपखंड अधिकारी उनियारा शत्रुघन गुर्जर, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजसिंह, अधीक्षण अभियंता टोंक राजेश गोयल, बीसलपुर परियोजना के अधीक्षण अभियंता मनोज सिंह, ईसरदा बांध के अधीक्षण अभियंता विजय शर्मा, अधिशाषी अभियंता विकास गर्ग, सहायक अभियंता अभिषेक लसाड़िया समेत अन्य मौजूद रहे।

ईसरदा बांध बीसलपुर बांध के डाउन स्ट्रीम में ग्राम बनेठा (तहसील उनियारा) टोंक के पास बनास नदी पर बनाया जा रहा है। इसका निर्माण दो चरणों में किया जाना है। प्रथम चरण में डैम का निर्माण पूर्ण भराव स्तर 262 आरएल मीटर (भराव क्षमता 10.77 टीएमसी) तक पूर्ण किया जाएगा। इसमें पानी का भंडारण 256 आरएल मीटर भराव क्षमता 3.24 टीएमसी है। दूसरे चरण में बांध में पूर्ण भराव क्षमता 262 आरएल मीटर तक पानी संग्रहित हो सकेगा।

जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए सावंत ने ईसरदा डैम का निरीक्षण किया।

आगामी मानसून के दौरान बांध में जल संग्रहित किया जा सकेगा। इसके बाद दौसा के 1 हजार 79 ग्राम और 5 शहरों तथा सवाई माधोपुर के 1 शहर तथा 177 गांवों में पेयजल की सुचारू आपूर्ति हो सकेगी। यह परियोजना जल संकट समाधान के साथ बीसलपुर बांध के अधिशेष पानी और बनास नदी के बारिश के जल का कुशल प्रबंधन भी सुनिश्चित करेगी। साथ ही, ईसरदा बांध से रामजल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पीकेसी-ईआरसीपी लिंक परियोजना) के तहत अन्य बांधों को पेयजल के लिए आपूर्ति हो सकेगी।

■ **अभियंताओं को समयबद्ध सीमा में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश**

बांध निर्माण में ओवरफ्लों वाले भाग में स्पिलवेय ब्रिज में स्लैब निर्माण का कार्य प्रगतिरत है। अभी तक 28 के विरुद्ध 28 स्लैब डाली जा चुकी है। साथ ही, 28 पीयर्स के विरुद्ध 28 पियर्स वांछित ऊंचाई तक पूर्ण किए जा चुके है। बांध में 84 गर्डर के विरुद्ध 84 गर्डर लॉन्च किए गए है। बांध में 28 ब्लॉक एप्रेन के विरुद्ध 23 ब्लॉक एप्रेन का निर्माण किया जा चुका है। बांध में 28 पावर पैक रूम के विरुद्ध 28 पावर पैक रूम और 28 रेडियल गेट के विरुद्ध 28 रेडियल गेट का निर्माण हो गया है। बांध में 56 हाइड्रोलिक सिलेंडर के विरुद्ध 56 हाइड्रोलिक सिलेंडर भी लगाए जा चुके हैं। मिट्टी के बांध का कार्य लगभग 82 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। मुख्य बांध का कार्य लगभग 90 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है।

मुख्यमंत्री भगवान परशुराम की महाआरती में शामिल हुए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को राजस्थान ब्राह्मण महासभा जयपुर महानगर की ओर से आयोजित भगवान परशुराम की शोभायात्रा और महाआरती कार्यक्रम में शामिल हुए। शर्मा ने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर विधायक कालीचरण सराफ एवं बालमुकुंदाचार्य सहित ब्राह्मण समाज के गणमान्य लोग तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

साइबर सिक्योरिटी में भी सर्वश्रेष्ठ बनेगा राजस्थान : राज्यवर्धन राठौड़

जयपुर। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ की अध्यक्षता में योजना भवन में शनिवार को आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में साइबर सिक्योरिटी को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए व्यापक रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में तकनीकी उन्नित, मानव संसाधन और प्रक्रियाओं के विकास पर चर्चा की गई।

आईटी मंत्री कर्नल राठौड़ ने बैठक में साइबर सिक्योरिटी के लिए समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि साइबर सिक्योरिटी केवल सॉफ्टवेयर या हार्डवेयर तैयार करने तक सीमित नहीं है। इसके लिए तीन प्रमुख तत्वों-पीपल (लोग), प्रोसेस (प्रक्रियाएं) और टेक्नोलॉजी (प्रौद्योगिकी) का समन्वय जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल तकनीक पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा देना होगा ताकि विदेशी निर्भरता कम हो।

कर्नल राठौड़ ने बैठक में मानव संसाधन के विकास पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि साइबर सिक्योरिटी से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की दक्षता बढ़ाने के लिए संरचित और असंरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हर दिन प्रशिक्षण, जागरूकता का विस्तार और ग्रूमिंग होनी चाहिए। इसके लिए पर्याप्त बजट प्रावधान भी किए जाएंगे, जिससे सर्टिफाइड ट्रेनिंग प्रोग्राम्स के माध्यम से कर्मचारियों की क्षमता को और निखारा जा सके। इससे न केवल कर्मचारियों की तकनीकी दक्षता बढ़ेगी, बल्कि उनकी पेशेवर मूल्यवृद्धि भी होगी। साथ ही कार्य संस्कृति में सुधार होगा, जो दीर्घकालिक रूप से विभाग की कार्यक्षमता को बढ़ाएगा।

सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने योजना भवन में शनिवार को उच्चस्तरीय बैठक ली।

राठौड़ ने राजस्थान के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को देश का सर्वश्रेष्ठ बनाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत, मजबूत भारत है। हम नई सोच और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि राजस्थान का आईटी विभाग राष्ट्रीय स्तर पर एक मिसाल बने। इस दिशा में विभाग ने एक निश्चित समयावधि में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की योजना बनाई है। कर्नल राठौड़ ने भामाशाह डेटा सेंटर का उदाहरण देते हुए कहा कि यह वर्तमान में देश के अन्य राज्यों की तुलना में कहीं अधिक सुरक्षित और उन्नत है। यह डेटा सेंटर न केवल तकनीकी रूप से सक्षम है, बल्कि साइबर खतरों से डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

बैठक में प्रतिष्ठित साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और पूर्व सैन्य अधिकारी कर्नल निधीश भटनागर ने साइबर सिक्योरिटी के संबंध में प्रजेंटेशन के माध्यम से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी हर दिन चालाक बनते जा रहे हैं। ऐसे में आईटी प्रोफेशन से जुड़े हर व्यक्ति को भी हर दिन अपडेट और सतर्क रहने की आवश्यकता है।

बैठक में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ ही, ऊर्जा, जयपुर विकास प्राधिकरण, सहकारिता, भूजल संसाधन, परिवहन, आबकारी विभागों के अलावा आरजीएचएस और आईएफएमएस परियोजना आदि से जुड़े विभिन्न अधिकारीगण उपस्थित थे।

हनुमान बेनीवाल का बिगड़ा मानसिक संतुलन : कन्हैया लाल चौधरी

जयपुर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने कहा कि नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल खींवसर में चुनाव हारे हैं, तब से मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए बचकानी हरकतें कर रहे हैं। चौधरी ने कहा कि हमारी पार्टी ने मजबूती से मिलकर खींवसर विधानसभा का उपचुनाव लड़ा और जीते तथा खींवसर में हनुमान बेनीवाल एवं उनके पार्टी कार्यकर्ता जिस तरह से गुंडागर्दी करते थे, ब्लैकमेलिंग करते थे, उसका खात्मा किया।

उन्होंने कहा कि बेनीवाल ओछी लोकप्रियता पाने के चक्कर में मीडिया में लगातार अनर्गल बयान देते रहते हैं।

आरएमएससीएल को एलीट्स स्मार्ट गवर्नमेंट एक्सीलेंस अवार्ड

जयपुर। राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरएमएससी) को वर्ष 2025 के प्रतिष्ठित एलीट्स स्मार्ट गवर्नमेंट एक्सीलेंस अवार्ड-2025 से सम्मानित किया गया है। एलिट्स टेक्नोमीडिया एण्ड एडिटर इन चीफ, ई-गवर्नमेंट मैगजीन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग तथा कार्मिक विभाग, राजस्थान सरकार के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित समारोह में आरएमएससीएल को यह पुरस्कार दिया गया। आरएमएससीएल को यह पुरस्कार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में ई-औषधि एवं ई-उपकरण सॉफ्टवेयर सहित अन्य तकनीकी नवाचारों के लिए प्रदान किया गया है।

छात्रवृत्ति आवेदनों में रेड फ्लैग 15 मई तक हटा सकेंगे

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर ग्रामीण में लगभग साढ़े चार हजार से ज्यादा छात्रवृत्ति आवेदनों में लगाए गए रैड फ्लैग को हटाने के लिए विभाग की ओर से एक अंतिम मौका दिया गया है, जिसके बाद यदि आवेदकों ने इन आवेदनों में संशोधन नहीं कराया तो इन आवेदनों को विभाग की ओर से निरस्त कर दिया जाएगा।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक जितेन्द्र कुमार सेठी ने बताया कि शैक्षिणक सत्र 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 में छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने वाले छात्रों को अभी तक छात्रवृत्ति नहीं मिली तो वह एक बार पोर्टल पर एप पर लॉगिन कर आवेदन को चैक कर लें, क्योंकि विभाग की ओर से बड़ी संख्या में छात्रवृत्ति चाहने वालों को 'रैड फ्लैग' से मार्क कर दिया था।

■ **सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने जयपुर ग्रामीण में चार हजार से अधिक आवेदकों को दिया अवसर**

जितेन्द्र कुमार सेठी ने बताया कि एक बार छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने के बाद जन आधार से डाटा फैच करने पर एवं आवेदन में किसी प्रकार का बदलाव किया जाता है तो उसे 'लाल निशान' लगा दिया जाता है। जैसे किसी छात्र ने नाम, जन्म तिथि, आधार संख्या, जन आधार संख्या या फिर अन्य कोई बदलाव किया तो उसे संदिग्ध मान लिया गया। इस कारण सत्र 2022-23 और 2023-24 के रैड फ्लैग वाले छात्रों को छात्रवृत्ति नहीं मिली थी।

इन छात्रों को ऑनलाइन ही नोटिस भी दिया गया है। एवं एसएमएस व दूरभाष के माध्यम से भी सूचना करी गई लेकिन अभी तक बड़ी संख्या में छात्र ऐसे हैं, जिन्होंने कोई रिप्लाई नहीं दिया है। ऐसे में इन छात्रों को 15 मई तक का समय दिया है।

उन्होंने बताया कि ऐसे छात्रों को जयपुर ग्रामीण के विभागीय कार्यालय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर ग्रामीण जिला परिषद जयपुर बनी पार्क एरिया में संपर्क कर अपने दस्तावेज जमा कराने होंगे। दस्तावेजों की जांच के बाद सही पाने पर रैड फ्लैग हटाने की प्रक्रिया की जाएगी। अन्यथा 15 मई के बाद इन आवेदनों को निरस्त कर दिया जाएगा।

ग्रीष्मकालीन मिलावट विरोधी अभियान में एक मई तक लिए 6280 नमूने

जयपुर। निरामय राजस्थान के उद्देश्य के साथ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से चलाया जा रहा ग्रीष्मकालीन मिलावट विरोधी अभियान प्रदेशभर में सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। अभियान के तहत निर्धारित लक्ष्यों से अधिक प्रगति दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में 19 मई से 5 मई तक चलाए जा रहे इस अभियान के प्रथम चरण में 6 हजार नमूने लिए जाने का लक्ष्य रखा गया था, जिसके विरूद्ध 1 मई तक 6280 नमूने लिए जा चुके हैं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि गर्मी के मौसम में मिलावट एवं खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के प्रभावित होने के मामले अधिक सामने आते हैं। इसे देखते हुए विभाग ने मिलावट विरोधी विशेष अभियान संचालित किया है। अभियान के तहत 1 मई तक 2575 निरीक्षण कर 6280 नमूने लिए गए हैं। इनमें 2545 एन्फोर्समेंट एवं 3735 सर्विलेंस सैम्पल शामिल हैं। ये नमूने प्रमुखतः डेयरी उत्पाद, बर्फ, पेय पदार्थ, मिठाइयों, फल व सब्जियों के हैं।

राठौड़ ने बताया कि निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों की निर्माण इकाइयों पर विशेष फोकस किया गया है। एक मई तक 1140 निर्माण इकाइयों पर निरीक्षण किया गया है। अनियमितता पाई जाने पर करीब 42 निर्माताओं के यहां जब्ती एवं 64 निर्माताओं के यहां नष्टीकरण की कार्रवाई की गई है। इसी ्रपकार 374 खुदरा विक्रेताओं के यहां निरीक्षण किया गया है।

प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि निरीक्षण की कार्यवाही सर्वाधिक मिलावट वाले संभावित स्थानों पर केंद्रित रही है। इसके तहत 1 मई तक बस स्टैण्ड पर 333, रेलवे स्टेशन पर 185, हाईवे फूड प्वाइंटस पर 441 एवं मॉल स्थित फूड प्लाजा आदि पर 103 नमनू लिए गए हैं। अभियान के तहत की जा रही कार्रवाई की नियमित रूप से राज्य स्तर से मॉनिटरिंग की जा रही है।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का दायरा बढ़ने से आमजन को मिलेगा उच्च स्तरीय उपचार : खींवसर

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का नवीन चरण स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक उन्नत एवं बेहतर बनाएगा। योजना का दायरा बढ़ने और इंटर स्टेट पोर्टेबिलिटी लागू होने से आमजन को अत्याधुनिक एवं उच्च स्तरीय उपचार मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे राज्य सरकार की इस योजना का बेहतरीन ढंग से संचालन सुनिश्चित करें और रोगियों को निर्बाध रूप से इसका लाभ दिलाएं।

खींवसर शनिवार को स्वास्थ्य भवन में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के नए चरण के बेहतर एवं सुगम क्रियान्वयन को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गरीब एवं जरूरतमंद सहित अन्य वर्गों के लिए मा योजना जीवनदायी पहल है। राज्य सरकार ने इस वित्तीय वर्ष के बजट में इस योजना का दायरा इतना विस्तृत कर दिया है कि अब सामान्य बीमारी से लेकर रोबोटिक सर्जरी तक का उपचार इस योजना में मिल रहा है। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि योजना के क्रियान्वयन में किसी तरह की लापरवाही नहीं हो और सूचीबद्ध चिकित्सा संस्थानों में इस योजना का गुणवत्ता के साथ पूरा लाभ मिले।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि योजना के तहत क्लेम के त्वरित एवं सरल निपटान की प्रक्रिया अपनाई जाए। चिकित्सा संस्थानों में उपचार की प्रक्रिया को भी अधिक सुगम बनाया जाए, ताकि लोगों को उपचार आसानी से और समय पर मिले। उन्होंने कहा कि यह राजस्थान के लिए एक बड़ी उपलब्धि है कि अब अन्य राज्यों के लोग भी यहां उपचार के लिए आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं और निजी अस्पतालों की उपलब्धता का लाभ आमजन को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न हितधारकों के सहयोग से इस योजना की दक्षता में वृद्धि होगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने स्वास्थ्य भवन में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के नए चरण के बेहतर एवं सुगम क्रियान्वयन को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित किया।

खींवसर ने विभिन्न बीमा सेवा प्रदाताओं से संवाद किया और प्रतिस्पर्धी कंपनियों का गहन विश्लेषण भी किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान स्वास्थ्य बीमा की दृष्टि से देश का अव्वल राज्य है। हमारा फोकस है कि स्वास्थ्य बीमा के माध्यम से प्रदेश के हर नागरिक की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित हो। लोग इलाज के खर्च चिंता मुक्त हों और उन्हें विश्व स्तरीय उपचार की सुविधाएं निःशुल्क मिलें।

खींवसर ने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना राज्य की स्वास्थ्य प्रणाली की रीढ़ है और इसका भविष्य उज्ज्वल है। यह योजना ना केवल लोगों को गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवा रही है, बल्कि राज्य की चिकित्सा व्यवस्था को भी एक नई दिशा दे रही है। योजना से निजी एवं राजकीय क्षेत्र के अस्पतालों की आय में वृद्धि होने के साथ ही उनमें उच्च स्तरीय सुविधाओं का विकास भी संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि योजना से संबद्ध निजी अस्पताल पूरी पारदर्शिता और जीवन रक्षा की भावना के साथ इस योजना का लाभ आमजन को दें। किसी भी स्तर पर कोई अनियमितता नहीं हो। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सभी अस्पतालों को क्लेम का भुगतान समयबद्ध रूप से हो।

■ **स्वास्थ्य बीमा से हर नागरिक की स्वास्थ्य सुरक्षा पर फोकस होगा**

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि प्रदेशभर में योजना का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। पैकेज की संख्या बढ़ने, अस्पतालों के एम्पेनलमेंट के नियमों को सरल करने तथा इंटर स्टेट पोर्टेबिलिटी जैसे प्रावधान लागू होने से अब योजना का संचालन और बेहतर हुआ है। हमारा प्रयास है कि योजना के संचालन की प्रक्रियाएं अधिक जनोन्मुखी हों ताकि राजधानी से लेकर गांव-कस्बों तक इसका ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ मिले।

राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रियंका गोस्वामी ने योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि योजना में करीब 1 करोड़ 34 लाख परिवार पंजीकृत हैं। प्रतिदिन औसतन 8 हजार लोगों को इस योजना से लाभ मिल रहा है। अब योजना में पैकेज की संख्या 1800 से बढ़कर करीब 2300 हो गई है।

एनसीआर में बीएस-4 वाहनों का संचालन रोकने के आदेश पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाई कोर्ट ने एनसीआर में दस साल तक के डीजल वाहनों को चलाने की अनुमति होने के बावजूद एनसीआर के भरतपुर क्षेत्र में सात साल पुराने बीएस-4 और यूरो-2 वाहनों का संचालन रोकने और केवल बीएस-6 व यूरो-4 वाहनों का ही संचालन करने की अनुमति देने के परिवहन विभाग के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में परिवहन आयुक्त, कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट, एनसीआर सचिव और क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण, भरतपुर को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अनिल उपमन की एकलपीठ ने यह आदेश मॉर्डन स्कूल व अन्य की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता संस्थानों ने स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों के आवागमन के लिए साल 2019 में बस खरीद कर उसका भरतपुर आरटीओ से रूट परमिट लिया था। वहीं रूट परमिट की अवधि पूरी होने पर आरटीओ ने उनका नवीनीकरण प्रार्थना पत्र खारिज कर याचिकाकर्ताओं को बीएस-6 व यूरो-4 वाहन ही संचालित करने को कहा। याचिका में कहा गया कि एनजीटी ने 7 अप्रैल, 2015 को दिल्ली और एनसीआर में दस साल पुराने डीजल वाहनों का संचालन नहीं करने को कहा था।

देवनानी पहुंचे शिव महापुराण कथा में

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शनिवार को विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित सात दिवसीय शिव महापुराण कथा में पहुंचकर पंडित प्रदीप मिश्रा को दुपट्टा व शॉल ओढाकर कर और माला पहनाकर उनका आशीर्वाद और कथा का प्रसाद प्राप्त किया।

देवनानी ने कहां कि अंतरराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता, भागवत भूषण पं. प्रदीप मिश्रा (सीहोर वाले) के श्री मुख से पावन कथा का वाचन हो रहा है। श्री शिव महापुराण कथा में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति और श्रद्धा भाव अद्भुत है। पं. प्रदीप मिश्रा भगवान शिव और माता पार्वती से जुड़े प्रसंगों में अमर कथा के रहस्य रोचकता के साथ उजागर कर रहे हैं।

अजमेर में आग का तांडव जारी

अब सोफा फैक्ट्री में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जल कर स्वाह

सोफा फैक्ट्री में लगी आग को बुझाते दमकल कर्मी तथा मौके पर लोगों की भीड़।

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर में इन दिनों भीषण गर्मी के चलते आग का तांडव जारी है। गत दिनों एक होटल में लगी आग की आंच अभी ठंडी भी नहीं हुई कि शनिवार को पाल बिछला रेलवे स्टेशन के सैकंड एंट्री गेट के सामने स्थित एक सोफा फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी माहौल हो गया। फैक्ट्री में लकड़ी का फर्नीचर होने से आग तेजी से फैली और धुएं का गुबार उठा। घटना के समय फैक्ट्री में कोई नहीं था अन्यथा बड़ी जनहानि हो सकती थी। लेकिन आग से फैक्ट्री मालिक को लाखों रुपए के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

स्थानीय पार्षद रंजीत सिंह ने बताया कि फैक्ट्री में सोफा बनाने के लिए भारी मात्रा में रेग्जीन, लकड़ी और सोल्यूशन जैसे ज्वलनशील सामान भरा हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में पूरी फैक्ट्री धुएं से घिर गई। इससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई और लोग अपने घरों से बाहर निकलने लगे। घटना की सूचना मिलते ही पार्षद ने तत्काल अग्निशमन विभाग को सूचित किया। कुछ ही देर में दमकल वाहन मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक फैक्ट्री का अधिकांश सामान जलकर राख हो चुका था। दमकल अधिकारियों ने बताया कि आग पर समय रहते नियंत्रण पा लिया गयाए जिससे आसपास की इमारतों को नुकसान नहीं पहुंचा। वहीं पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

पेट्रोल चोरी का आरोपी पकड़ा

छबड़ा। कस्बे में चोरी का अजीबोगरीब मामला सामने आया है। चोर ने यहाँ से बाइक या अन्य सामान नहीं चुराए बल्कि उसने घर के बाहर खड़ी बाइक से पेट्रोल चुराया है। मोहल्लेवासियों की सूझबूझ से पुलिस ने पेट्रोल चोर को डिटेन कर लिया है।

यादव मोहल्ला निवासी बलवीर यादव ने पुलिस को दिए परिवाद में बताया की उसके मकान के बाहर बाइक खड़ी रहती है। पिछले कुछ दिनों से बाइक में से पेट्रोल चोरी हो रहा था। जब मुझे उक्त घटना के बारे में पता चला तो मैंने इसके बारे में तलाश की तो घटना में शानू उर्फ भूपेन्द्र मीणा शामिल होना पाया। जिसने समीप में उनके चाचा प्रेमनारायण यादव के मकान के बाहर खड़ी बाइक से भी पेट्रोल चुराया है। इसकी वीडियो उसके पास मौजूद है। जिसमे शानू बाइक में से पेट्रोल चोरी करता दिखाई दे रहा है।

मोहल्लेवासियों की जागरूकता व पुलिस की तत्परता से आरोपी को डिटेन कर लिया हैं। डिटेन आरोपी की अन्य चोरियों में संलिप्तता की संभावना है। पुलिस ने बताया कि डिटेन आरोपी से पूछताछ की जा रही है। उल्लेखनीय है कि शादी समारोह के चलते ऐसे अपराधिक प्रवृत्ति से जुड़े लोग सक्रिय हो जाते है। जो छोटी बड़ी चोरी घटनाओं को अंजाम देते है।

कटार से झालरा सड़क मार्ग का विधायक ने किया शिलान्यास

- **कटार से झालरा वाया सिरौली घाटी 5.6 किलोमीटर सड़क मार्ग बनेगा**

आसींद, (निसं)। राजस्थान सरकार की डीएमएफटी योजना के वर्ष 2024-25 के अंतर्गत कटार से झालरा वाया सिरौली घाटी 5.6 किलोमीटर सड़क मार्ग का शिलान्यास आसींद हुरडा क्षेत्रिय विधायक जबर सिंह सांखला के मुख्य आतिथ्य एवं महंत श्री 108 रामेश्वर दास त्यागी जोगी भाटा आश्रम की अध्यक्षता में शिलान्यास कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित करके हुई। आए हुए अतिथियों का ग्राम पंचायत रघुनाथपुरा सरपंच प्रतिनिधि रणजीत सिंह झालरा के सानिध्य में ग्रामीणों ने स्वागत अभिनंदन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक जबर सिंह सांखला ने बताया कि जनहित की समस्याओं के समाधन हेतु एवं विभिन्न सड़कों की मांग कि गई थी जिसके तहत डिएमएफटी फंड से चार करोड़ अस्सी लाख रुपए की लागत से 5.600 किलोमीटर की दूरी पर कटार से झालरा वाया सिरौली घाटी सड़क का शिलान्यास किया गया। विधायक जबर सिंह सांखला ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए कि उक्त सड़क के कार्य को गुणवत्ता पूर्ण करें। समाजसेवी मेवाराम गुर्जर ने उक्त सड़क मार्ग के लिए विधायक सांखला का आभार व्यक्त किया। वंही विधायक कोष से निर्मित बराणा ग्राम में हजूरनाथ की जीवित समाधि पर छाया घर का शिलान्यास किया।उपप्रधान श्रवणदास वैष्णव ने सम्बोधित करते हुए बताया कि विधायक जबर सिंह सांखला के द्वारा क्षेत्र में लगातार विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। वहीं शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान विधायक जब्बर सिंह सांखला, जोगी भाटा महंत रामेश्वर दास त्यागी, उप प्रधान श्रवण दास वैष्णव, रिछपाल सिंहचुंडावत, नगर पालिका उपाध्यक्ष विक्रम सिंह चुंडावत, सरपंच प्रतिनिधि रणजीत सिंह झालरा, समाजसेवी मेवाराम गुर्जर, शिवपाल सिंह चुंडावत, गोपाल सिंह चुंडावत मौजूद रहे।

मंडी में भीगे गेहूं

मांगरोल (नि सं) अचानक मौसम परिवर्तन होने के कारण दिन के 4:00 बजे तेज आंधी तूफान के साथ जोरदार बारिश हुई। कई जगह-जगह पेड़ टूट गए लाईट के पोल टूट के नीचे गिर गए, यहां तक की कृषि उपज मंडी मांगरोल में किसानों का गेहूं खुले जगह पड़ होने के कारण तेज बारिश में बीग गए।

महात्मा गांधी स्कूलों में एडमिशन का शेड्यूल जारी

- **7 मई से 15 जून तक कर सकेंगे आवेदन, 17 जून को निकलेगी लॉटरी**

बीकानेर। प्रदेश के महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में एडमिशन के लिए शिक्षा विभाग ने शेड्यूल जारी कर दिया है। इन स्कूलों में एडमिशन के लिए सात मई से आवेदन शुरू होंगे और 17 जून को लॉटरी निकाली जाएगी। सभी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों का सेशन एक जुलाई से ही शुरू होगा।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने बताया कि 6 मई को सभी स्कूल अपने स्तर पर एडमिशन के लिए विज्ञप्ति जारी करेंगे। इसके बाद 7 मई से 15 जून तक आवेदन किया जा सकता है। इन आवेदनों के आधार पर राज्य के सभी स्कूल अपने नोटिस बोर्ड पर ये सूची जारी करेंगे कि किस क्लास में कितने आवेदन प्राप्त हुए हैं और कितनी सीट रिक्त है। 17 जून को लॉटरी के माध्यम से चयनित स्टूडेंट्स की लिस्ट तैयार होगी। वहीं 18 जून को इस लिस्ट को स्कूल के आगे चस्पा किया जाएगा। चयनित स्टूडेंट्स के एडमिशन का काम 19 जून से शुरू हो जाएगा। एक जुलाई से स्कूल में पढ़ाई होगी। हर बार की तरह इस बार भी स्कूल की प्रथम क्लास में सभी सीट पर एडमिशन होंगे, जबकि शेष क्लासेज में रिक्त सीटों पर ही एडमिशन होगा। प्री प्राइमरी स्कूल में नर्सरी से ही एडमिशन शुरू होंगे। जो स्कूल पहली क्लास से शुरू हैं, वहां पहली क्लास की सभी सीटों पर एडमिशन होगा। एडमिशन की सारी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। शाला दर्पण पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया जाएगा। वहीं क्यूआर कोड से भी आवेदन हो सकेगा। लॉटरी भी ऑनलाइन ही निकाली जाएगी। नव क्रमोन्नत स्कूलों की नई क्लास में भी पीछे की क्लास के स्टूडेंट्स को एडमिशन देने के बाद ही रिक्त सीट पर नए एडमिशन दिए जाएंगे।

ओगणा क्षेत्र में 3 बाल विवाह रूकवाए

- **नाबालिग बालक और दो बालिका की शादी 6 मई 2025 को होने जा रही थी**

उदयपुर, (कासं)। जिले में बाल विवाह की रोकथाम के लिए जिला कलक्टर नमित मेहता के निर्देशन में प्रशासन पूर्ण मुस्तैदी से जुटा हुआ है। इसी क्रम में टीम ने ओगणा क्षेत्र में तीन बाल विवाह रूकवाए।

बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक के.के.चंद्रवंशी ने बताया कि ओगणा थाना क्षेत्र से चाइल्ड हेल्पलाइन पर सूचना मिली। इसमें बताया कि ओगणा थाना क्षेत्र में एक परिवार अपने नाबालिग बालक और दो बालिका की शादी 6 मई 2025 को करने जा रहे है।

सूचना पर त्वरित रूप से टीम गठित कर प्रशासन एवं पुलिस टीम के साथ मौके पर भेजा गया। मौके पर प्रथम दृष्ट्या लगा कि शादी की पूरी तेयारी थी, टेंट लगे हुए थे। विवाह के बारे में पूछने पर आनाकानी करने लगे। दस्तावेज देखने पर बालक की उम्र 14 वर्ष पाई गई।

दो बालिका बालिग़ थी और बारात गाँव भूरा से आ रही थी वो दोनों वर नाबालिग थे जिनकी उम्र 18 और 20 वर्ष होना पाया गया। टीम ने परिवार को बच्चों के बालिग होने तक विवाह नहीं कराने के लिए पाबंद किया। कार्यवाही में ओगना थाना प्रभारी राम अवतार, पटवारी नाहर सिंह, तहसीलदार रणछोड लाल और चाइल्ड हेल्पलाइन टीम से शंकर लाल भोई मौजूद रहे।

चलती कार में हार्ट अटैक से मौत

भीलवाड़ा। शादी समारोह में चाय-कॉफी की स्टॉल लगाने वाले 54 वर्षीय रमेश असनानी की चलती कार में हार्ट अटैक से मौत हो गई। हादसा हरणी महादेव-भीलवाड़ा बाईपास पर हुआ।रमेश श्रीलोक होटल में शादी समारोह में स्टॉल लगाकर लौट रहे थे। वैन में सामान लादकर बापूनगर स्थित अपने घर जा रहे थे। रास्ते में अचानक उन्हें साइलेंट हार्ट अटैक आया। कार सड़क से करीब 100 फीट नीचे उतर गई। राहगीरों ने दौड़कर देखा तो रमेश की मौत हो चुकी थी।

मंगरोप निवासी लोकेश खटीक ने कार में पड़ा मोबाइल देखा और उसमें रमेश ने आखिरी कॉल छोटे भाई को की थी। लोकेश ने उसी नंबर पर कॉल कर परिजनों को सूचना दी। परिजनों के साथ रमेश का बेटा मौके पर पहुंचा। उन्होंने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। प्रथम दृष्टया हार्ट अटैक से मौत की पुष्टि हुई है। रमेश पिछले 28 सालों से शादी समारोह में चाय-कॉफी की स्टॉल लगाने का काम कर रहे थे। परिजनों ने पुलिस कार्रवाई से इनकार कर दिया है, जिसके चलते बिना पीएम उनका शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

54 वर्षीय रमेश असनानी की चलती कार में हार्ट अटैक से मौत हो गई।

पहलगाम के दिवंगतों को दी श्रद्धांजलि

अजमेर (कासं)। अखिल भारतीय विजयवर्गीय महिला संगठन की अजयमेरु प्रदेश इकाई द्वारा जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हिंदू पर्यटकों के साथ हुए निर्मम नरसंहार में मारे गए 28 व्यक्तियों के लिए दो मिनिट का मौन रखकर श्रंद्धाजलि अर्पित की गई।

जल चोरी करने वालों से तीन दिन में 7 लाख 18 हजार 900 रुपए वसूले

बालोतरा, (नि.सं.)। परियोजना पोकरण-फलसूण्ड-बालोतरा सिवाना की मुख्य पाइप लाइनों से अवैध रूप से पानी चोरी कर व्यापार करने वालो के विरूद्ध जलदाय विभाग ने कार्यवाही कर तीन दिन में 7 लाख 18 हजार 900 रुपए वसूल किए।

जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिशाषी अभियंता बाबूलाल मीणा ने बताया कि 30 अप्रैल से 2 मई तक परियोजना खण्ड बालोतरा के अधिकारियों की अवैध रूप से पाइप लाइनों से पानी चोरी करने वालों के विरूद्ध अभियान के तहत बालोतरा, गिडा क्षेत्र के गांवों में सहायक अभियंता राकेश शर्मा एवं मोहन राम के नेतृत्व में कार्यवाही की गई। जिसमें 08 व्यक्तियों के 12 अवैध जल संबंध चिन्हित किए गए एवं इन अवैध जल संबंधकर्ता 08 व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही में राशि 7 लाख 18 हजार 9 सौ रुपए जुर्माना पेनल्टी राशि की वसूली की गई। साथ ही एक ट्रैक्टर ट्रैकर को जब्त किया गया। इनके विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराने की कार्यवाही की जा रही है।

उन्होंने बताया कि 02 मई को गांव केरालियां ग्राम पंचायत खारापार में विभागीय पाइप लाइन से अवैध कनेक्शन लेकर टैंकरों से पानी का बेचान करते हुए बाबुराम प्रजापत पुत्र लालुराम प्रजापत को पकड़ा गया। इनका ट्रैक्टर टैंकर भी जब्त किया गया। बाबूराम प्रजापत से हाथों हाथ 1 लाख 50 हजार रुपए जुर्माना पेनल्टी वसूल की गई। केरालियां गांव में अन्य व्यक्ति पुरखाराम हुड्डा के अवैध कनेक्शन हटाकर 1,02,800 रुपए वसुल किए गए। बाबुराम प्रजापत का ट्रैक्टर टैंकर जब्त किया गया। बालोतरा के आस पास के गांवों में कार्यवाही करते हुए तीन व्यक्तियों से 4,66,100 रुपए की पेनल्टी/जुर्माना राशि वसूली कर राजकोष में जमा कराए गए। इन सभी के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराने की कार्यवाही की जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि शनिवार को राकेश शर्मा सहायक अभियंता, बाबुलाल कनिष्ठ सहायक द्वारा सवाऊ पदमसिंह, खारड़ा भारत सिंह गांव में अवैध कनेक्शन कर पानी बेचान करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की गई। सवाऊ पदमसिंह गांव मे हनुमान पुत्र गोरधन राम पानी चोरी कर सीमेंट की ईंटे एवं सीमेन्ट के अन्य सामान बनाने के उपयोग में लेते हुए पकड़ा गया। सवाउ पदमसिंह गांव के ही राजू राम मेघवाल द्वारा अवैध कनेक्शन कर खेत मे बने टांके मे पानी इकट्ठा कर टैंकर वालो को पानी बेचान करता था। कई दिनों की रेकी एवं सूचना इकट्ठी होने के बाद आज दोनों जगह दबिश दी गई। दोनों के विरूद्ध जुर्माना पेनल्टी राशि वसूली के साथ साथ मुकदमे की कार्यवाही की जा रही हैं। खारडा भारत सिंह गांव में 10-12 ट्रैक्टर, टैंकर वाले पांच गांव के हिस्से का पानी लम्बे समय से बेच रहे थे। कई बार दबिश दी गई परन्तु गांवो के चौराहो पर बैठे मुकबिरों द्वारा दबिस की सूचना देने के कारण नहीं पकड़े जा रहे थे। आज सुबह ही लीक होने के कारण दबिश दी गई, परन्तु ट्रैक्टर, टैंकर वाले नहीं पकड़े जा सके। फिर शाम 4 बजे अचानक विभागीय टीम की दबिश मे खारड़ा भारत सिंह से अवैध रूप से पानी भरते समय मोहन लाल पुत्र सोनाराम मूंड निवासी खारड़ा भारत सिंह को ट्रैक्टर, टैंकर के साथ पकड़ा गया। ड्राइवर सहित टैक्टर, टैंकर को पुलिस थाना गिड़ा को सुपूर्द मुकदमे की कार्यवाही की जा रही हैं। कई व्यक्तियों को जुर्माना/पेनल्टी राशि जमा कराने हेतु पूर्व मे नोटिस दिए गए थे, उनके द्वारा जुर्माना, पेनल्टी राशि जमा नहीं कराई गई है, उनके विरूद्ध पीडीआर एक्ट के तहत परिसम्पति की निलामी की कार्यवाही की कार्यवाही की जा रही हैं। अभी भी समय हैं जिन व्यक्तियों को नोटिस दिए गए हैं, जुर्माना, पेनल्टी राशि करावें।

घायल की इलाज के दौरान मौत

मांगरोल (नि सं)। मांगरोल थाना क्षेत्र में मारपीट में घायल हुए व्यक्ति की मौत हो गई। बारां रोड पर शनिवार को दिन के 1:00 बजे कृषि उप मंडी के बाहर चाय की बॉडी पर एक व्यक्ति बैठा हुआ था। उसके साथ आज्ञात जनो ने मोटर साइकिल पर आकर लोह के सरिया से सिर पर मारा।

इससे शरीर पर गंभीर चोट के निशान हो गये। आरोपी मोटरसाइकिल पर बैठकर फरार हो गये। घायल को मांगरोल उप जिला चिकित्सालय लाया गया जहां से प्राथमिक उपचार कर बारॉं जिला रैपर किया गया।

इलाज के दौरान रामदयाल पुत्र राम रतन गुर्जर जाति निवासी रुडी उम्र 45 वर्ष की मौत हो गई। मृतक के भाई ने चार जनो के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मांगरोल थाना अधिकारी मंहेंद मीणा ने बताया फरियादी ने महावीर सुरेश, राकिशन, रामाअवतार गुर्जर इनके खिलाफ मामला दर्ज करा हत्या का पुलिस ने भी शव का पंचनामा करवाया लेकिन समय अधिक होने से शव को मोचरी में रखवाया है।

'सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का करें त्वरित निस्तारण'

झालावाड़। संभागीय आयुक्त कोटा संभाग श्री राजेन्द्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में शनिवार को सर्किट हाउस झालावाड़ में जनसुनवाई एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

जनसुनवाई में संभागीय आयुक्त द्वारा परिवादियों की समस्याओं को सुन संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के संबंध में आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। इस दौरान बिजली, पानी सहित अन्य समस्याएं प्राप्त हुई। संभागीय आयुक्त ने कहा कि आगामी माह में सम्पर्क पोर्टल पर अधिकांश शिकायतें बिजली व पानी से संबंधित आएंगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को परिवादियों से दूरभाष पर संवाद करने तथा समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित कर संभागीय आयुक्त विभागवार योजनाओं की क्रियान्विति एवं आगामी कार्ययोजनाओं के संबंध में चर्चा की। संभागीय आयुक्त ने जिला परिषद् एवं शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों को जिले में कार्ययोजना बनाकर एक दिन सर्वाधिक वृक्षारोपण करने का लक्ष्य दिया। उन्होंने कहा इस कार्य में सभी विभागों सहित स्वयं सेवी संस्थाओं व समाज सेवियों का सहयोग लिया जाए। अत्याधिक गर्मी एवं लू-तापघात के मद्देनजर आगामी दिनों में जिले में आमजन को सभी चिकित्सा संस्थाओं में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने एवं कोई कमी नहीं रखने के निर्देश चिकित्सा अधिकारी को दिए। इस दौरान चिकित्सा संस्थाओं पर चिकित्सा संसाधानों एवं दवाईयों की उपलब्धता की समीक्षा की। साथ ही स्वास्थ्य परीक्षण हेतु नियमित रूप से स्वास्थ्य कैम्प आयोजित करने एवं इनका व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए। बैठक के दौरान संभागीय आयुक्त ने गर्मी के मौसम में बिजली व पानी की निर्बाध जलापूर्ति के निर्देश संबंधित अधिकारियो को दिए। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग विद्युत लाईनों की मरम्मत एवं ढीले तारों को सही करवाने का कार्य सुनिश्चित करें। वहीं जलदाय विभाग को आवश्यक स्थानों पर टैंकर से जलापूर्ति करने तथा जल जीवन मिशन तथा सड़क निर्माण कार्यों के तहत क्षतिग्रस्त पेजयल लाईनों को आगामी 15 दिन में दुरूस्त करने के निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त ने मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को राजकीय विद्यालयों में नामांकन में वृद्धि करने, बेहतर व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने, शाला दर्पण पर रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, पशुपालन विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, कृषि विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं की प्रगति व प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। इस दौरान जिला कलक्टर अजय सिंह राठौड़, अतिरिक्त जिला कलक्टर सत्यनारायण आमेटा, जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शम्भूदयाल मीणा, उपखण्ड अधिकारी अभिषेक चारण, तहसीलदार झालरापाटन नरेन्द्र मीणा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

रिक्त पदों के उपचुनाव के लिए कार्यक्रम घोषित

- **निर्वाचन की अधिसूचना शुक्रवार, 9 मई को जारी की जाएगी**

झालावाड़। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य की पंचायती राज संस्थाओं में 01 जून 2024 से 31 दिसम्बर 2024 तक विभिन्न कारणों से रिक्त हुए पदों के लिए उप चुनाव कराने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत झालावाड़ जिले में जिला परिषद् सदस्य वार्ड संख्या 5 के लिए उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित किया गया है।

कार्यक्रमानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा नियम 58 के अन्तर्गत निर्वाचन की अधिसूचना शुक्रवार, 9 मई को जारी की जाएगी, वहीं बुधवार, 14 मई तक प्रातः 11 से दोपहर 3 बजे तक नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत किए जा सकेंगे। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 15 मई को प्रातः 11 बजे से की जाएगी। नाम वापसी की तिथि व समय 16 मई को दोपहर 3 बजे तक का रहेगा। इसी दिन नाम वापसी के तुरन्त पश्चात् चुनाव प्रतीकों का आवंटन एवं चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन होगा। मतदान सोमवार, 26 मई को प्रातः 7 से सायं 5 तक होगा तथा मतगणना जिला मुख्यालय पर 27 मई को प्रातः 9 बजे से होगी। इसी प्रकार राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य के नगरीय निकायों में 31 जनवरी 2025 तक विभिन्न कारणों से रिक्त हुए पदों के लिए उपचुनाव कराने का निर्णय लिया गया है जिसके तहत झालावाड़ जिले की नगर पालिका झालरापाटन में वार्ड संख्या 13 के सदस्य पद तथा नगर पालिका अकलेरा के वार्ड संख्या 5 के लिए सदस्य पद व अध्यक्ष पद के लिए उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित किया गया है। घोषित कार्यक्रमानुसार उक्त नगरीय निकायों में संबंधित वार्ड संख्या में सदस्य पद के लिए सोमवार, 12 मई को लोक सूचना जारी की जाएगी। वहीं नामांकन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय 16 मई प्रातः 10.30 से दोपहर 3 बजे तक रहेगा। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 17 मई को प्रातः 10.30 बजे से होगी तथा 19 मई को दोपहर 3 बजे तक अभ्यर्थी नाम वापस ले सकेंगे। चुनाव चिन्हों का आवंटन 20 मई को किया जाएगा। मतदान 26 मई को प्रातः 7 से सायं 5 बजे तक होगा तथा मतगणना 27 मई को प्रातः 9 बजे से होगी। नगर पालिका अकलेरा के अध्यक्ष पद के लिए उप चुनाव हेतु मतदान 5 जून को प्रातः 10 से दोपहर 2 बजे तक होगा तथा मतगणना मतदान समाप्ति के तुरन्त पश्चात् होगी।

पुश्तैनी जमीन को बचाने की जद्दोजहद में मजबूर सेवानिवृत्त चिकित्सक

दबंग भूमाफियाओं के आगे नतमस्तक दिखा शासन प्रशासन !

बूंदी। अपनी पूरी जिंदगी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के साथ सरकार को समर्पित करने वाला एक सेवानिवृत चिकित्सक अपनी ही पुश्तैनी जमीन को बचाने के लिए दर दर की ठोकरें खाने को मजबूर है।

सेवानिवृत चिकित्सक डॉ. जानकी लाल खत्री के जीवन पर प्रख्यात पत्रकार एन. रघुरामन द्वारा लिखा गया लेख युवा वर्ग को प्रेरित करता हैं। ऐसे वरिष्ठ नागरिक ने थक हार कर प्रेस स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रेस प्रतिनिधियों के सामने अपनी जमीन बचाने की गुहार लगाई। डॉ. खत्री ने तालेड़ा थाने गादेगाल गांव में स्थित अपनी पैतृक जमीन को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है, लेकिन शासन प्रशासन दबंग भू माफियाओं के आगे नतमस्तक दिखाई दे रहा है। वृंदावन के विधवा आश्रम में निशुल्क सेवाएं देने वाला यह चिकित्सक एक ओर शासन प्रशासन के चक्कर काट रहा हैं, वहीं दबंगों ओर भू माफियाओं की दबंगई का सामना भी कर रहा हैं।

पीड़ित जानकी लाल

पीड़ित जानकी लाल ने बताया कि बूंदी जिले के ग्राम मांगली पटवार हल्का गादेगाल में उनकी पुश्तैनी जमीन स्थित है।जिसमें मेरे 1/5 हिस्से पर अनाधिकृत रूप से दबंगों द्वारा बेचकर कब्जा कर लिया है।जिसको छुड़ाने के लिए 18 साल से न्यायालयों,पुलिस थानों, जिला कलेक्टर व जनप्रतिनिधियों के चक्कर काटने को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके पैतृक जमीन को किशनलाल, देवकरण द्वारा जालसाजी पूर्वक अनाधिकृत रूप से एक करोड़ 6 लाख रुपए देकर बाहर के बाहर ही बेच दिया तथा मेरा हिस्सा बिरखा सिंह को बेचकर कब्जा करवा दिया। उन्होंने बताया कि जमीन पर भू माफियाओं द्वारा कब्जा करने के कारण परिवार को बदहाली की जिंदगी जीने एवं भीख मांगकर चंदा एकत्रित करके पढाई करनी पड़ी उन्होंने बताया कि 2001 में मेरे पिता द्वारा कब्जे का दावा पेश किया गया जिसको पिता की मृत्यु के बाद बड़े भाई रमेश चंद्र खत्री ने आगे बढ़ाया 2018 में उनकी मृत्यु के बाद एसडीएम ने पटवारी की छद्म रिपोर्ट पर मुकदमा खारिज कर दिया। इसके बाद मेरे द्वारा हाई कोर्ट जयपुर से आदेश के बाद भी कोई फैसला नहीं दिया जा रहा है। दबंगों द्वारा मेरे ऊपर एससी एसटी का मुकदमा भी किया। जिसका निर्णय न्यायालय बूंदी ने मेरे पक्ष में किया। लगातार दबंगों से तंग आकर मेरे अन्य भाइयों द्वारा रजिस्ट्री करवा दी गई। लेकिन मेरा हिस्सा आज तक उनके कब्जे में है जिसको मैं बेचना नहीं चाहता यह मेरी पुरखों की निशानी है। उन्होंने बताया कि कई बार जिला पुलिस अधीक्षक, जिला कलेक्टर व जनप्रतिनिधियों से न्याय दिलाने की गवार लगाने के बावजूद मेरे साथ न्याय नहीं हो रहा है उल्टा मुझे न्याय के लिए चक्कर काटने पड़ रहे हैं। उन्होंने पुलिस पर कब्जेदारी दबंग भूमाफियाओं को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कब्जा पुलिस के संरक्षण में हुआ है तथा पुलिस द्वारा उल्टा मुझे परेशान किया जा रहा है जो कि न्याय संगत नहीं है। जानकी लाल ने पुलिस पर आरोप लगाया कि कब्जा दिलाने के नाम पर उनसे दो करोड़ रुपए की रिश्वत भी मांगी गई जिसको देने में असक्षम होने के चलते उन्हें न्याय नहीं मिल पाया। जिसके कारण दबंगों द्वारा तालेड़ा थाने के बाहर बुलाकर धमकाया तथा इंदौर में जानलेवा हमला भी किया। जिसकी भी रिपोर्ट इंदौर थाने में दर्ज कराई हुई है वहीं 420 कर जमीन बेचने का मुकदमा तालेड़ा एसीएम कोर्ट में वाद दायर किया हुआ है। कहीं सुनवाई नहीं होने पर प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अपनी पीड़ा बताकर न्याय की गुहार लगाई है।

पक्षियों के लिए परिण्डे बांधे

झालावाड़। पुरस्कृत शिक्षक फोरम राजस्थान, शाखा झालावाड़ के द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए बेजुबान पक्षियों के लिए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खानपुरिया में एक दर्जन परिण्डे बांधे गये। इस मौके पर शाला विकास समिति के अध्यक्ष कैलाश पाटीदार ने सम्पूर्ण ग्रीष्मावकाश में परिण्डों में रोजना पानी भरने की शपथ ली तथा विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी रोजना पानी डालने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अध्यक्ष सुभाष श्रोत्रिय, शुभा गौतम आदि उपस्थित रही।

Mahila Engineering College, Ajmer
(A constituent college of Bikaner Technical University, Bikaner)
Nasirabad Road, Makhupura, Ajmer-305002
Website : www.gweca.ac.in Ph. No. :0145-2695534-35
Email : principal@gweca.ac.in Fax No. : 0145-2695102

No. MECA/DST/PHY/GS/2025/466 Date: 03/05/2025

Hiring of JRF in DST-Rajasthan Funded Research Project

Applications are invited for the purely temporary position of Junior Research Fellow (JRF) to work in the DST-Rajasthan Research project entitled "A Theoretical Investigation of the Exotic Features of Nuclei with Astrophysical Significance" in Department of Physics (H&S). For more details about qualifications, eligibility and to download application form visit www.gweca.ac.in. Send the filled application form in hard copy with required certificates/documents (self-attested) by speed post to Principal, Mahila Engineering College, Makhupura, Nasirabad Road, Ajmer-305002 on or before 19 May 2025, 3:00 PM. (Principal)

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, PHED, DISTRICT RURAL-II, UDAIPUR
Tel. : 0294-2944770, E-mail : eedrd2phedudr@rajasthan.gov.in
No. : EE UDR/Cashier/NIT/2025-26/335 Dated : 24/4/2025

Corrigendum Tender No. 01-05/2025-26

इस कार्यालय के पत्रांक 128 दिनांक 10.04.2025 से निविदा संख्या 01 से 05 जारी की गई थी लेकिन समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं होने के कारण निम्नानुसार दिनांक में परिवर्तन किया जाता है। अन्य शर्तें यथावत रहेगी।

S.No.	Events	Date & Time	Revised Date & Time
1.	Document Download / Sale start date and time	11.04.2025 to 09.30 Hrs. to 24.04.2025 up to 18.00 Hrs.	11.04.2025 09.30 Hrs. to 03.05.2025 upto 18.00 Hrs.
2.	Date & Time for Online Submission of Bid Document	11.04.2025 09.30 Hrs. to 24.04.2025 up to 18.00 Hrs.	11.04.2025 09.30 Hrs. to 03.05.2025 upto 18.00 Hrs.
3.	Last Date and Time of Bid Submission	11.04.2025 09.30 Hrs. to 24.04.2025 up to 18.00 Hrs.	11.04.2025 09.30 Hrs. to 03.05.2025 upto 18.00 Hrs.
4.	Submission of Document in this office before opening of PQ Bid (Challan copy of Egrass/Orginal Bank Guarantee of EMD if any / Orignal affidavit and any other documents as per TD.	25.04.2025 at 11.00 Hrs.	05.05.2025 at 11.00 Hrs.
5.	Online Opening of Prequalification BID	25.04.2025 at 13.00 Hrs.	05.05.2025 at 13.00 Hrs

Executive Engineer PHED, District Rural Divison II, Udaipur

जयपुर के 90 परीक्षा केन्द्रों पर रविवार को आयोजित होगी नीट-2025

36 हजार से अधिक परीक्षार्थी पंजीकृत, जिला प्रशासन ने पूरी की तैयारियां

जयपुर। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी, नई दिल्ली द्वारा 4 मई को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा, नीट-2025 (यू.जी.) का आयोजन किया जाएगा। जयपुर शहर के 90 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होने वाली परीक्षा में 36 हजार 24 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।

जयपुर जिला प्रशासन ने परीक्षा के आयोजन को लेकर समस्त तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं परीक्षा की तैयारियों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक (दिव्यांगजनों के लिए दोपहर 2 बजे से सायं 6 बजे तक) आयोजित होने वाली परीक्षा के सफल आयोजन के लिए 6 शहर समन्वयक एवं 90 केन्द्र अधीक्षकों की नियुक्ति की गई है। जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी अधिकारियों को राष्ट्रीय स्तर की इस परीक्षा के आयोजन में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की सख्त हिदायत दी है साथ ही, नकल एवं पेपर लीक को रोकने के लिए संभव प्रयास सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है।

जिला परीक्षा संचालन समिति के नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर (पूर्व) गोपाल सिंह शेखावत ने बताया कि परीक्षा के आयोजन के दौरान पेपर लीक एवं नकल सहित अन्य प्रकार की विधि विरुद्ध गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों के उपयोग की रोकथाम) अधिनियम के कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

- ‘जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को दिये सख्त निर्देश
- परीक्षा की सुचिता एवं पारदर्शिता के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

पुलिस अधिकारियों को भर्ती परीक्षा में किसी भी प्रकार की नकल अथवा अनियमितता की सूचना पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई को अंजाम देते हुए परीक्षा का आयोजन पूर्ण सुचिता एवं पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश प्रदान किये गए। पुलिस सहित सभी सुरक्षा एजेंसियां इस दौरान सतर्क एवं मुस्तैद रहेगी एवं परीक्षा का सफल एवं सुचितापूर्ण आयोजन सुनिश्चित करेंगी।

गाइडलाइन के मुताबिक पहले परीक्षा के एडमिट कार्ड कम सेल्फ डिक्लेरेशन अंडरटेकिंग को अच्छे से कंप्लीट करना होगा। इसमें परीक्षार्थी को फोटो (जैसा आवेदन पत्र में अपलोड किया गया) लगाना होगा। परीक्षार्थी अपना एक पोस्टकार्ड साइज फोटो एडमिट कार्ड के साथ संलग्न कर निर्धारित प्रारूप में चिपका कर परीक्षा केंद्र पर साथ लेकर आएं। इसके अलावा एक समानांतर पासपोर्ट साइज फोटो भी जरूरी है, जो कि अटेंडेंस शीट पर लगाने के काम आएगी। परीक्षार्थी को साइन परीक्षक के सामने ही करने होंगे। बाएं हाथ के अंगूठे का इंप्रेशन घर से लगाकर लाना होगा। आधार कार्ड की ओरिजिनल अपडेटेड कॉपी साथ लानी होगी।

आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, वोटर कार्ड अथवा 12वीं क्लास का प्रवेश पत्र, जिसमें अभ्यर्थी की फोटो आ रही हो, इनमें से कोई सी भी एक आईडी साथ लानी है। फोटो कॉपी मान्य नहीं होगी। परीक्षार्थी को पेन भी सेंटर पर ही दिया जाएगा। परीक्षार्थी हल्के रंग ड्रेस कर ही आएं। ट्राउजर या पैंट, जिसमें मेटल बटन नहीं हो व हाफ शर्ट या टी-शर्ट पहन सकते हैं। छात्राएं सलवार कुर्ता, लैगिंग, पैंट या ट्राउजर, टी-शर्ट व कुर्ती पहन सकती हैं। किसी में भी मेटल के बटन नहीं होने चाहिए। हाई हील की सैंडल व जूते वर्जित हैं, नॉर्मल स्लीपर्स या सामान्य जूते पहन सकते हैं।

परीक्षा के दौरान आभूषण या मेटल की चीजें जैसे ताबीज, घड़ी, कड़ा पहनकर नहीं आना है। साथ ही परीक्षा में केलकुलेटर, मोबाइल फोन, घड़ी, ब्लूटूथ डिवाइस ले जाना वर्जित है। एडमिट कार्ड, पोस्टकार्ड साइज फोटो के लिए निर्धारित प्रारूप व ओरिजनल आईडी कार्ड के अलावा कोई कागज नहीं ले जाया जा सकता।

जयपुर में ऑटो में यात्री बनकर लूटपाट करने वाला गैंग सक्रिय

जयपुर। राजधानी में यात्री बनकर ऑटो, ई रिक्शा सहित अन्य वाहनों में यात्रा के दौरान आमजन के जेवरात, नगदी पार करने वाली गैंग सक्रिय है। करणी विहार थाना इलाके में ऑटो में सवार महिला के एक युवती से जेवरात पार कर लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सिवार मोड निवासी गजराज सिंह ने मामला दर्ज करवाया कि उसकी पत्नी राजकंवर ऑटो में सवार होकर बाजार जा रही थी उसके बैग में ज्वैलरी रखी थी। ऑटो में पहले से एक युवती सवार थी। जब पीडिता ने गतव्यं पर पहुंच कर ऑटो से उतरने के बाद अपना बैग संभाला तो उसके रखे जेवरात नहीं मिले। महिला 200 फीट बाईपास पर ऑटो से उतरी थी।

दुकान में आग लगी

जयपुर। घाटगेट फायर स्टेशन के पास शनिवार को एक बैटरी की दुकान में अचानक आग लग गई। आग की सूचना पर दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। खास बात यह है कि बैटरी की दुकान के पास ही पेट्रोल पंप भी था ऐसे में आस-पास के लोगों में दहशत फैल गई।

सार-समाचार

दौसा के विप्र गोयल डॉ. बीएमएल मुंजाल सोशल इम्पैक्ट अवॉर्ड से सम्मानित

नई दिल्ली। राजस्थान के युवा सामाजिक उद्यमी और आईआईटी खड़गपुर के पूर्व छात्र विप्र गोयल को जल संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. बीएमएल मुंजाल सोशल इम्पैक्ट अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित एक समारोह में हीरो समूह की रमन कांत मुंजाल फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया। विप्र गोयल को यह पुरस्कार राजस्थान के सूखा प्रभावित दौसा ज़िले में 250 से अधिक फार्म पौंड (खेत-तलाइयों) के निर्माण के लिए दिया गया है। इन तालाबों के माध्यम से अब तक लगभग 30 करोड़ लीटर वर्षा जल का संरक्षण हुआ है, जिससे किसानों को साल भर सिंचाई के लिए पानी मिल रहा है और उनकी आय में कई गुना वृद्धि हुई है। विप्र गोयल को समारोह में एक स्मृति चिन्ह और 1 लाख की सम्मान राशि प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में देश के अग्रणी कॉर्पोरेट समूहों, समाजसेवियों और सरकारी अधिकारियों ने भाग लिया।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह में शस्त्र और शास्त्र का पूजन हुआ

जयपुर। सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा परशुराम जन्मोत्सव पर पूरे प्रदेश में कहीं शोभा यात्रा और पूजा अर्चना के अनेक आयोजन किये जा रहे है। समारोह में आज जयपुर में शस्त्र और शास्त्र पूजन विद्याधर नगर में आयोजित हुआ। जिसमें बडी संख्या में विप्र जनों ने भाग लिया। युवा प्रकोष्ठ के संभाग अध्यक्ष दिनेश शर्मा ने बताया कि समारोह में आज राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा के सानिध्य में भगवान परशुराम जी के शस्त्र और शास्त्र पूजन किया गया। सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा ने उपस्थित ब्राह्मण जनों को शपथ दिलाई की हम सब "सर्वजन सुखाय" सर्वजन हिताय की भावना के साथ काम करेंगे और समाज के प्रत्येक व्यक्ति की मदद करेगें। भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए ब्राह्मण समाज का योगदान सर्वोपरि रहेगा। परशुराम विष्णु के अवतार हैं और मातृ और पितृ भक्ति के सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है। इन्होनें आतंकियों का नाश करने का संकल्प लिया और जब-जब आतंकियों ने आतंक फैलाया तो उनका समूल नाश किया। मिश्रा ने कहा है कि भगवान परशुराम ना केवल ब्राह्मणों के आराध्य है यह तो पहले वो व्यक्ति थे जिन्होंने आतंक के खिलाफ फरसा उठाया। वे शस्त्र और शास्त्र के ज्ञाता थे। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को शस्त्र और शास्त्र की जानकारी होनी चाहिए। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, प्रदेश मंत्री अजीत मण्डन, सर्व ब्राह्मण महासभा के आचार्य राजेश्वर, योग गुरु ढाकाराम, जिला अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा, युवा जयपुर संभाग अध्यक्ष दिनेश शर्मा, शहर अध्यक्ष अनिल सारस्वत, पंडित पवन शास्त्री, श्याम शास्त्री, अरुण शर्मा, हरेन्द्र पाल सिंह, सहित सैकड़ों पदाधिकारी उपस्थित थे।

अंकिता जोशी को पी.एच.डी.

जयपुर। आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी से अंकिता जोशी ने पीएचडी की। उन्होंने "एन एनालिटिकल स्टडी ऑन द मीजर्स ऑफ मीनिंग वर्क स्ट्रेस विद स्पेशल रिफरेंस टू पुलिस पर्सनल इन राजस्थान" विषय में पीएचडी की। उन्होंने डॉ.शिवांगनी राठौड़ के सुपरविजन में यह पीएचडी की।

योगापीस संस्थान द्वारा आयोजित "लाफ्टर सेलिब्रेशन एंड कंपटीशन"

जयपुर। योगापीस संस्थान के तत्वावधान में आगामी शनिवार को जवाहर सर्किल पर विश्व योग दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर हास्य प्रस्तुति और प्रतियोगिता का विशेष आयोजन भी किया जा रहा है। संस्थान के अध्यक्ष योगाचार्य ढाकाराम ने बताया कि इस बार हास्य का विशेष प्रदर्शन करने वाले तथा हास्य प्रतियोगिता में अव्वल रहने वाले को 41,100 रुपये के पुरस्कार दिये जायेंगे। पहला पुरस्कार 15,000 रुपये, दूसरा पुरस्कार 11,000 रुपये और तीसरा पुरस्कार 5,100 रुपये का दिया जायेगा। अन्य उत्कृष्ट प्रस्तुतियां पेश करने वालों को 10,000 रुपये के पुरस्कार दिये जायेंगे। हास्य प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी 30 अप्रैल तक अपनी प्रस्तुतियाँ भेज सकते हैं। वहीं, "लाफ्टर सेलिब्रेशन" में भाग लेने वालों के लिए किसी प्रकार के पंजीकरण की आवश्यकता नहीं है।

शहर के नामी सिंगर्स आज सुनाएंगे सुरीले नगमे

जयपुर। आस्थिका एंटरटेनमेंट की ओर से यहां महाराणा प्रताप सभागार में रविवार शाम 5.30 बजे से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। संस्था की फाउंडर, डायरेक्टर अपर्णा वाजपेई ने बताया कि जयपुर आर्ट फेस्टिवल सीजन-2 के तहत अभिनय, गायकी, सामाजिक सेवा, ज्योतिष, कवि, लेखक आदि क्षेत्र की 51 हस्तियों को विभिन्न कैटेगिरीज में द इटर्नल बॉन्ड अवॉर्ड दिए जाएंगे। कार्यक्रम में शहर के कई नामी सिंगर्स सुरीले सुरों से बॉलीवुड गीतों की माला पिरोएंगे। इनमें शहर की सिंगर अपर्णा वाजपेई, रहमान अली, मुक्ता चड्ढा, संध्या असवाल, अंजलि वर्मा, फतेह अली, पूनम शर्मा, संदीप कुमार और मोहम्मद सिद्दीकी आजाद सदाबहार बॉलीवुड गीतों को अपनी पुरकशिश आवाज में पेश करेंगे। कार्यक्रम के दौरान फैशन शो भी होगा, जिसमें महिलाएं भारतीय ट्रेडिशनल ड्रेस पहनकर रैंपवॉक करेंगी। कार्यक्रम में जयपुर की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी और क्लब मेंबर्स मौजूद रहेंगे।

पेयजल समस्या समाधान शिविरों में तीन सौ से ज्यादा परिवेदनाओं का हुआ निपटारा

जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के दिए निर्देश

जयपुर। ग्रीष्म ऋतु में राहत पहुंचाने एवं पेयजल की समस्याओं के समाधान के लिए जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के निर्देश पर जयपुर जिले में पेयजल समस्या समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। महज दो दिनों में इन शिविरों में आमजन से प्राप्त तीन सौ से ज्यादा परिवेदनाओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जा चुका है।

जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के निर्देश पर जयपुर जिले में पेयजल समस्या समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार जैन ने बताया कि आमजन की पेयजल से जुड़ी समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए के लिए पेयजल समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं प्रतिदिन पेयजल समस्या समाधान शिविर की प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं। विगत दो दिनों में जयपुर जिले के समस्त उपखंडों में प्राप्त परिवेदनाओं में से 316 समस्याओं का निस्तारण किया जा चुका है। शेष प्रकरणों के निस्तारण के लिए आवश्यक कार्यवाही अमल में लाई जा रही है।

उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्र, उपखंड, तहसील मुख्यालयों और ग्राम पंचायत में आयोजित हो रहे शिविरों में पेयजल लीकेज दुरुस्त करने, जॉनिंग/रीजोनिंग से संबंधित समस्या के निस्तारण करने, नए एवं बकाया पेयजल कनेक्शन करवाने, समर कंटीन्जेंसीज प्लान के अनुरूप कार्य करने, पेयजल की समस्या से ग्रस्त स्थान पर टैंकर से जलापूर्ति की व्यवस्था करने, हेड पंपों की मरम्मत करवाने सहित अन्य संबंधित कार्य किए जा रहा है।

उन्होंने बताया कि जिला कलेक्टर डॉ जितेंद्र कुमार सोनी के निर्देशों के अनुपालना में आमजन की समस्याओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए शिविरों के आयोजन के बाद में फॉलोअप शिविर का भी आयोजन किया जा रहा है।

दोस्तों ने मिलने बुलाकर कैफे में नाबालिग लड़की से किया सामूहिक दुष्कर्म

- अश्लील वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल
- पीड़िता के पिता ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया

जयपुर। कालवाड़ थाना इलाके में दोस्तों ने मिलने बुलाकर एक कैफे में नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीडिता का आरोप है कि आरोपियों ने अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल किया। फेसबुक आईडी बनाकर फोटो सहित अश्लील कमेंट कर वायरल किए। इस संबंध में नाबालिग पीड़िता के पिता ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। मामले की जांच एसीपी वैशाली नगर आलोक कुमार गौतम कर रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि कालवाड़ रोड की रहने वाले व्यक्ति ने मामला दर्ज करवाया कि नाबालिग बेटी से दो परिचित लड़कों पर सामूहिक दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है कि मार्च-2025 में दोनों आरोपियों ने बहला-फुसलाकर नाबालिग बेटी को कालवाड़ स्थित कैफे में ले गए। डरा-धमकाकर बेहोशी की हालत में सामूहिक दुष्कर्म किया। अपने मोबाइल में अश्लील फोटो-वीडियो बना लिए। फेसबुक आईडी बनाकर नाबालिग बेटी की फोटो के साथ अश्लील कमेंट करके वायरल करने लगा। विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म,पोक्सो व आईटी एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दस-दस हजार रुपये के दो इनामी आरोपी गिरफ्तार

रामनगरिया थाना पुलिस ने अक्षय पात्र चौराहा पर मारपीट कर हत्या की घटना करने में शरीक दो इनामी आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जयपुर। रामनगरिया थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 21 जनवरी को अक्षय पात्र चौराहा पर मारपीट कर हत्या की घटना करने में शरीक दस-दस हजार रुपये के दो इनामी आरोपियों को धर-दबाचो है। गिरफ्तार हुए आरोपियों के खिलाफ पूर्व में कई थानों में मारपीट और रुपये लूट करने के मामले दर्ज है। वहीं हत्या की घटना में शामिल तीन आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस जांच में सामने आया किहत्या की घटना कारित करने वाले गिरोह के लोग मौज-मस्ती के लिए रुपये प्राप्त करने के लिए मारपीट की वारदात करते है। गिरफ्तार हुए दोनो ही आरोपित मारपीट कर हत्या करने वाली गिरोह के मुख्य सदस्य है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्विनी गौतम ने बताया कि रामनगरिया थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 21 जनवरी को अक्षय पात्र चौराहा पर मारपीट कर हत्या की घटना करने में शरीक दस-दस हजार रुपये के इनामी आरोपी 23 वर्षीय गौरव उर्फ गोलू जांगिड़ निवासी कानोता जयपुर और 25 वर्षीय धनराज उर्फ डी.के गुर्जर निवासी सांगानेर जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपितधनराज उर्फ डी के. गुर्जर की गिरफ्तारी पर पुलिस थाना रामनगरिया व पुलिस थाना मानसरोवर की ओर से दस-दस हजार रुपये का इनाम घोषित हुआ था। वहीं गौरव उर्फ गोलू जांगिड़ पर पुलिस थाना रामनगरिया की ओर से भी दस हजार रुपये का इनामी घोषित हुआ था।

गौरतलब है कि 25 जनवरी की शाम को पीडित अक्षय पात्र चौराहे के पास मोहन टू ढाबा के पास चाय की थड़ी पर शेख शम्मी, शिवानन्द दबे, महेन्द्र बैठे थे। उसी समय पर महेश जांगिड़, गिर्राज, विक्की मीणा सहित 2 गाड़ियों से 15 लोग हाथों में सरिये, कुल्हाडी, लोहे के पाइप व डंडे लेकर आए और मारपीट शुरू कर दी। शेख शम्मी पर कुल्हाड़ी व सरिये से पीछे से वार किया । महेन्द्र के सरिये से व शिवानंद दुबे के डंडे से मारपीट की। सभी लोग चिल्लाने से प्रहलाद, विमलेश व अन्य लोगों ने उन्हे बचाया और नजदीकी हॉस्पिटल लेकर गये। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद एसएमएस अस्पताल के ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। जहां शेख शम्मी की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए हत्या में शामिल तीन लोगों को पूर्व पकड लिया और दो फरार हो गए थे।

नीट परीक्षा का पेपर उपलब्ध कराने का झांसा दे रहे तीन व्यक्ति डिटेन

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने नीट परीक्षा का पेपर उपलब्ध करवाने का झांसा दे रहे तीन व्यक्तियों को डिटेन कर पूछताछ करने में जुटी है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस और एसओजी ने बताया कि एसओजी ने जिला पुलिस के सहयोग से रविवार को आयोजित होने वाली नीट परीक्षा का पेपर उपलब्ध करवाने का झांसा दे रहे बलवान पुत्र इन्द्रसिंह निवासी राजगढ़ जिला चुरू, मुकेश मीना निवासी शेखपुरा जिला करौली औरहरदास निवासी पिलानी जिला झुंझुनू को डिटेन किया है।

एसओजी टीम ने दो दिन दिल्ली-गुड़गांव में कैंप कर प्राप्त आसूचना की जांच की तो पाया कि तीनों व्यक्तियों द्वारा नीट परीक्षा का पेपर उपलब्ध करवाने का झूठा झांसा दिया जा रहा था और नीट परीक्षा में पेपर उपलब्ध करवाने का झूठा झांसा देकर 40 लाख रुपये की डिमांड की जा रही थी। एसओजी ने आमजन से अपील है कि इस तरह पेपर उपलब्ध करवाने वाले, पास करवाने की गारंटी लेने वाले व्यक्तियों से सावधान रहे और उनके झांसे में नहीं आये। यदि इस प्रकार की कोई सूचना हो तो एसओजी के हैल्प लाईन नम्बर पर सूचना दे।

युवक की मौत

जयपुर। झोटवाड़ा थाना इलाके में एक तेज रफ्तार ट्रेक्टर ने राहगीर को टक्कर मार दी। इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार बिहार निवासी संदीप ने मामला दर्ज करवाया कि उसके पिता काम से रात को घर लौट रहे थे।

देशभर के 23 आर्टिस्ट्स की 31 कलाओं में दिखा फ्यूगरेटिव और कंटेम्प्ररी रंग

जयपुर। देशभर से आए आर्टिस्ट्स ने गुलाबी नगरी को विभिन्न रंगों और शैलियों से सरोबार कर दिया, मौका था शुक्रवार से शुरू हुई 10 दिवसीय आर्ट एग्जीबिशन रूह रंग का। पेंटिंग और सकल्पचर्स की इस ग्रुप एग्जीबिशन का आयोजन होटल नारायण निवास पैलेस स्थित कनोटा कोर्टयार्ड स्थित में हाउस ऑफ़ हिडन ट्रेज़र्स में आईसीए आर्ट गैलरी और हाउस ऑफ़ हिडन ट्रेज़र्स के सहयोग से हुआ।

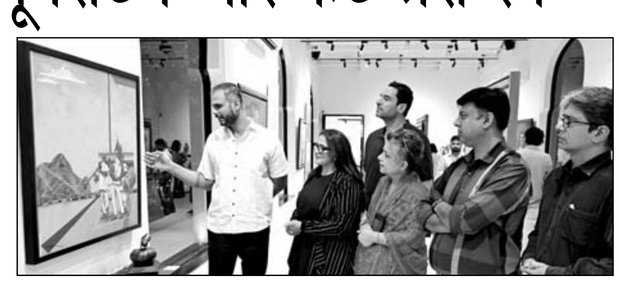

पेंटिंग और सकल्पचर्स की ग्रुप एग्जीबिशन का आयोजन होटल नारायण निवास पैलेस स्थित कनोटा कोर्टयार्ड स्थित में हाउस ऑफ़ हिडन ट्रेज़र्स में आईसीए आर्ट गैलरी और हाउस ऑफ़ हिडन ट्रेज़र्स के सहयोग से हुआ।

इस दौरान शहर के जाने-माने चेहरे, कला प्रेमी और आर्ट कलेक्टर्स ने शिरकत की। इस आर्ट एग्जीबिशन को जाने-माने आर्ट क्यूरेटर हेम राणा ने क्यूरेट किया। जहां उन्होंने पूरे देश के 23 प्रसिद्ध आर्टिस्ट्स के काम को एक ही छत के नीचे संजोया।

इस दौरान पुणे से आर्टिस्ट मनोज धारेकर और स्मृति जोशी, लखनऊ से आर्टिस्ट तरन्नुम, मुंबई से आर्टिस्ट मोनिका घुले, कोलकाता से आर्टिस्ट प्रताप चंद्र चक्रबर्ती, राजस्थान से आर्टिस्ट अमित कल्ला और रवि ठाकुर, मध्यप्रदेश से आर्टिस्ट कुसुमलता शर्मा, मणिपुर से आर्टिस्ट मीणा लेशराम और एस प्रणाम सिंह, रांची से एस.आर हेमब्राम, हैदराबाद से एल सरस्वती, उड़ीसा से मानस रंजन जैना, हरियाणा से राम विरंजन सहित आर्टिस्ट्स ने अपना चुनिंदा आर्ट डिस्प्ले किया। एग्जीबिशन की थीम फ्यूगरेटिव और कंटेम्प्ररी रहा जिसके चलते सभी आर्टिस्ट्स ने मानव, पशु-पक्षी, प्रकर्ति, शहरीकरण, ग्रामीण आदि के इर्द-गिर्द अपने विचारों को कैनवास पर प्रस्तुत किया।

हाउस ऑफ़ हिडन ट्रेज़र से सलोनी भंडारी और रिचा सिंह ने बताया कि इस एग्जीबिशन का मुख्य उद्देश्य से पूरे देश के आर्टिस्ट्स को एक मंच पर लाना था। जिसके चलते इस कला प्रदर्शनी में चुनिंदा 31 पेंटिंग्स को डिस्प्ले किया जा रहा है। जयपुर आर्ट लवर्स के लिए एग्जीबिशन के प्रीव्यू और गेट-टुगेदर का खास आयोजन किया गया था जिसमें कई गणमान्य और जाने-माने जयपुराइट्स शामिल हुए। इस एग्जीबिशन का समापन 11 मई को किया जाएगा।

सस्ते टूर पैकेज का झांसा देकर 1.5 करोड़ की ठगी करने वाला कंपनी संचालक गिरफ्तार

जयपुर। चित्रकूट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए देश-विदेश में सस्ते टूर पैकेज का झांसा देकर 1.5 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले कंपनी के संचालक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर फर्जी टूर कंपनी एम रोज हेवन प्राइवेट लिमिटेड के नाम से यह धोखाधड़ी की थी। पुलिस ने कंपनी के कई बैंक खाते फ्रीज करवा दिए हैं और खातों के ट्रांजैक्शन एनालिसिस में पाया गया है कि आरोपियों ने अब तक करीब 1.5 करोड़ का लेनदेन किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

थानाधिकारी विमलेश कुमार ने बताया कि देश-विदेश में सस्ते टूर पैकेज का झांसा देकर 1.5 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले कंपनी रणजीत सिंह खंगारोत उर्फ राजू निवासी कनकपुरा जयपुर को गिरफ्तार किया है।

इस कंपनी के खिलाफ अब तक 28 शिकायतें चित्रकूट थाने में दर्ज हो चुकी हैं और पुलिस का मानना है कि और भी पीड़ित सामने आ सकते हैं। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि उसने अपने साथी राकेश के साथ मिलकर यह ठगी की योजना बनाई थी।

वह अलग-अलग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से लोगों की जानकारी जुटाते थे और उन्हें लुभावने टूर ऑफर भेजते थे। बुकिंग के नाम पर पैसे पहले कंपनी के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करवाए जाते और फिर उन्हें निजी खातों में भेज दिया जाता। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

इस संबंध में 13 मार्च को पीड़ित ऋषि कुमार ने मामला दर्ज करवाया था कि मॉल ऑफ जयपुर में संचालित एम रोज हेवन प्राइवेट लिमिटेड के नाम संचालित टूर कंपनी के कर्मचारियों ने टूर पैकेज का झांसा देकर 1.04 लाख रुपए हड़प लिए। उसके बाद आज तक कोई टूर नहीं करवाया।

उसके बाद पता चला यी कंपनी कई लोगों के साथ धोखाधड़ी कर चुकी और परेशान लोग रोजाना चक्कर काट रहे हैं। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आरोपी को चिन्हित करते हुए पकड़ा है और वहीं अन्य आरोपित के सम्भावित ठिकानों पर दबिश मारी जा रही है।

जयपुर में दोपहर बाद अचानक मौसम बदल गया। इसके बाद बारिश होने से तापमान में कमी आ गई जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली।

हंसते रहो, हंसाते रहो व स्वस्थ रहो : इंटरनेशनल लाफ्टर डे पर सेंट्रल पार्क में लाफ्टर क्लब के लोग हंसते मुस्कुराते दिखे। हंसने-हंसाने से शरीर व मस्तिष्क दोनो स्वस्थ रहते हैं।

Star Wars Day: May the Fourth Be With You!

Celebrated every year on May 4, Star Wars Day is a global tribute to one of the most iconic sci-fi franchises in pop culture history. The date plays on the pun 'May the Fourth be with you,' echoing the legendary phrase, 'May the Force be with you.' Fans across the world commemorate the day with movie marathons, cosplay, themed events, and tributes to beloved characters. More than just entertainment, Star Wars has inspired generations with its epic storytelling, complex heroes, and timeless message of hope, resistance, and the enduring power of the Force.

#HOUSEPLANTS

Does Your Plant Need a Nanny?

Because sometimes, even your monstera needs a little extra love.

In today's world of aesthetic homes, urban jungles, and self-care Sundays, houseplants have grown from humble greens to cherished members of the household. But let's be honest, owning plants isn't always as easy as those Pinterest-perfect pictures make it look. Between overwatering, forgotten sun exposure, unexpected pests, and vacations, your leafy companions might be silently screaming for help. That's where the idea of a 'plant nanny' comes in.

Yes, you heard that right. A plant nanny, whether a person, gadget, or service, could be just what your green buddy needs.

What Is a Plant Nanny?

At its core, a plant nanny is someone (or something) that helps keep your plants healthy when you're not around or when you're not exactly a green thumb. This could mean a friend or neighbour checking in while you're on vacation, a self-watering device, or even professional plant care services now trending in many urban cities. Plant-sitting isn't just for the forgetful, it's a real necessity for people with busy schedules, frequent travel plans, or simply too many houseplants to manage alone. In fact, many plant parents admit that after the initial excitement, they struggle with consistency, and plants don't forgive negligence easily.

Signs Your Plant Might Need a Nanny

So, how do you know your plant needs extra support?

- Wilting or yellowing leaves despite your efforts.
- Dry or soggy soil because watering isn't an exact science.
- Frequent pest issues that seem to keep coming back.
- You travel often, and your plants look miserable every time you return.
- You have a collection of high-maintenance plants that require specific care.

If any of these hit home, a little help could go a long way.

Options for Plant Care

1. **Human Nannies:** Ask a friend, roommate, or plant-loving neighbour to care for your green gang when you're away. Leave clear instructions, how much to water, what not to touch, and where the sun hits best.
2. **Self-Watering Tools:** From ceramic spikes to high-tech moisture sensors connected to your phone, there's a wide market for automated watering tools. These are perfect for low-maintenance plants and forgetful owners.
3. **Professional Services:** Believe it or not, some plant care companies now offer plant-sitting and maintenance services. They'll trim, water, and even repot your babies for a fee.

It's Not Just About Survival

Having a plant nanny isn't about pampering, it's about ensuring that your plants thrive, not just survive. A well-cared-for plant rewards you with cleaner air, a calm vibe, and often, a sense of accomplishment. So, does your plant need a nanny? If your ficus is looking droopy or your succulents are silently judging you, it might be time to admit: yes, it does. After all, healthy plants, like pets, need attention, care, and sometimes, a helping hand.

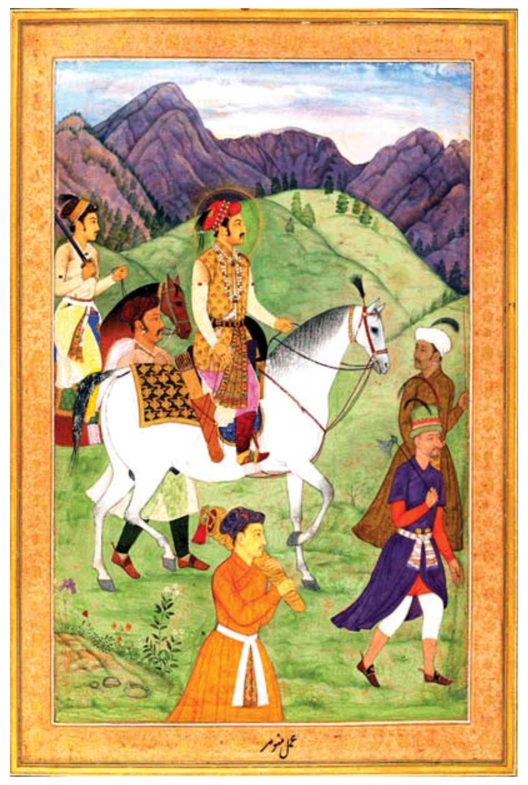

Shah Jahan riding with his son, by Manohar, 1615.

Portrait of Asaf Khan by Bichitr.

Portrait of Sultan Mohammad Qutb Shah of Golconda, by Hashim, 1620.

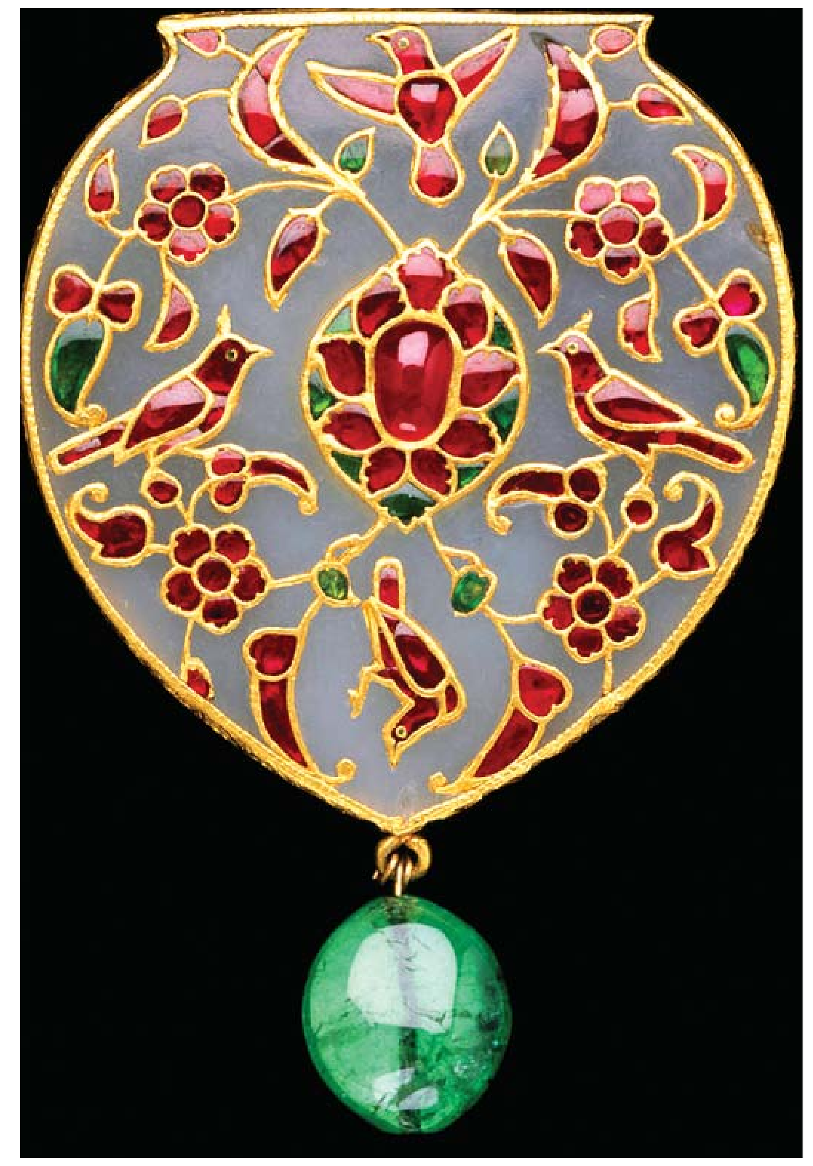

Pendant, nephrite jade set with rubies and emeralds in gold.

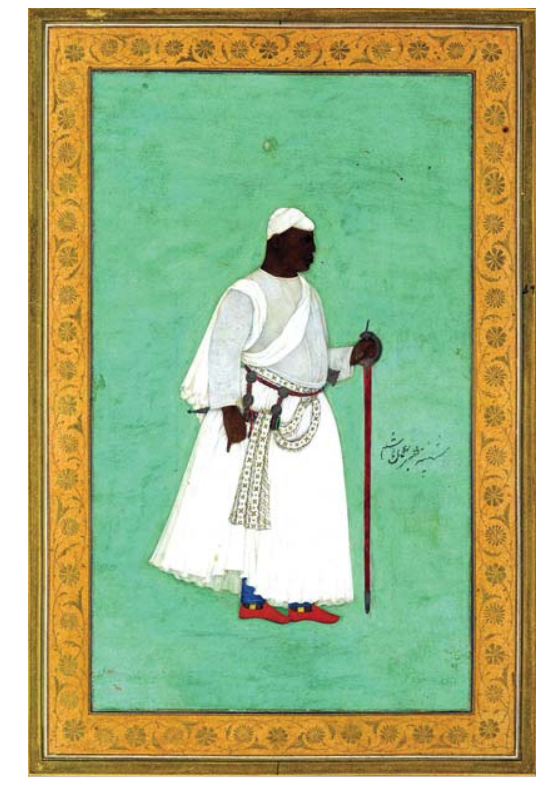

Portrait of Malik Ambar, by Hashim, 1620.

Portrait of Emperor Alamgir.

Pen box and utensils, white nephrite jade, Albert museum London.

Hate And Jealousy A Story In Art

PART:4

More surprisingly, in another painting, Shah Jahan's head replaces that of his father, and the original depiction of himself as Crown Prince, seen following the emperor, has been replaced by the head of his own son, Dara Shikoh. All other elements of the painting by Manohar remain unchanged. The artist of the replacement heads, Murar, signed his work in minute inscriptions immediately behind Shah Jahan, and underneath the Crown Prince's left hand.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

Nephrite jade was probably still a rare commodity in the empire at this period, its availability was dependant upon whether or not the narrow trade routes from Khotan, across Tibet and through Kashmir to Lahore, were open. However, the material quickly began to be used in typically innovative fashion by the royal master craftsmen. Wine cups of increasingly complex form were made, and jade artefacts were also inlaid with precious stones. A jade pendant in our collections, set with rubies and emeralds of very high quality in gold, was very probably made in the imperial workshops.

Textiles of Jahangir's reign are particularly rare, but a unique and extremely splendid satin coat embroidered all over with birds and animals in a flower-strewn rocky landscape must have been made for a leading individual at court.

Many details, including some of the animals and plant forms are replicated in the borders of contemporary paintings and on metalwork, underlining a fundamental difference between artistic production in the Mughal empire and in Europe, as in Iran, Central Asia and the rest of the subcontinent, no distinction is made between so-called 'fine' and 'decorative' art.

Shah Jahan

Jahangir died in 1627 and after a short but violent interval when rivals competed for the throne, his son Shah Jahan became emperor in 1628. Shah Jahan had rebelled against his father, as Jahangir as a prince had rebelled against Akbar, and had been estranged from 1621 onwards. Some of this time was spent in the Deccan, where the prince tried to form alliances with the traditional enemies of the Mughal state. Sensitively observed portraits of two men that were considered enemies to the Mughal state can only have been done by an eye witness, and demonstrate that artists must have accompanied Shah Jahan.

Malik Ambar was born in Ethiopia in about 1549 and sold into

> Malik Ambar was born in Ethiopia in about 1549 and sold into slavery. He was eventually bought by a leading member of the court of Nizam Shah, ruler of Ahmadnagar, one of the fragile sultanates of the Deccan. The slave became a soldier, and eventually a commander of the army which fought against Akbar's forces. By 1600, he was so powerful that he effectively ruled Ahmadnagar until his death in 1626.

slavery. He was eventually bought by a leading member of the court of Nizam Shah, ruler of Ahmadnagar, one of the fragile sultanates of the Deccan. The slave became a soldier, and eventually a commander of the army which fought against Akbar's forces. By 1600, he was so powerful that he effectively ruled Ahmadnagar until his death in 1626.

Sultan Muhammad Qutb Shah ruled nearby Golconda and was renowned for his patronage of the arts. Hashem's painting shows the distinctively different weapons and jewellery worn by the ruler compared with Mughal fashions at the time.

After Shah Jahan's accession, paintings inherited from his father were combined in sumptuous albums with newly commissioned paintings. Decorated panels of calligraphy by great Iranian masters were pasted to the back of each painting, and floral borders were added to each side of the folio, creating a sense of unity throughout the albums.

Shah Jahan seems to have made a conscious attempt to obliterate all physical record of his father. Structures built by order of Jahangir in the royal cities of Agra and Lahore were replaced with those in a new style, characterised by profusely carved or inlaid floral decoration. More subtle slights are apparent in paintings. In a representation of the three emperors that has a companion piece, now in the Chester Beatty Library in Dublin, Akbar hands the imperial crown not to his actual successor but to Shah Jahan. Jahangir is ignored.

More surprisingly, in another painting, Shah Jahan's head replaces that of his father, and the original depiction of himself as Crown Prince, seen following the emperor, has been replaced by the head of his own son, Dara Shikoh. All other elements of the painting by Manohar remain unchanged. The artist of the replacement heads, Murar, signed his work in minute inscriptions immediately behind Shah Jahan, and underneath the Crown Prince's left hand.

Shah Jahan inherited the volumes of the combined libraries of Akbar and Jahangir, but on the basis of what has survived, his interest in the art of the book seems to have been much less than that of his father, though a contemporary historian notes that he inspected the work of the artists every day. Some traditions carried on, the portrait of Shah Jahan's brother-in-law, Asaf Khan, has the same pale green background of earlier portraits, though faintly drawn scenes have been added, alluding to episodes from his life.

Many portraits of the emperor and his sons were made. He was depicted holding the jewels which he loved, and about which he knew a great deal, and also on horseback with a parasol held over his head by his son, one of the main emblems of royalty. Nevertheless, Shah Jahan's lasting legacy is to be seen in the great monuments he constructed, the forts of Agra and Lahore that were transformed with new buildings decorated with coloured stone inlays, and the new city called Shahjahanabad that was built in Delhi between 1639 and 1648. White marble from the mines of Makrana in Rajasthan was used prolifically in Agra and Delhi, carved in low relief or inlaid with semi-precious stones in a new Mughal style, inspired by imported Florentine panels inlaid with pietre dure. The most common designs were rows of flowering plants, which now became the defining style of the arts of Shah Jahan's reign, seen in every medium from architecture and textiles to metalwork and the art of the book.

In Lahore and Srinagar, where buildings were constructed of brick or wood, new buildings were embellished with colourful tile revetments. Walled gardens were laid out in the same cities, their gateways also decorated with polychrome tiles. Tile revetments decorated the mansions, mosques and tombs built by nobles in Lahore, and these had floral motifs, Persian verses or religious inscription in Arabic, depending on the context. Shah Jahan spent a certain amount of time with his family in the city of Burhanpur in the Deccan and it was here that his beloved wife, Arjumand Banu Begum, who had the title 'Mumtaz Mahal,' died in 1631 giving birth to their fourteenth child. Her body was moved to Agra, where Shah Jahan ordered a tomb to be built for her. The Taj Mahal was built from white marble, with red sandstone gateways. The low walls enclosing the cenotaph of his wife, and after his death, his own were also inlaid or carved with rows of flowering plants. Sa'ida-ye Gilani continued as Superintendent of the Goldsmiths under Shah Jahan, and almost certainly continued to make vessels and other artefacts from jade. Jade and rock crystal were used more prolifically than ever before. Wine cups and bowls, boxes, and hilts for daggers and swords were made of both materials, and were sometimes also set with precious stones in gold.

> The most remarkable jade vessel known to have been made for Shah Jahan is a wine cup of white nephrite jade. It is inscribed with a date that converts to 1657, the last year of his reign, and his title, 'Lord of the Second Conjunction.' This makes reference to his Timurid ancestor. Timur styled himself Lord of the Conjunction, signifying his birth at the auspicious planetary conjunction of Jupiter and Mars.

The most remarkable jade vessel known to have been made for Shah Jahan is a wine cup of white nephrite jade. It is inscribed with a date that converts to 1657, the last year of his reign, and his title, 'Lord of the Second Conjunction.' This makes reference to his Timurid ancestor. Timur styled himself Lord of the Conjunction, signifying his birth at the auspicious planetary conjunction of Jupiter and Mars.

In that same year, Shah Jahan fell so seriously ill that it was feared he would die. He nominated his eldest son, Dara Shikoh, as his successor, but although the emperor recovered, a war of succession broke out between his sons. Aurangzeb emerged triumphant, deposed his father, and proclaimed himself emperor with the title 'Alamgir' in 1658. All but one of his brothers were put to death by the ruthless new emperor to eliminate all future threats to his rule. He imprisoned his father in the fort at Agra, from where Shah Jahan could see the tomb of his wife in which he would also be buried when he died in 1666.

Alamgir ruled until 1707, and extended the Mughal empire to its greatest size. This involved long campaigns to subdue the sultanates of the Deccan, which were ultimately successful. However, years of almost constant warfare drained the wealth of the empire and Alamgir's absence from the northern cities for nearly three decades left them in economic decline. After his death, the empire began slowly but irreversibly to break up, with regional governors becoming virtually independent and new rulers making land grabs. Power drained away from the Mughal emperors in favour of regional courts. Many of them followed artistic and architectural conventions established by Shah Jahan, though necessarily on a much reduced scale. None could match the splendour of the Mughal court at its wealthiest.

Concluded.

rajeshsharma1049@gmail.com

Section of the colonnade from the bath house in the palace at Agra.

#THE ARTS

Hunting coat, embroidared satin,1610-25.

Hunting coat.

Shahjahan's cup, white nephrite jade, Albert museum London.

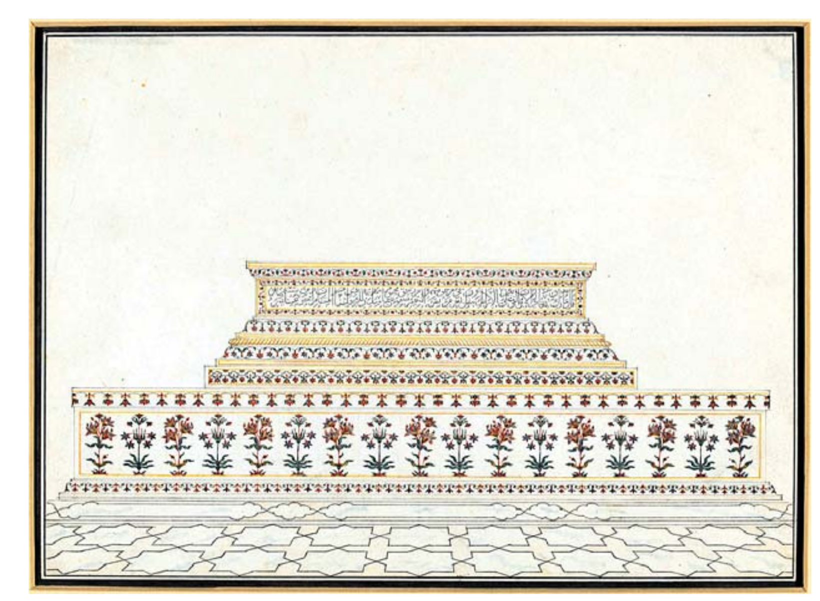

Cenotaph of Mumtaz Mahal in the Taj Mahal at Agra.

THE WALL

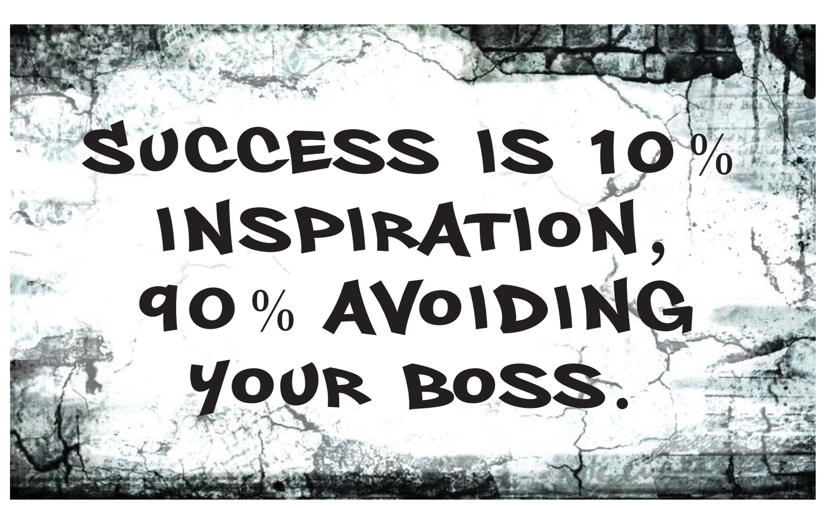

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

आज नीट यूजी का एग्जाम

तीन घंटे पहले से शुरू होगी एंट्री, आधे घंटे पहले बंद हो जाएंगे सेंटर के गेट

झुंझुनूं। रविवार को एनटीए की ओर से होने वाले नीट यूजी के एग्जाम की तैयारियां पूरी कर ली गई है। झुंझुनूं जिले में परीक्षा को लेकर 18 परीक्षा केंद्र बनाए गए है।

पहले प्राइवेट स्कूलों में भी परीक्षा केंद्र बनाए जाते थे। लेकिन इस बार एनटीए से मिली गाइडलाइन के अनुसार सिर्फ सरकारी स्कूल और कॉलेजों में ही सेंटर बनाए गए है। जिसके चलते ना केवल झुंझुनूं जिला मुख्यालय, बल्कि आबूसर, आबूसर का बास, इंडाली, उदावास, हेतमसर, चिड़ावा, मुकुंदगढ़ और नवलगढ़ में भी सेंटर बनाए गए है। इन सेंटरों पर कुल 5736 परीक्षार्थी परीक्षा दे सकेंगे। हर 12 परीक्षार्थियों पर एक वीक्षक लगाया गया है। लगभग हर सेंटर में एक कक्ष में 24 परीक्षार्थियों की बैठने की व्यवस्था की गई है। जिसके लिहाज से हर कक्ष में दो वीक्षक होंगे। वहीं परीक्षार्थी किसी भी इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस, खासकर ब्लूटूथ और मोबाइल आदि से नकल ना कर सके। इसके लिए सभी परीक्षा केंद्रों में दो कक्षों के बीच एक जैमर लगाया गया। साथ ही परीक्षा केंद्रों के कक्षों को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रखा गया। सीसीटीवी कैमरों के अलावा वीडियोग्राफी भी होगी। जिसमें हर परीक्षार्थी का चेहरा रिकॉर्ड किया जाएगा। एडीएम डॉ. अजर्य आर्य तथा परीक्षा समन्वयक महेंद्र सिंह ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश परीक्षा शुरू होने से तीन घंटे पहले, यानि कि 11 बजे शुरू कर दिया जाएगा। यह प्रवेश दोपहर डेढ बजे तक दिया जाएगा। इसके बाद परीक्ष केंद्र के दरवाजे बंद कर दिए जाएंगे। परीक्षा केंद्र में प्रवेश के वक्त परीक्षार्थियों की बायोमेट्रिक मशीनों से पहचान और उपस्थिति होगी। दोपहर दो से शाम पांच बजे तक परीक्षा होगी। सभी परीक्षा केंद्रों के लिए एक-एक ड्यूटी मजिस्ट्रेट लगाया गया है। जो आएएस या फिर तहसीलदार स्तर का अधिकारी है। उड़न दस्ते आदि भी तय कर दिए गए है। परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से और पारदर्शिता के साथ निपटे इसके लिए ट्रेनिंग के जरिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए है। केंद्रों पर बिजली व पानी की समुचित व्यवस्था की गई है। वहीं मेडिकल टीमें भी अलर्ट मोड पर रहेगी।

सभी परीक्षा केंद्र सरकारी स्कूल और कॉलेजों में, जिले के 18 परीक्ष केंद्रों पर बैठ सकेंगे 5736 विद्यार्थी।

■ परीक्षार्थी किसी भी इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस, खासकर ब्लूटूथ और मोबाइल आदि से नकल ना कर सके। इसके लिए सभी परीक्षा केंद्रों में दो कक्षों के बीच एक जैमर लगाया गया।

डीआईजी द्वारा परीक्षा में नियोजित जाब्ते को किया गया ब्रीफः इसी क्रम में रिजर्व पुलिस लाइन में डीआईजी शरद चौधरी द्वारा राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा नीट यूजी- 2025 के दौरान जिले में सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियोजित किए जाने वाले अधिकारियों व कार्मिकों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से ब्रीफ किया गया। इस दौरान एएसपी मुख्यालय देवेंद्रसिंह राजावत भी मौजूद रहे। डीआईजी चौधरी ने बताया कि परीक्षा के सुचारू एवं निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के लिए रिजर्व पुलिस लाइन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिले के थाना व कार्यालय के लगे जाब्ते को ब्रीफ किया गया। उन्होंने कहा कि परीक्षा के लिए जिले में व्यापक सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के इंतजाम किए गए हैं। जिले के कुल 18 परीक्षा केंद्रों पर प्रत्येक पर एक उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी को नियोजित किया जाकर परीक्षा केंद्र का नोडल अधिकारी व पुलिस टीम लीडर नियुक्त किया गया है। परीक्षा केंद्रों के आस-पास, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन व भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर फिक्स पिकेट्स लगाए गए है। जिला मुख्यालय पर व पड़ौस के स्थित कुल 12 परीक्षा केंद्रों पर पुलिस मोबाइल पार्टियां लगाई गई हैं। परीक्षा के दौरान सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए संबंधित को आवश्यक निर्देश दिए गए। सभी पुलिसकर्मियों को परीक्षा केंद्रों पर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने, किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने तथा परीक्षा की गोपनीयता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। ब्रीफिंग के दौरान सभी पुलिसकर्मियों को परीक्षा केंद्रों पर सतर्कता बरतने, अनुशासन बनाए रखने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाएगी तथा नकल करवाने या कराने के प्रयासों पर सख्त कार्रवाई होगी। अफवाह फैलाने या भ्रामक सूचनाएं प्रसारित करने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। आमजन से भी अपील की जाती है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देंवे।

अजमेर में छह बांग्लादेशी नागरिक पकड़े

पुलिस ने अजमेर में सघन तलाशी अभियान में 6 बांग्लादेशी लोगों को पकड़ा।

अजमेर, (कासं)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देश भर में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। इसी कड़ी में अजमेर जिले में भी पुलिस ने संदिग्ध विदेशी नागरिकों और अवैध रूप से रह रहे लोगों के खिलाफ सघन तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने इस विशेष अभियान में 2,151 संदिग्धों से पूछताछ की, जिनमें से 6 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को डिटेन किया गया है।

अजमेर रेंज डीआईजी ओमप्रकाश और पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देश पर जिले भर में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। एएसपी हिमांशु जांगिड़, एएसपी ग्रामीण दीपक कुमार शर्मा और केकड़ी के शोराजमल मीणा की निगरानी में थाना क्षेत्रों में विशेष पुलिस टीमें गठित की गईं। पूछताछ और दस्तावेज़ों की जांच के बाद 6 बांग्लादेशी नागरिकों को अवैध रूप से रहने के आरोप में डिटेन किया है। सभी बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रह रहे थे।

पुलिस टीमों ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, होटलों, धर्मशालाओं, ईंट भट्टों, दरगाह क्षेत्र, तारागढ़ की पहाड़ी, जालियान कब्रिस्तान, लोगियां मोहल्ला और अन्य संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान गुप्त सूचना, तकनीकी संसाधनों और स्थानीय इंटेलिजेंस के आधार पर सघन पूछताछ की गई। पुलिस ने जमीर शाह, मीर झरना बेगम, मोहम्मद रफीकुल इस्लाम उर्फ बाबू चिश्ती, मंजारूल इस्लाम, अब्दुल कादिर और खाईकल इस्लाम को हिरासत में लिया है। ये सभी बांग्लादेश के अलग-अलग इलाकों से हैं। इसके अलावा सरवाड़ पुलिस ने चलाये सादिग्धों के खिलाफ धर पकड़ अभियान में दो बांग्लादेशी को पकडा है। सरवाड़ केकड़ी उप-अधीक्षक हर्षित शर्मा के निर्देशन में व सरवाड़ थाना अधिकारी जगदीश प्रसाद चौधरी की अगुवाई में संदिग्ध लोगों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है वहीं शहर में लंबे समय से दरगाह क्षेत्र अन्य स्थानों पर रह रहे खानाबदोश व संदिग्ध लोगों की पहचान को लेकर पुलिस प्रशासन ने 80 से अधिक लोगों को डिटेन किया और थाने लाकर पूछताछ की पुलिस की इस कार्यवाही से दरगाह क्षेत्र सहित अन्य स्थानों पर हड़कंप मच गया। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के बाद से ही यहां दरगाह क्षेत्र समेत अन्य स्थानों पर रह रहे खानाबदोश के दस्तावेजों की जांचक पड़ताल की जा रही है वहीं सरवाड़ थाना पुलिस ने जब थाने लेकर आई लोगों से पूछताछ की तो कार्रवाई में बांग्लादेश हबीबगंज सिलहज चबरा निवासी अब्दुल कादिर उम्र 63 पुत्र मोहम्मद नोसाई मियां और पुटवाकली मीरजागंज बासुन्दा खाइकल इस्लाम उम्र 35 पुत्र कबीर आला दास को सरवाड़ से पकड़ा गया वहीं थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद चौधरी ने बताया कि सभी संदिग्ध लोगों की जांच पड़ताल की जाएगी।

एटीएम मशीन काट 8 लाख रुपए ले उड़े बदमाश

उदयपुर, (कासं)। सलूंबर में शनिवार को एटीएम को काटकर उसमें रखे लाखों रुपए चोरी करने की घटना के बाद हडकंप मच गया। घटना शनिवार तडके की बताई जा रही है। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई लेकिन चोरों ने एटीएम के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे पर स्प्रे कर दिया।

■ सुबह एटीएम के बाहर से गुजर रहे लोगों ने जब एटीएम टूटा देखा तो पुलिस और बैंककर्मियों को सूचना दी

शनिवार सुबह एटीएम के बाहर से गुजर रहे लोगों ने जब एटीएम टूटा देखा तो पुलिस और बैंककर्मियों को इसकी सूचना दी। इस पर पुलिस और बैंककर्मी तुंरत मौके पर पहुंचे। चोरी हुआ एटीएम सलूंबर में पंचायत समिति कार्यालय के सामने आबादी क्षेत्र में बैंक ऑफ इंडिया का एटीएम के लगा हुआ था। इसके बाद बावजूद चोर चुराकर ले गए। चोरों ने एटीएम को गैस कटर से काटा। सुबह.सुबह जब लोगों की आवाजाही शुरू हुई तब पता चला कि एटीएम पर चोरी की घटना हुई।

सूचना पर बैंककर्मी और पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद पुलिस ने एटीएम में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला तो पता चला कि चोर करीब साढे तीन बजे सफेद स्कॉर्पियो कार से आए जिसमें करीब 3 से 4 लोग सवार थे वहीं बैंककमिर्यों के पहुचंने के बाद पता चला कि चोर एटीएम से करीब आठ लाख 35 हजार रुपए लेकर फरार हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बनवारीलाल, पुलिस डिप्टी हेरम्भ जोशी, थानाधिकारी मनीष खोईवाल सहित पुलिस के आला अधिकारियों ने मौका मुआयना किया। सलूंबर थानाधिकारी मनीष खोईवाल ने बताया कि इस मामले में जांच शुरू कर दी है।

उन्होंने बताया कि बाहर की तरफ और आसपास लगे सीसी टीवी भी खंगाल रहे है। एटीएम के बाहर लगे सीसीटीवी में चार नकाबपोश दिखे थे जो सुबह तड़के करीब साढ़े तीन बजे अंदर जाते दिखे। अंदर जाते ही इन्होंने नकाबपोश में अंदर के सीसी टीवी पर स्प्रे किया और उसके बाद एटीएम को काटने का काम शुरू किया और बाद में नकदी बॉक्स लेकर चले गए।उन्होंने बताया कि वारदात की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य बिंदुओं पर पड़ताल की जा रही है। नकाबपोश बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया है। संदिग्धों की तलाश की जा रही है।

लाठियां डंडों से जमकर हमला

भीलवाड़ा। जिले के बनेड़ा थाना क्षेत्र स्थित सुल्तानगढ़ गांव में शादी समारोह के दौरान दो पक्षों में हुआ विवाद मारपीट में बदल गया और एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर लाठियां डंडों से जमकर हमला कर दिया, जिसमें आधा दर्शन लोग घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार सुल्तानगढ़ निवासी घीसी देवी पत्नी देवीलाल नायक और प्यारा पिता मांगू लाल नायक को मारपीट में गंभीर घायल होने पर जिला मुख्यालय स्थित महात्मा गांधी चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है, उनका आरोप है कि उनके परिवार में शादी समारोह के दौरान देर रात को डीजे बज रहा था परिवार के लोग डांस कर रहे थे। इस दौरान पड़ोसी देवीलाल, लादू, नारायण सहित आधा दर्जन से ज्यादा लोगों ने उन पर शराब के नशे में धुत्त होकर जानलेवा हमला कर दिया।

लाठियां डंडों और कुल्हाड़ी से किए गए हमले का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वहीं दूसरी ओर दोनों घायलों को महात्मा गांधी चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है जबकि कुछ अन्य घायलों का स्थानीय हॉस्पिटल में प्राथमिक उपचार करने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। बनेठा थाना पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

सबसे तेज पगड़ी बांधने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बने पवन व्यास

बीकानेर। राजस्थान की पारंपरिक शान 'पगड़ी' को वैश्विक पहचान दिलाने वाले पवन व्यास ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने सिर्फ 10.56 सेकंड में पगड़ी बाँधकर दुनिया के सबसे तेज़ पगड़ी बांधने वाले व्यक्ति का खिताब अपने नाम कर लिया। यह रिकॉर्ड 2 दिसंबर 2023 को बीकानेर में बनाया गया, जिसे गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा 2 मई 2024 को आधिकारिक मान्यता दी गई।

■ गिनीज बुक में दर्ज हुआ रिकॉर्ड

इससे पूर्व यह रिकॉर्ड आदित्य पंचोली के नाम था, जिन्होंने 14.12 सैकंड में पगड़ी बाँधकर यह उपलब्धि हासिल की थी। पवन व्यास ने यह रिकॉर्ड तोड़कर नया इतिहास रच दिया। पवन ने दसों उंगलियों पर दस अलग-अलग प्रकार के राजस्थानी साफे बाँधकर यह अद्वितीय रिकॉर्ड बनाया, जिसे इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया। उन्होंने पहले 1569 फीट लंबा साफा बनाया, फिर इस रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 2025 फीट लंबी पगड़ी बाँधकर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नया रिकॉर्ड स्थापित किया। यह उपलब्धि 2025 में आयोजित अंतरराष्ट्रीय ऊँट उत्सव के दौरान दर्ज हुई और प्रमाण पत्र प्रतिनिधि प्रथम भल्ला द्वारा सौंपा गया।

बीकानेर के बाफ़ना स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में पवन ने सिर्फ 1 घंटे में 205 लोगों को पगड़ी बाँधी, जो एक अविश्वसनीय उपलब्धि है।पवन व्यास ने कहा:'मेरा उद्देश्य राजस्थानी पगड़ी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाना है। मैं सरकार से अपील करता हूँ कि एक दिन 'पगड़ी दिवस' घोषित किया जाए, जिस दिन सभी अधिकारी, नेता, शिक्षक आदि पारंपरिक पगड़ी पहनकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें। इससे यह अद्भुत कला आने वाली पीढ ़ियों तक सुरक्षित रह सकेगी। पवन व्यास अब तक 150000 से अधिक पारंपरिक पगड़ ़ियाँ बाँध चुके हैं। उन्होंने कई फिल्मी कलाकारों और यहां तक कि प्रधानमंत्रा नरेंद्र मोदी जी के लिए भी पगड़ी डिज़ाइन की है। उनका यह प्रयास ना केवल सांस्कृतिक संवर्धन है बल्कि राजस्थान की परंपराओं को विश्व मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक प्रेरणास्पद कदम है।

प्रेमिका की हत्या के बाद प्रेमी फंदे से लटका

हनुमानगढ़। प्रेमी ने अपनी प्रेग्नेंट प्रेमिका की गला दबाकर हत्या कर दी। उसके बाद प्रेमी ने खुद भी फंदे से लटककर सुसाइड कर लिया। मामला संगरिया थाना इलाके के ढाबां गांव का है। संगरिया सीओ करण सिंह ने बताया कि राजू सिंह (50) अपने घर में सुमन (25) के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था। सुबह 8 बजे तक दोनों जब घर से बाहर नहीं निकले तो पड़ोसी ने उसके घर पर जाकर देखा। जहां फर्श पर सुमन का शव पड़ा था और राजू सिंह फंदे से लटका पड़ा था। सीओ करण सिंह ने बताया कि राजू सिंह की 15 साल पहले शादी हुई थी। बाद में पत्नी से मनमुटाव होने के बाद तलाक दे दिया था। राजू सिंह का पहली पत्नी से एक लड़का है, जो पत्नी से तलाक के बाद से ननिहाल में ही रहता था। सीओ करण सिंह ने बताया कि सुमन की 10 साल पहले भगतपुरा निवासी कर्मजीत सिंह से शादी हुई थी। उसके दो लड़के भी हैं। उसके बाद सुमन अपने पति का साथ छोड़कर राजू सिंह के पास रहने के लिए आ गई। सुमन गर्भवती भी थी। सीओ करण सिंह ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) और मोबाइल फॉरेंसिक यूनिट की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं।

नाकाबांदी में कार से सवा करोड़ के पुराने नोट मिले, तीन हिरासत में

उदयपुर, (का.स.)। सलूंबर पुलिस ने शनिवार को नाकाबंदी के दौरान हाइवे पर एक कार से करीब सवा करोड़ रुपए के पुराने नोट जब्त किए है। इसमें सवार तीन जनों को पुलिस ने हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि ये नोट बदलावाने आए थे।

■ पूछताछ में सामने आया कि ये नोट बदलावाने आए थे।

सलूंबर एसपी राजेश यादव ने बताया कि सलूंबर थानाधिकारी मनीष खोईवाल को मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने उदयपुर-सलूम्बर मेगा हाइवे पर नाकाबंदी की। इस दौरान एक कार को रुकवाया और चेक किया तो अंदर नोटों की गड्डियां पड़ी मिली थी।पुलिस ने मामले तीन आरोपियों को पकड़ा जो गाड़ी में सवार थे। पुलिस ने नोटों की गिनती की तो सामने आया कि कार में 1000 रुपए की 98 गड्डियां तो 73 गड्डियां 500 रुपए की थी। कुल मिलाकर यह राशि करीब एक करोड़ 34 लाख 50 हजार रुपए थी।एसपी ने बताया कि गाड़ी में ही कुछ कागजों के साथ केमिकल मिला था। उन्होंने बताया कि इस मामले में पुलिस ने नांदेड के रहने वाले पदमावत कुलकर्णी, कन्हैयालाल मेहता और कयूम को पकड़ा है।

एसपी ने बताया कि कन्हैयालाल सलूंबर के बस्सी का ही रहने वाला है और मुंबई में व्यापार करता है। एसपी ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में लोगों ने बातया कि हम नोट बदलवाने आए है और इसके बदले हमे 12 प्रतिशत वेल्यू मिल रहा था।थानाधिकारी मनीष खोईवाल ने बताया कि पुराने नोटो का अवैध परिवहन करते हुए पकड़े आरोपियों से पूछताछ जारी है।

युवती ने की आत्महत्या

कोटा, (निसं)। रानपुर थाना इलाके में एक युवती ने घर के बाहर पेड़ पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। शनिवार सुबह परिजन जब उठे और पेड़ पर युवती को लटका देखा तो उसे नीचे उतार कर उपचार के लिये एमबीएस अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद युवती को मृत घोषित कर दिया। रानपुर थानाधिकारी रामविलास मीणा ने बताया कि बाबड़ी खेड़ा की झोपडियां निवासी प्रिया (19) ने घर परिसर में लगे नीम के पेड़ पर फांसी का फन्दा लगा कर सुसाईड कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि प्रिया फर्स्ट ईयर की स्टूडेन्ट थी, मामले में परिजनों से जानकारी मिली है कि शुक्रवार शाम को किसी समारोह में बाहर गये थे और रात्रि को वापस घर आकर सभी सोने चले गये। शनिवार सुबह परिजन उठे तो प्रिया घर के बाहर नीम के पेड़ पर फंदे पर लटकी हुई मिली। थानाधिकारी ने बताया कि मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

बारात पहुंचने से पहले दूल्हे पर किया चाकू से हमला

कोटा, (निसं)। देवली मांझी थाना इलाके में शुक्रवार रात्रि को लड़की वालों के घर बारात पहुंचने से पहले घोड़ी पर बैठे दूल्हे पर अचानक से चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। हमले में घायल दूल्हे को उपचार के लिये कोटा के एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद अज्ञात हमलावर मौके से फरार हो गया, वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात हमलावर की तलाश करते हुए घटना के कुछ घंटो बाद ही हमलावर को डिटेन कर गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार बूंदी जिले के इंद्रपुरिया गांव निवासी लक्ष्मीनारायण बैरवा की बारात देवली मांझी थाना इलाके के सातलखेड़ी गांव में आई थी, सातलखेड़ी निवासी मीनाक्षी के साथ उसका विवाह होना था। सातलखेड़ी गांव में शुक्रवार रात्रि को बारात निकल रही थी दूल्हा लक्ष्मीनारायण सबसे पीछे घोड़ी पर बैठा हुआ था और उसके दोस्त व परिजन आगे डांस कर रहे थे तभी बारात पहुंचने से पहले अज्ञात हमलावर ने लक्ष्मीनाराण के ऊपर चाकू से हमला कर दिया जिससे वह घोड़ी से नीचे गिर गया और मौके पर एकदम भगदड़ मच गई और हमलावर मौका पाकर मौके से फरार हो गया। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि बूंदी जिले से बारात देवली मांझी इलाके के सातलखेड़ी गांव आई थी। बारात में दूल्हे पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि हमलावर उसी गांव का रहने वाला है जिसे पुलिस टीम ने घटना के कुछ घंटो में डिटेन कर गिरफ्तार कर लिया। डिटेन किये गये आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

■ हमलावर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बॉर्डर पर मिली 3 किलो 32 ग्राम हेरोइन की खेप

श्रीगंगानगर। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर रावला क्षेत्र में 3 किलो 32 ग्राम हेरोइन मिलने के मामले में पुलिस ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। अब तक इस केस में तीन आरोपी पकड़े जा चुके हैं।

पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने बताया कि 21 मार्च 2025 को बीएसएफ पोस्ट खानूवाली के कंपनी कमांडर दीपक कुमार ने रावला थानाधिकारी नवनीत सिंह को सूचना दी थी कि रोही चक 03 केएनएम में एक संदिग्ध पैकेट पड़ा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच में दो पारदर्शी पॉलिथीन की थैलियों में कुल 3 किलो 32 ग्राम हेरोइन मिली। आसपास के खेतों और बॉर्डर इलाके में तलाशी ली गई, लेकिन कोई व्यक्ति नहीं मिला। पुलिस ने हेरोइन जब्त कर रावला थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहतऊ मुकदमा दर्ज किया।

केस की जांच घड़साना थानाधिकारी महावीर प्रसाद को सौंपी गई। तकनीकी जांच और मुखबिर की सूचना पर पहले ही अमनदीप सिंह और सोनू उर्फ गोरा को गिरफ्तार किया जा चुका है। अब तीसरे आरोपी सुखदेव सिंह उर्फ रमनदीप उर्फ दीप उर्फ बंटी को फरीदकोट के केंद्रीय कारागृह से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया गया है। वह मूल रूप से बोराके, थाना सदर फिरोजपुर, पंजाब का रहने वाला है। फिलहाल वह मोहन के उत्ताड़, थाना गुरसहाय, जिला फिरोजपुर में रह रहा था। पूरे मामले में पूछताछ और जांच जारी है।

कोटा में नीट परीक्षा के आयोजन को लेकर ऑटो चालकों की मनमानी

नीट-यूजी परीक्षार्थियों से किराया वसूली की शिकायतों पर परिवहन विभाग का एक्शन

कोटा, (निसं)। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी रविवार को दोपहर 2 से 5 बजे तक होगी। कोटा में 73 परीक्षा केन्द्रों पर 32 हजार 424 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। शहर के 32 राजकीय और 41 निजी विद्यालयों में परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। ये परीक्षा केन्द्र स्टेशन से लेकर शहर के लगभग सभी क्षेत्रों में स्थित हैं। परीक्षा केन्द्रों तक आने-जाने के लिए परीक्षार्थी और अभिभावक एक दिन पहले ही ऑटो और यातायात के साधन बुक करने लगे हैं। ऐसे में कई शिकायतें भी जिला प्रशासन के पास पहुंच रही है। कुछ रिकॉर्डिंग्स आ रही है, जिसमें ज्यादा किराया चार्ज करने की बातें आ रही है। इन्हीं शिकायतों के चलते परिवहन विभाग एक्शन मोड में है। ऑटो चालकों से समझाईश के साथ उन्हें चेताया जा रहा है। इसके साथ ही जिला प्रशासन और परिवहन विभाग द्वारा परीक्षार्थियों को सुविधा देने का प्रयास किया जा रहा हैं। जिला परिवहन अधिकारी (आरटीओ) मनीष शर्मा ने बताया कि इस संबंध में शहर के ऑटो यूनियन के पदाधिकारियों की बैठक ली गई। इसमें सभी को स्टूडेंट्स की मदद करने और जिम्मेदारी से परीक्षा केन्द्र छोड़ने के लिए पाबंद किया गया। ज्यादा किराया चार्ज नहीं करने को लेकर निर्देश दिए गए हैं। यदि शिकायत आती है और सही पाई जाती है तो ऑटो चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही शहर के रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड पर संचालित किए जाने वाले ऑटो स्टैंड पर भी ऑटो संचालकों को एकत्रित करके उनसे समझाईश की गई है। इंस्पेक्टर अवधेश डांगी द्वारा ऑटो चालकों को निर्धारित किराया लेने तथा परीक्षार्थियों को केयर करते हुए परीक्षा केन्द्र तक पहुंचाने के लिए कहा गया है।

■ रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड पर संचालित ऑटो चालकों से की गई समझाईश

■ लैंडमार्क सिटी, जवाहर नगर और बारां रोड कोरल पार्क से सुबह सिटी बसों का संचालन होगा

आरटीओ मनीष शर्मा ने कहा कि इसके साथ ही परीक्षार्थियों को एडिशनल सपोर्ट देने के लिए विभाग की ओर से रविवार को विशेष रूप से शहर के लैंडमार्क सिटी, जवाहर नगर और बारां रोड नया नोहरा क्षेत्र से सुबह सिटी बसों का संचालन किया जाएगा। इन इलाकों में सिटी बसें भी परीक्षार्थियों के लिए विकल्प होगा, जहां से वे परीक्षा केन्द्र तक जा सकेंगे। ऑटो चालकों को बताया गया है कि कोटा में स्टूडेंट्स अपना कॅरियर बनाने आते हैं। कई सालों की मेहनत के बाद ये परीक्षा के क्षण उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। इस समय यदि कुछ भी होता है तो उनकी मेहनत पर पानी फिरने जैसा होगा। ऐसे समय में उन्हें बेस्ट केयरिंग देने की कोशिश करें। कहीं कोई परीक्षार्थी परेशानी में दिखे तो उसकी मदद करें।

संयुक्त बैठक आयोजित : लोकसभा अध्यक्ष द्वारा प्राप्त निर्देशो की पालना में शुक्रवार को नगर निगम कोटा दक्षिण के आयुक्त अनुराग भार्गव ने शहर के विकास को लेकर नगर निगम उत्तर व दक्षिण की संयुक्त बैठक आयोजित कर अधिकारियों/ अभियंताओं/ कर्मचारियों को निम्न आवश्यक निर्देश प्रदान किये-शहर में लग रहे अवैध होर्डिंग्स/पोस्टर/ बैनर हटाने एवं जुर्माना लगाकर आवश्यकता होने पर एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिये। वहीं शहर की सड़कों एवं डिवाइडरों पर हो रहे अतिक्रमण/अवैध निर्माण को फोटो-वीडियोंग्राफी के माध्यम से चिन्हित कर आवश्यक कार्यवाही करने, फुटपाथ पर स्थापित अवैध ठेलों व वाहनों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिये साथ ही निगम की सरकारी भूमियों को चिन्हित कर अन्य एजेन्सीयों के सहयोग से नीलाम करने की कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। नगर निगम के अन्तर्गत आने वाले सामुदायिक भवनों, शमशानों, श्री अन्नपूर्णा रसोईयों की कार्ययोजना तैयार करने, वार्डो में चिन्हित कचरा पोईन्टों पर कचरा समयबद्ध तरीके से उठवाने एवं कचरा पोइन्टों को सुव्यवस्थित करवाने, नालों का पानी चंबल नदी में नहीं गिरे इसके लिए प्रोजेक्ट तैयार कर उनको टेपिंग कर एस.टी.पी. से जोड़ने, लोगों को नालों में कचरा फेकने से रोकने के लिए नालों की दीवारों को ऊचां करने व समस्त नाला क्रॉसिंग को सही करवाने, सीवरेज मैन हॉल्स को सड़क के लेवल में करने और टेण्डर व वर्क ऑर्डर पश्चात कार्यो को समयसीमा के अन्दर पूर्ण करवाने से संबंधित निर्देश प्रदान किये गये।

छात्र-छात्रा व बुजुर्ग में हुई कहासुनी

कोटा, (निसं)। दादाबाड़ी थाना इलाके में एक गार्डन में बैठे छात्र-छात्रा व स्थानीय एक बुजुर्ग के बीच हुई कहासुनी के बाद झगड़े का मामला सामने आया है दोनों पक्षों ने दादाबाड़ी थाने में एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दी है।

पुलिस ने दोनों पक्षों की तरफ से शिकायत लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। दादाबाड़ी थानाधिकारी मागेलाल यादव ने बताया कि दादाबाड़ी स्थित सद्भावना पार्क में छात्र-छात्रा बैठे थे। गार्डन की समिति के एक बुजुर्ग ने उन्हे गार्डन से बाहर जाने को कहा जिस पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई और उसी समय समिति के अन्य सदस्य भी मौके पर पहुंच गये। मामले में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दी है, मामले की जांच की जा रही है। मामले में सामने आया कि दोनों पार्क में बैठकर नीट के पेपर एवं एडमिट कार्ड को लेकर आपस में बात कर रहे थे। उसी दौरान एक व्यक्ति आया और दोनों को पार्क से बाहर निकल जाने को लेकर चिल्लाने लगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त

कोटपूतली-बहरोड़ जिला पुलिस अलर्ट मोड़ पर

कोटपूतली। एक ओर जिले में जहाँ पुलिस द्वारा सघन सर्च अभियान शुरू किया गया है। वहीं विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में जाकर अधिकारी विधार्थियों को भी अलर्ट रहने की अपील कर रहे है। पुलिस का कहना है कि कोई भी संदिग्ध गतिविधि देखे तो उसकी सूचना बेझिझक नजदीकी पुलिस थाने में देवें। इसी क्रम में एएसपी वैभव शर्मा कस्बा स्थित अशोका कोचिंग संस्थान पहुँचे। जहाँ उन्होंने छात्राओं को विभिन्न जानकारी देते हुये बालिका कानूनों के प्रति जागरूक किया। साथ ही छात्राओं को कालिका पैट्रोलिंग यूनिट के बारे में जानकारी देते हुये किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उनसे सम्पर्क करने का तरीका बताया। इस दौरान कोटपूतली एसएचओ राजेश शर्मा, हैड कानि. समशेर सिंह यादव व धर्मपाल भी मौजूद रहे। संस्थान की ओर से निदेशक इंजी. विक्रम कसाना, राजेश चौधरी व योगेश चौधरी ने पुलिस अधिकारियों का आभार जताया। प्रधानाचार्य पूरण कसाना व सुदीप चौधरी ने अधिकारियों का स्वागत किया।

उप कारागृह कोटपूतली का औचक निरीक्षण

कोटपूतली। कस्बे के रामसिंहपुरा रोड़ स्थित उप कारागृह में शनिवार को पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार सघन चैकिंग की गई। उल्लेखनीय है कि कारागृहों में अवैध गतिविधियों की रोकथाम हेतु कारागृहों की समय-समय पर सघन चैकिंग करने के लिये निर्देशित किया गया है। जयपुर रेंज आईजी अजयपाल लाम्बा व एसपी राजन दुष्यंत के निर्देशन एवं एएसपी वैभव शर्मा के सुपरविजन में शनिवार को एसडीएम बृजेश चौधरी की मौजूदगी में डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक के नेतृत्व में स्थानीय थानाधिकारी राजेश कुमार शर्मा मय जाप्ता, पनियाला थानाधिकारी मोहरसिंह मय जाप्ता, सरुण्ड थानाधिकारी बाबूलाल मीणा मय जाप्ता, महिला पुलिस थाना कोटपूतली व रिजर्व पुलिस लाईन के जाप्ते को साथ लेकर समुचित पुलिस बल की तीन टीमें गठित कर औचक निरीक्षण कर जेल में बंद विचाराधीन बंदियो के रहने के लिये बनी बैरिक्स व जेल परिसर की गहनता से तलाशी/चैकिंग की गई।

मंत्री किरोड़ी लाल ने अधीक्षण अभियंता कार्यालय भवन का लोकार्पण किया

कृषिमंत्री डॉ. किरोडीलाल व सांसद मुरारीलाल मीणा ने भवन का फीता काटकर लोकापर्ण किया।

दौसा। राजस्थान के कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा शनिवार को दौसा दौरे पर पहुंचे इस दौरान दौसा में उन्होंने अधीक्षण अभियंता कार्यालय भवन का लोकार्पण किया। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा पर चुटकी लेते मंत्री पद से अपने इस्तीफे पर कहा कि इस्तीफा तो नहीं देता, लेकिन मुरारी लाल मीणा के चक्कर में देना पड़ा। 9 महीने तक अवकाश पर रहा और वनवास भी सांसद मुरारी मीणा के चक्कर में काटा। इस दौरान डॉ. किरोड़ी लाल कांग्रेस पर खूब हमलावर रहे।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि गहलोत सरकार के अंदर सब कुछ लीक हो गया था। पेपर लीक हो गया, पानी लीक हो गया, मैं ज्यादा बताना नहीं चाहता, गहलोत सरकार में सारा ही लीक था। वहां तो घोटालों में भी गड़बड़ हो गई थी। आपने देखा होगा कि गहलोत सरकार में से 18 में से 17 पेपर लीक हो गए, जबकि डेढ़ साल से भजनलाल सरकार काम कर रही। हमारी सरकार में कई पेपर हो चुके हैं। एक भी पेपर लीक करने की किसी की हिम्मत नहीं हुई है। हमारी सरकार ने आरपीएससी और माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को झकझोर कर रख दिया। उन्होने कहा कि मैं अशोक गहलोत की ईमानदारी पर किसी प्रकार का प्रश्न चिन्ह नहीं लगाना चाहता, लेकिन यह दुर्भाग्य है कि जो बच्चा भविष्य के लिए तैयारी कर रहा था, उसका पेपर लीक हो जाए।

कृषि मंत्री डॉ किरोड़ी लाल मीणा ने अपने इस्तीफा मामले पर बोलते हुए कहा कि मैं पिछले 9 माह से अवकाश पर था। दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा ने इस्तीफा भी दिलवाया दिया, वनवास भी कटवा दिया। उन्होने कहा कि मैं इस बात का विश्वास दिलाना चाहता हूं कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ आमजन को मिले, कहीं लीकेज ना हो और किसान के घर तक केंद्र और राज्य सरकार की योजना का फायदा पहुंचना चाहिए। इससे पूर्व कृषि ग्रामीण विकास मंत्री डॉ किरोडीलाल मीणा, दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा, दौसा विधायक दीनदयाल बेरवा ने नवीन अधीक्षण अभियंता जलदाय विभाग के भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया।

आज दोपहर 2 से 5 बजे तक होगी नीट

पावटा। ब्लॉक पावटा में रविवार को मेडिकल कोर्स की नीट परीक्षा दोपहर 2 से 5 बजे तक आयोजित होगी। कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने बैठक में परीक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। परीक्षा के दौरान उड़न दस्ते काम करेंगे। एसडीएम को नोडल अधिकारी बनाया गया है। सभी केंद्रों पर सीएसपी और थाना प्रभारी तैनात रहेंगे। विद्यार्थियों को परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पहले केंद्र पर पहुंचना होगा। परीक्षा केंद्रों में पावटा ब्लॉक की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा, राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा, महात्मा गांधी उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रागपुरा शामिल हैं। परीक्षा कक्ष में किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने की अनुमति नहीं होगी। साथ ही गहने, बेल्ट, कैप, एटीएम कार्ड और अन्य सामान भी प्रतिबंधित रहेंगे। मुख्य द्वार पर पुलिस अधिकारियों द्वारा फिक्सिंग की जाएगी तथा फिक्सिंग के बाद आधार ऑथेंटिकेशन के आधार पर रजिस्ट्रेशन किया जाएगा परीक्षा हेतु परीक्षार्थियों को दो फोटो पासपोर्ट साइज एक फोटो पोस्टकार्ड साइज लानी है जिनमें से एक पासपोर्ट साइज फोटो व एक पोस्टकार्ड साइज फोटो प्रवेश पत्र पर लगेगी एक पासपोर्ट साइज फोटो अटेंडेंस शीट पर लगेगी परीक्षार्थियों को मूल आधार कार्ड लाना होगा।

पीटीईटी के लिये 05 मई तक किया जा सकेगा आवेदन

कोटपूतली। राज्य स्तरीय शिक्षक पात्रता परीक्षा दो वर्षीय बी.एड. पीटीईटी 2025 के लिये आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 05 मई कर दी गई हैं। कोटपूतली-बहरोड़ जिला समन्वयक व राजकीय एलबीएस पीजी महाविधालय के प्राचार्य डॉ. आर. के. सिंह ने बताया कि आवेदन से वंचित रहे अभ्यर्थियों की ओर से ई मेल एवं दूरभाष पर तिथि बढ़ाये जाने के लिये निरंतर निवेदन किया जा रहा था। इसलिये आवेदन का अंतिम अवसर दिया जा रहा है। पीटीईटी परीक्षा में पहली बार अभ्यर्थी की ओर से चयनित भाषा हिंदी या अंग्रेजी में ही प्रश्न पत्र उपलब्ध करवाया जायेगा। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी ध्यानपूर्वक आवेदन पत्र भरना चाहिये। पीटीईटी 2025 की वेबसाईट एवं ई-मित्र से 500 रुपये शुल्क जमा कर आवेदन कर सकते हैं। किसी भी तकनीकी समस्या के समाधान के लिये अभ्यर्थी हैल्पलाईन नम्बरों पर सम्पर्क कर सकते हैं। परीक्षा सभी 41 जिला मुख्यालयों पर आयोजित की जायेगी।

भभूता सिद्ध महाराज मंदिर में 51 कुण्डात्मक श्रीराम महायज्ञ जारी

श्रीमाधोपुर । ग्राम किशोरपुरा स्थित भभूता सिद्ध महाराज मंदिर में चल रहे 9 दिवसीय 51 कुण्डात्मक श्रीराम महायज्ञ के शुभारंभ के दिन आए प्रातः कालीन अंधड़ ने जहां श्रीराम महायज्ञ के लिए लगाए गए पांडाल व टेंट को क्षितग्रस्त किया वहीं यज्ञमंडप को सुरक्षित छोड़ा जो एक अद्भुत चमत्कार से कम नहीं है। जब प्रातः काल 7.15 बजे यज्ञाचार्य पण्डित कैलाश चन्द्र शास्त्री व विद्वान पण्डितों द्वारा पूर्वाह्न में पंचांग पूजा शिखर कलश स्थापना मंडप प्रवेश वास्तु पूजा -अर्चना सम्पन्न हुई और अग्नि प्रज्वलित कर महायज्ञ शुरू किया गया।51 कुंडो पर 101 यजमान जोड़े बैठाए गए।

यज्ञाचार्य के रुप में राजस्थान सरकार संस्कृत विभाग के सेवानिवृत्त वेदाचार्य कैलाश चन्द्र शास्त्री किशोरपुरा, ब्रह्मा रुप अजय कुमार शर्मा सीपुर, उपाचार्य वेदप्रकाश शर्मा एवं सहायकाचार्य सत्यप्रकाश शर्मा की मौजूदगी में यज्ञ-हवन कार्य सुचारू रूप से चलने लगा। प्रधान कुंड पर प्रधान यजमान कल्याण बाडीगर बैठे वहीं प्रत्येक कुंड पर दो-दो यजमान और दो-दो पण्डित ब्रह्मा यज्ञ समापन तक नियुक्त किए गए। यज्ञ सेवा समिति अध्यक्ष रामसिंह यादव के निर्देशानुसार सभी सदस्यों ने व्यवस्था सम्भालने का महत्वपूर्ण कार्य अंजाम दिया। कोषाध्यक्ष रामेश्वर यादव व समिति सचिव सेवानिवृत्त अध्यापक रामकिशोर शर्मा किशोरपुरा का सहयोग सराहनीय रहा।

मंत्री झाबर सिंह खर्रा का भभूता सिद्ध स्मृति चिन्ह (भगवान की फोटो) व दुपट्टा ओढ़ाकर सरपंच तीजादेवी के पति जगदीश प्रसाद यादव व अजीतगढ़ प्रधान एडवोकेट शंकरलाल यादव द्वारा स्वागत -अभिनन्दन-सम्मान किया गया। महायज्ञ स्थल पर अग्निशामक यंत्र, एम्बुलेंस सेवा एवं चिकित्सा सेवा के माकूल इंतजामात देखने को मिले।नर्स सरोज चौधरी ,योग प्रशिक्षक कालूराम नटवाड़िया एवं आयुर्वेद विभाग सीकर की तरफ से डाक्टर कैलाश चन्द्र शर्मा वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी ब्लाक आयुर्वेद अधिकारी अजीतगढ़ की सेवा बदस्तूर जारी रही। मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने यज्ञशाला में चल रही पूजा -अर्चना में भाग लेकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए भगवान से प्रार्थना की।इस अवसर पर डॉ बी एल चौपड़ा, जयराम नटवाड़िया, शिम्भुदयाल पीटीआई, टटेरा सरपंच प्रतिनिधि हरसहाय गुर्जर, रामसिंह कैरल्या, रामेश्वर गुर्जर, रामचंद्र बाडीगर, हनुमान मेहता, शिम्भु खातोलिया, ओमप्रकाश मेहता, रामकिशोर शर्मा, ओमप्रकाश टेलर, पूरणमल यादव, हनुमान सहाय सहित हजारों की संख्या में भक्तगण मौजूद रहे। शनिवार को दूसरे दिन की हवन-पूजा एवं आहुतियों में संत-महात्माओं, जनप्रतिनिधियों, भक्तगणों -श्रद्धालुओं -ग्रामीणजनों का रैला देखने को मिला। मीडिया प्रवक्ता ओमप्रकाश दांतला ने जानकारी दी कि नौ दिवसीय एवं इक्यावन कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ से क्षेत्र में आध्यात्मिक माहौल सा बन गया है ।

विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट प्रदान कर किया सम्मानित

श्रीमाधोपुर। भारतीय दूर संवेदन संस्थान (इसरो) देहरादून के नोडल सेंटर महात्मा गाँधी पी.जी. कॉलेज, श्रीमाधोपुर में इसरो द्वारा आयोजित आउटरीच प्रोग्राम के तहत पांच दिवसीय कार्यक्रम आपदा जोखिम न्यूनीकरण में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग में विद्यार्थी ने नोडल केंद्र पर ऑनलाइन अध्ययन करने के पश्चात ऑनलाइन परीक्षा देखकर सर्टिफिकेट परीक्षा उत्तीर्ण की। उक्त कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर प्राचार्य डॉ वीरेंद्र कुमार सैनी ने बताया कुल 20 विद्यार्थियों को इसरो द्वारा जारी सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया व विधार्थियो के उज्जवल भविष्य की कामना की। भविष्य में भी इसी प्रकार के कार्यक्रम नोडल केंद्र पर आयोजित होते रहेंगे। भारतीय रिमोट सेंसिंग संस्थानदेहरादून की द्वारा संचालित किया जाता है। आईआईआरएस की तरफ से शुरू किए गए कोर्स को रिमोट सेंसिंग के फील्ड में प्रैक्टिकल जानकारी देने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। इसमें मैपिंग, मॉनिटरिंग, लैंडस्लाइड आदि शामिल हैं।

बांग्लादेशियो की धरपकड़ के लिये ईट-भट्टो पर चलाया सर्च अभियान

मालपुरा। बीते दिनो कश्मीर के पहलगाम मे हुये आतंकी हमले के बाद भारत सरकार के कडे रूख एवं गृह मंत्रालय के आदेशो पर शनिवार को पचेवर व लाम्बाहरिसिंह थाना पुलिस ने ईट भट्टो व ग्रेनाईट खदानो पर चलाया सर्च अभियान। पचेवर थाना एएसआई भागचन्द चौधरी के नेतृत्व मे गठित विशेष टीम ने बालापुरा व थडी मे चल रहै ईट भट्टो पर सर्च अभियान चला की छापामार कार्यवाही। पचेवर पुलिस टीम ने ईट भट्टो पर काम करने वाले बाहरी श्रमिको के आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजो की बारीकी से जांच पडताल कर सभी श्रमिको का सत्यापन किया। अभियान मे दोनो ही ईट भट्टो पर नही मिले कोई बांग्लादेशी श्रमिक। सभी के आधार कार्ड, मूलनिवास,जन्मप्रमाण सहित अन्य दस्तावेजो का सत्यापन किया गया। दोनो ही थानो के द्वारा की गई कार्यवाही मे नही मिला कोई बांग्लादेशी।

बालापुरा व थडी मे चल रहै ईट भट्टो पर सर्च अभियान चलाकर छापामार कार्यवाही की ।

बीते दिन अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक मोटाराम बेनिवाल ने मालपुरा व टोडारायसिंह वृत्त क्षेत्र के थानाधिकारियो की क्राईम बैठक ले बांग्लादेशियो की जांच व धरपकड के लिये अभियान चलाये जाने के निर्देशो पर शनिवार को की गई दबिश की कार्यवाही।

सुत्रो की माने तो मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र मे बडी तादात मे चल रही ग्रेनाईट की खदानो व शहर के रिको ओधोगिक क्षेत्र मे ऑयल मील, पत्थर फैक्ट्री इत्यादि पर बडी संख्या मे बाहरी श्रमिक कार्य कर रहै है। यहां तक की शहरी व ग्रामीण क्षेत्रो मे ऐसे बाहरी लोग रह रहै है। जिनका ना ही इनके दस्तावेजो की जांच पडताल की गई। ऐसे मे लम्बे समय से यह बाहरी लोग यहां रह रहै है। जो कि क्षेत्र मे शांति एवं कानून व्यवस्था सहित सुरक्षा पर कोई विपरीत प्रभाव डालने का अंदेशा है।

गिवअप अभियान को लेकर में जागरूकता अभियान की शुरुआत

शाहपुरा। राज्य सरकार के गिव अप अभियान को लेकर रसद विभाग के शाहपुरा प्रवर्तक कार्यालय द्वारा शनिवार से जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई। जिसके तहत लोगों को रिक्शे, टम्पो से साउंड ऑडियो सिस्टम के द्वारा जागरूक किया जा रहा है। प्रवर्तन अधिकारी राजेश कुमार टांक ने बताया कि खाद्य व नागरिक आपूर्ति विभाग ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में चयनित सक्षम व्यक्तियों का स्वैचछा से नाम हटाने के लिए गिव अप अभियान शुरू किया है। इस अभियान से सक्षम लोगों के हटने से गरीब और जरूरतमंद लोगों को राशन मिल सकेगा। सूची से नाम हटाने के लिए लोगों को अपना प्रार्थना पत्र नजदीकी उचित मूल्य की दुकानदार को दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा योजना में अपात्र परिवारों की पहचान कर उन्हें नोटिस दिए जाने की तैयारी की जा रही है। ऐसे परिवार जो स्वैच्छा से यह लाभ छोड़ देते हैं तो उनके विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। वही नोटिस जारी होने के पश्चात यदि कोई परिवार अपना लाभ छोड़ भी देता है तो उसे राशन कार्ड पर उठाए गए समस्त गेहूं की बाजार मूल्य पर नियम अनुसार वसूली की जाएगी। इस अभियान में आयकर दाता,चार पहिया वाहन, सरकारी व अद्ध गैर सरकारी सेवा, 1लाख से अधिक आय वाले व्यक्ति,स्वामित्व में 200 वर्ग गज का पक्का मकान आदि को अपना नाम हटाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि सरकार ने गिवअप अभियान की तिथि को 30 अप्रैल से बढ़कर 31 मई कर दी है। उन्होंने कहा कि जागरूकता अभियान का मकसद लोगों को जागरूक करना है ताकि अपात्र खुद ही अपना नाम खाद्य सूची से हटा लेवे। जागरूकता अभियान रिक्शे से माध्यम से शाहपुरा ब्लॉक के सभी गांवों में चलाया जाएगा।

कलेक्टर ने अलवर के गांव डेहरा में रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की सुनी समस्यएं

अलवर। जिला कलक्टेर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने अलवर उपखण्ड के ग्राम कस्बा डेहरा में आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की परिवेदनाओं को सुना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि रात्रि चौपाल में प्राप्त परिवेदनाओ का त्वरित निस्तारण कर आमजन को राहत पहुंचाए।

जिला कलेक्टर ने रात्रि चौपाल में ग्राम कस्बा डेहरा सहित आस-पास के क्षेत्र से आये ग्रामीणों से पेयजल, विद्युत, पुलिस, स्वास्थ्य, रसद, आंगनबाडी सेवाओं, सामाजिक न्याय व अधिकारिता, मनरेगा सहित अन्य विभागों की सेवाओं का फीडबैक लिया। जनसुनवाई आने वाली परिवेदनाओं को जिला कलेक्टर ने सुनकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनसुनवाई में प्राप्त परिवेदनाओं का त्वरित निराकरण करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परिवेदनाओं के निराकरण कि सूचना परिवादी को दी जाये तथा इसकी रिपोर्ट भिजवाये।

रात्रि चौपाल जनसुनवाई में शिकायत पर अधिकारियों से जानकारी लेते कलेक्टर डॉ अर्तिका।

- पीएचसी गांव में स्वीकृत है पर बनाने लिए भूमि नहीं है, गांव वालों ने कलेक्टर को दिया भूमि उपलब्ध कराने का भरोसा

रात्रि चौपाल में सीएमएचओ ने अवगत कराया कि ग्राम कस्बा डेहरा में पीएचसी स्वीकृत है किन्तु सरकारी भूमि उपलब्ध नहीं होने के कारण भवन का निर्माण नहीं हो पा रहा है। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर मुकेश कायथवाल, यूआईटी की सचिव धीगदे स्नेहल नाना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रियंका, उपखण्ड अधिकारी यशार्थशेखर, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता दिनेश कुमार वर्मा, पीडब्लूडी के अधीक्षण अभियंता भूरी सिंह, सीएमएचओ डॉ. योगेंद्र शर्मा, डीएसओ विनोद जुनेजा, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पी सी मीणा,तहसीलदार रश्मि शर्मा, नायब तहसीलदार अशोक शर्मा सहित संबंधित अधिकारी एवं सरपंच भीम सिंह जोरवाल व बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे ।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.urban.rajasthan.gov.in
क्रमांक/ज.वि.प्रा./उपा./जोन-4/2025/डी-5464 दिनांक 30/04/2025
सार्वजनिक सूचना/विज्ञप्ति
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री अश्वनी कुमार कल्ला पुत्र डॉ. बुलाकी दास कल्ला द्वारा गोकुल वाटिका गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना गोकुल वाटिका के भूखण्ड संख्या सी-19 का नाम हस्तान्तरण पत्र जारी करवाने हेतु ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण में पूर्व में इस कार्यालय द्वारा गोकुल वाटिका गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना गोकुल वाटिका के भूखण्ड संख्या सी-19, क्षेत्रफल 392.45 वर्गगज का पटटा श्री सूरज नारायण व्यास पुत्र श्री गंगादास व्यास के पक्ष में क्रमांक 932 दिनांक 03.05.2007 को जारी किया गया, जिसे उप पंजीयक जयपुर-प्रथम, पंजीयन एवं मुद्रांक जयपुर प्रथम के यहां दिनांक 03.05.2007 को पंजीबद्ध करवाया गया। श्री सूरज नारायण व्यास पुत्र श्री गंगादास व्यास द्वारा मृत्यु से पूर्व पंजीकृत वसीयत 06.07.11 के आधार पर उक्त भूखण्ड की वसीयत अपने दोहित श्री अश्वनी कल्ला पुत्र श्री बुलाकी दास कल्ला के पक्ष में की गयी। उक्त संबंध में आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र एवं दस्तावेजों के आधार पर आवेदक के पक्ष में उक्त भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण पत्र जारी करने की कार्यवाही करने के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, हितधारी, संस्था को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को इस सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिवस में प्रस्तुत कर देवें। नियत अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर आवेदक के पक्ष में नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।
उपायुक्त जोन-4, जविप्रा, जयपुर

नाम परिवर्तन

I Bijeram gurjar S/O Ramjilal gurjar resident of murlipura dantli jagatpura district jaipur that i have changed my name from BIJERAM GURJAR Which is Wrongly entered in my bank account but correct name is TO VIJAY LAL GURJAR in future called me VIJAY LAL GURJAR For All purposes

I Radha devi is legally wedded spouse of Army no 13908813F Ex Nk Late Babu Lal Sharma resident of flat no G-2 plot no 16 Chitrakoot colony gayatri nagar A sanganer Jaipur that i have changed my name from RADHA DEVI which is wrongly entered in my husband service record To RADHA RANI SHARMA vide affidavit dated 30 April 2025 before district notary Jaipur

I Tulchha Ram S/o Khinya Ram R/o 193, Rado Ka Bass, Mirdha Bhavan, Nandiya Khurd, Jodhpur, Rajasthan-342037, have changed my name to Tanmay Mirdha

I Asha Devi Arora W/o Kasturi Lal R/o House No-1/203, Mukta Prasad Nagar, Bikaner, Rajasthan - 334004, have changed my name to Asha Devi Juneja

खोया-पाया

प्लाट न. A-21, गोल्डन एन्क्लेव, टोंक रोड, निमोडिया मोड, चाकसू, क्षेत्रफल 200, श्री खाटूश्याम बिल्डस्टेट्स, प्रा.लि. सोसायटी, जयपुर द्वारा आवंटित के मूल दस्तावेज, आवंटन पत्र, रसीद, साइट प्लान, आदि खो गए है। मिलने पर सूचित करे :- ताराचंद कोठारी पुत्र मोहनलाल कोठारी, डी-37, सुभाष मार्ग, सी-स्कीम, 9351312020

मेरा एक बैग जिसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा शास्त्री नगर, जयपुर खाता संख्या 61034413415 के जारी हस्ताक्षरित चैक संख्या 380302 से 380306, 380309 से 380311, 775715 से 775717, पास बुक और अन्य दस्तावेज दिनांक 01.05.2025 को रास्ते में कहीं गिर गये। मिलने पर सूचित करें : पवन कुमार 7229991926, 9929538674

मेरा राजस्थान हाउसिंग बोर्ड जयपुर के नाम से PNB, सैक्टर-17, प्रताप नगर, जयपुर का DDN.-084710, कहीं गुम हो गया है । मिलने पर सम्पर्क करें :- REENA DEVI SAIN - 9772861707

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती मनभर पत्नी स्व. श्री रामवतार साहू, निवासी 1472, ठनियारों का रास्ता, गुलाब बाड़ी, पुरानी बस्ती, जयपुर के पांच पुत्र है, जिनमें से एक पुत्र राहुल मेरी अभिभाष्या के कहे में नहीं है। राहुल आये दिन लोगों से कर्जा लेता है, तथा लड़ाई झगड़ा करता है, जिसके कारण लोग मेरी अभिभाष्या को कर्जा चुकाने एवं उसके खराब आचरण एवं व्यवहार के लिए उलाहना देते है, एवं कर्जा चुकाने के लिए मजबूर करते है तथा राहुल आये दिन आत्महत्या करने तथा झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकियां देता है। इसलिए मेरी अभिभाष्या एवं मेरी अभिभाष्या का परिवार राहुल के द्वारा किये जाने वाले किसी भी कार्य संव्यवहार के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
जयपुर — सतीश सैनी, एडवोकेट
दिनांक 2.5.2025 — मो. नं. 9828837837

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक फ्लैटनम्बर एफ-2, फर्स्ट फ्लोर, प्लाट नं. 40 "ऐश्वर्या हाईट्स" योजना सूर्या विहार, नियर सिद्धार्थ नगर-एच, मोहनपुरा, जयपुर में स्थित है। जिसका सुपर बिल्टअप एरिया 1300 वर्गफीट है, यह कि उक्त सम्पत्ति को नेहा केशवानी ने M/s PKG Fin Stock Pvt. Ltd. जरिये अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता अशोक जैन, सतीश अग्रवाल एच.यू.एफ. जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 30.06.2017 के द्वारा क्रय कर लिया, तत्पश्चात् नेहा केशवानी का स्वर्गवास दिनांक 09.11.2019 को हो गया। नेहा केशवानी के स्वर्गवास के बाद उनके विधिक व कानूनी उत्तराधिकारियों/वारिसान में उनके पति श्री घनश्याम केशवानी एवं उनके दो पुत्र श्री गौतम केशवानी और श्री गौरव केशवानी उक्त वर्णित सम्पत्ति में अपने-अपने हिस्से के संयुक्त रूप से मालिक, काबिज, स्वामी व अधिकारी हुए। तत्पश्चात् गौतम केशवानी व गौरव केशवानी ने अपने अपने अविभाजित हिस्से को जरिये पंजीकृत हक त्याग दिनांक 10.02.20220 द्वारा घनश्याम केशवानी के हित में हक त्याग कर दिया, इस प्रकार घनश्याम केशवानी उक्त सम्पत्ति का एकमात्र मालिक, स्वामी, काबिज व अधिकारी है। घनश्याम केशवानी द्वारा उक्त सम्पत्ति पर एच.डी.एफ.सी. बैंक लि. से ऋण प्राप्त किया जा रहा है, उक्त सम्पत्ति बाबत् यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, बैंक, वित्तीय संस्था, सगे सम्बन्धी या अन्य कोई वारिसान, जनसाधारण, इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति, एतराज हो तो इस सूचना के प्रकाशन से सात दिवस की अवधि में मुझसे व्यक्तिगत रूप से मेरे निम्नलिखित ऑफिस पते पर अपनी आपत्ति/ऐतराजात मय असल दस्तावेज सहित व्यक्त करें, उक्त अवधि गुजर जाने के पश्चात् किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा न्यायालय में शून्य व निरस्त समझी जायेंगी।
B.C. Shankla Advocate
Rajasthan High Court, Jaipur
Off. Add.- B-21, Chitrakoot Stadium, Vaishali Nagar, Jaipur
Mob. 9829063273

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर:- DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/242
चूंकि प्रार्थी श्र राजेंद्र कुमार यादव, ढाणी शयमावाला खोजावाला मोड़ प्रतापपुरा मोहनपुरा तह. शाहपुरा जिला जयपुर राज. 303103 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अंतर्गत प्रन्यास भाग्योदय सेवा संस्था, ढाणी शयमावाला खोजावाला मोड़ प्रतापपुरा मोहनपुरा तह. शाहपुरा जिला जयपुर राज. 303103 के संबंध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 30-04-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइदा तारीख पेशी 04/07/2025
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 19(2) के अधीन नोटिस
समस्त संबंधित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 51/2025
चूंकि श्री गुरूबचन सिंह पुत्र श्री प्रभू सिंह निवासी ग्राम पालपुर, तहसील हरसौली, जिला खैरथल-तिजारा ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अंतर्गत मंदिर जय मां शक्ति बीबीरानी धर्मार्थ ट्रस्ट, ग्राम पालपुर, तहसील हरसौली, जिला खैरथल-तिजारा के संबंध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के संबंध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 02.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइदा तारीख पेशी 8.7.2025
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग, जयपुर

कार्यालय उपायुक्त (मुरलीपुरा जोन), नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
क्रमांक: मु.पु. जोन / न.नि.ग्रे.ज. / 2025/ 119
सार्वजनिक सूचना दिनांक: 24.04.25
भूखण्ड सं. 64 योजना, आनन्द बिहार बी-बैनाड़ रोड झोटवाड़ा जयपुर का आवेदक श्री योगेश कुमार अग्रवाल पुत्र श्री दिनेश कुमार अग्रवाल द्वारा शपथ पत्र (अण्डरटेकिंग), जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर भूमि पट्टा विलेख मय साइट प्लान की फोटो प्रति, एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर स्वयं के नाम क्षेत्रफल 120 वर्गगज का नाम हस्तान्तरण चाहा गया है। आवेदक द्वारा उपलब्ध करायें गये दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का श्री योगेश कुमार अग्रवाल पुत्र श्री दिनेश कुमार अग्रवाल को नाम हस्तान्तरण जारी किया जाना है। उक्तभूखण्ड के नाम हस्तान्तरण जारी बावत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार पट्टे की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी ।
उपायुक्त, मुरलीपुरा जोन, नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4)
न्यायालय सिविल न्यायाधीश महोदय, स्थान-हिण्डौनसिटी
आम जनता मुस्लिम समाज आदि विरूद्ध भूपेन्द्रसिंह आदि प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा प्रा. संख्या-14 सन् 2025 बनाम नरेन्द्र मित्तल पुत्र महेशचन्द, जाति महाजन, निवासी मोहन नगर, हिण्डौनसिटी, तहसील हिण्डौनसिटी जिला करौली (राजस्थान)। उक्त सायलान ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि आपके विरूद्ध सम्पत्ति विभाजन एवं स्थायी निषेधाज्ञा का दावा व उसके साथ में प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा का पंजीयत किया है। अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन कि विरूद्ध हेतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 05 माह 05 सन् 2025 को दिन में 7.30 ए.एम. बजे पूर्वान्ह में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक अनुदेश किया गया हो, उप संजात हों। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जायेगा। यह आज ता. 02 माह 5 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है। आज्ञा से- रीडर
(मुहर) सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट हिण्डौनसिटी, (करौली)

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय सिविल न्यायाधीश महोदय, स्थान-हिण्डौनसिटी
आम जनता मुस्लिम समाज आदि विरूद्ध भूपेन्द्रसिंह आदि
दावा बावत हुक्मइम्तनाई दवामी इन मेंडेटरी फार्म वाद संख्या-33 सन् - 2025 बनाम नरेन्द्र मित्तल पुत्र महेशचन्द, जाति महाजन, निवासी मोहन नगर, हिण्डौनसिटी, तहसील हिण्डौनसिटी, जिला करौली (राजस्थान)।
वादीगण ने आपके विरूद्ध हुक्मइम्तनाई दवामी इन मेंडेटरी फार्म का वाद पंजीयत किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 05 माह 05 सन् 2025 को दिन में 7.30 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिवादे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद ता. 02 माह 05 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
(मुहर) आज्ञा से- रीडर
सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, हिण्डौनसिटी (करौली)

प्रारूप-10
(नियम 6(7) देखिए)
प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगर पालिका मंडल, फुलेरा
क्रमांक :- न.पा.फु./2025/299 — दिनांक : 2.5.25
लोक सूचना
श्री कृष्णचंद्र पुत्र श्री लक्ष्मण, निवासी श्रीराम नगर फुलेरा तहसील फुलेरा, जिला जयपुर (राज.) ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है अर्थात

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र उपयोग	चाहा गया
तहसील फुलेरा जिला जयपुर राज.	राजस्व ग्राम फुलेरा,	खसरा नम्बर 1444/981 रकबा 0.6639 हैक्टेयर	6639 वर्गमीटर	आवासीय प्रयोजन

इस लिए, इसके द्वारर समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनां के लिए भूमि के उपयोगार्थ हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 2.5.25 को जारी की गयी।
अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका मंडल, फुलेरा

राजस्थान आवासन मण्डल
हमारा प्रयास - सबको आवास
जयपुर, जोधपुर, भीलवाड़ा, कोटा, बांसवाड़ा, बाड़मेर
50% तक की छूट
कैम्प में निर्मित आवास एवं फ्लैट खरीदने का
सुनहरा अवसर
स्थल: बाड़मेर — मगरा आवासीय योजना — 06.05.2025 से 07.05.2025
स्थल: छबड़ा — छबड़ा आवासीय योजना — 20.05.2025 से 21.05.2025
स्थल: चौमहेला — आवासीय योजना चौमहेला — 06.05.2025 से 07.05.2025
स्थल: भीलवाड़ा — सुवाना आवासीय योजना — 20.05.2025 से 21.05.2025
स्थल: महला — महला आवासीय योजना — 06.05.2025 से 07.05.2025
स्थल: मंगरोल — मंगरोल आवासीय योजना — 20.05.2025 से 21.05.2025
स्थल: जोधपुर — विवेक विहार आवासीय योजना — 13.05.2025 से 14.05.2025
स्थल: परतापुर — परतापुर आवासीय योजना — 27.05.2025 से 28.05.2025
स्थल: जोधपुर — कुड़ी भगतासनी आवासीय योजना — 13.05.2025 से 14.05.2025
स्थल: नैनवा — नैनवा आवासीय योजना — 27.05.2025 से 28.05.2025
स्थल: छीपाबड़ोद — छीपाबड़ोद आवासीय योजना — 13.05.2025 से 14.05.2025
*उपरोक्त आवास 'जहाँ/जैसी स्थिति में है' आवंटित किये जायेंगे।
राज.संवाद/सी/25/1709
विस्तृत विवरण के लिए आवासन मण्डल की वेबसाइट rhb.rajasthan.gov.in देखें।
हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 2740009,
कार्यालय समय उपरान्तः 9461054291/92/319 एवं 9460254319, 6376868696 या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन (9828363615) से सम्पर्क करें।
आवासन आयुक्त

संक्षिप्त

निःशुल्क हृदय रोग जांच शिविर आज

श्रीमाधोपुर। रोटरी क्लब श्रीमाधोपुर और खंडेलवाल हार्ट इंस्टीट्यूट जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में कल रविवार 4 मई को चौधरी नाथूराम भामू रोटरी भवन में निःशुल्क हृदय रोग जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर संयोजक डॉ. माधव सिंह ने बताया कि शिविर में वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय खंडेलवाल, जनरल फिजिशियन डॉ. मुकेश यादव और हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. रूपक सिंह मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श देंगे। शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित होगा। शिविर में ईसीजी, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और पीएफटी की जांच भी निःशुल्क की जाएगी। डॉ. सिंह ने क्षेत्रवासियों से अधिकाधिक संख्या में शिविर का लाभ उठाने का आव्हान किया है।

गुमशुदा युवक का नही मिला सुराग

मालपुरा। बीते दिनो 29 अप्रेल को केकडी मे आयोजित माली समाज के सामुहिक विवाह सम्मेलन मे गये मालपुरा शहर के पुरानी तहसील मालियो का मोहल्ला निवासी कैलाश पुत्र श्योजीराम सैनी सामुहिक विवाह सम्मेलन से गुम हो गया था। परिजनो द्वारा लगातार युवक की तलाश के बावजूद 4 दिनो के बाद भी युवक का नही लगा कोई सुराग। परिवारजनो की और से मालपुरा व केकडी थाने मे गुमशुदगी का मामला दर्ज करवा अजमेर, किशनगढ, देवली, भीलवाडा, सांवर सहित अनेक शहरो मे गुमशुदा युवक की फोटो सार्वजनिक स्थानो पर चस्पा की गई तो सोशल मिडिया पर भी युवक कैलाश सैनी की फोटो लगातार वायरल की जा रही है। मानसिक रूप से मंदबुद्धि युवक कैलाश ठीक से बोलना व अपने घर का पता बताने मे असक्षम है। परिजनो ने 946०76०382, 9828269844, 9828297177 मोबाईल नम्बर भी वायरल किये है।

अवैध बजरी करते दो ट्रेक्टर- ट्रोली जब्त

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के द्वारा अवैध खनन व परिवहन के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के निर्देशन में देवेन्द्र सिंह वृत्ताधिकारी देवली व घाड थानाधिकारी हरिराम वर्मा के नेतृत्व मे गठित टीम ने कार्यवाही करते ग्राम बेलहडी में दर्रा के पास से एक ट्रेक्टर-ट्रोली को अवैध पत्थर का परिवहन करतें ट्रेक्टर-ट्रौली को जप्त किया है। इसी प्रकार राजेश विद्यार्थी वृताधिकारी टोंक व थाना सदर टोंक थानाधिकारी जयमल सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने दौराने गश्त एक ट्रेक्टर मय ट्रोली को अवैध बजरी परिवहन करते जप्त किया जाकर चालक के खिलाफ एमएमडीआर एक्ट मे प्रकरण दर्ज किया जाकर अनुसंधान जारी है।

बेजुबान पक्षियों के लिए लगाये परिंडे

टोंक। राष्ट्रीय मीना महासभा टोंक जिलाध्यक्ष बीएल मीना ककोड़ क्षैत्र में जगह जगह परिंडे लगाकर सभी लोगो से आग्रह की गर्मियों के सीजन में कई बार पक्षी भूख-प्यास से व्याकुल होकर उड़ते हुए गिर जाते हैं, और उनकी मृत्यु तक हो जाती है। इस स्थिति से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति आगे आए और अपने घर-कार्यालय पर परिंडे लगाकर उनमें दाना-पानी की व्यवस्था करें जहां पक्षियों की आवाजाही अधिक रहती है। वहां पेड़ों पर परिंडे लगाने, दाने के लिए पात्र रखवाने तथा पशुओं के लिए खेलियां रखवाकर उनमें प्रतिदिन पानी की व्यवस्था करनी चाहिए थाकि गर्मियों में उनकी प्यास बुझा सके।

दिनदहाड़े तालाब वाले हनुमान मंदिर में चोरी

कोटपूतली। कस्बे के पंचायत समिति के सामने स्थित तालाब वाले हनुमान मंदिर में अज्ञात चोरों द्वारा दिन दहाड़े बालाजी महाराज का चाँदी का मुकुट सहित अन्य सामग्री चुरा ले जाने का मामला सामने आया है। इस सम्बंध में मंदिर के पुजारी देवेन्द्र शर्मा ने रिपोर्ट दी है कि वह रोजमर्रा की तरह शनिवार 03 मई की दोपहर करीब 01 बजे मंदिर के पट बंद कर ताला लगाकर घर चला गया था। संध्या आरती के लिये करीब 04 बजे मंदिर खोलने आया तो मंदिर का गेट व ताला टुटा हुआ था एवं वहां पर हनुमान जी महाराज की मूर्ति से 02 चाँदी के मुकुट व 05 चाँदी के छत्र मय चैन गायब मिले। आसपास कुछ लोगों से पुछताछ की लेकिन इस बाबत कोई जानकारी नहीं मिली। पुजारी को शक है कि उक्त सामग्री कोई अज्ञात चोर पार कर ले गया। इस सम्बंध में थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है।

पेयजल योजनाओं के कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध पूर्ण करावे : मंत्री कन्हैया लाल

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने अलवर एवं खैरथल-तिजारा जिले की पेयजल व्यवस्था की समीक्षा बैठक ली।

अलवर। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल विभाग मंत्री कन्हैयालाल चौधरी की अध्यक्षता में शनिवार को मिनी सचिवालय स्थित कलक्ट्रेट सभागार में जलदाय विभाग के अधिकारियों के साथ अलवर एवं खैरथल-तिजारा जिले की पेयजल व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा सहित अधिकारी जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री चौधरी ने अलवर जिले की पेयजल व्यवस्था तथा परियोजनाओं व कार्यों की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि इनकी क्रियान्विति निर्धारित मापदंड के अनुरूप पूर्ण गुणवत्ता के साथ तय समय में करवाना सुनिश्चित करें। साथ ही पेयजल संबंधी कार्यो की अधिकारी प्रो-एक्टिव रहकर कार्य के प्रारंभ से अंत तक नियमित एवं प्रभावी मॉनिटरिंग करें। उन्होंने ग्रीष्म ऋतु में विभिन्न मदों में स्वीकृत हैंडपम्प और ट्यूबवैल के कार्य त्वरित गति से कराते हुए यथाशीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने राज्य सरकार द्वारा पेश किए गए बजट में अलवर की पेयजल समस्या के समाधान हेतु विभिन्न घोषणाओं को समयबद्ध रूप में धरातल पर क्रियान्विति कराने,लड्डूख्वास की बगीची में तालाब निर्माण कार्य व जल संरक्षण हेतु भूरा सिद्ध मंदिर के आस-पास के क्षेत्र के जल को संरक्षित करने के लिए एनीकट बनाने के लिए जलदाय मंत्री को अवगत कराया। जिला कलेक्टर अलवर डॉ. आर्तिका शुक्ला एवं खैरथल-तिजारा जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने जलदाय मंत्री को विश्वास दिलाया कि बैठक में किए गए निर्देशों की समयबद्ध रूप से पालना सुनिश्चित कराई जाएगी।

> ■ 'लापरवाही बरतने वाले अधिकारी व कर्मचारियों के बारे में अवगत करावे कार्रवाई करेंगे'

अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता भवानी सिंह शेखावत ने बताया कि अलवर शहर में वर्तमान समय में 340 नलकूप स्त्रोतों से 31 एमएलडी पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है। पानी की मांग के अंतराल को पूर्ण करने के लिए स्वीकृत 69 ट्यूबवेलों में से 30 ट्यूबवलों को चालू करा दिया गया है।

बैठक में विधायक सुखवंत सिंह, रमेश खिंची, देवीसिंह शेखावत, जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता व महासिंह चौधरी, एडीएम प्रथम मुकेश कायथवाल, पूर्व मंत्री हेमसिंह भडाणा, पूर्व विधायक रामहेत यादव व जयराम जाटव, बन्नाराम मीणा, अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता जयपुर ललित करोल, अधीक्षण अभियन्ता रमेश चंद सैनी, दिनेश वर्मा व धर्मवीर सिंह, विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता सुधीर पाण्डे, जल संसाधन विभाग के अधिशाषी अभियन्ता संजय खत्री सहित जलदाय विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

निःशुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर की तैयारियां शुरू

श्रीमाधोपुर । जिला अंधता निवारण समिति जयपुर के आर्थिक सहयोग व रोटरी क्लब श्रीमाधोपुर सनराइज तथा राजेन्द्र प्रसाद कयाल की देखरेख में शंकरा आई हॉस्पिटल, जयपुर द्वारा 7 मई को श्रीमाधोपुर के चौधरी नाथूराम भामु रोटरी भवन में "68 वां निःशुल्क मोतियाबिंद जांच और लैंस प्रत्यारोपण शिविर" का आयोजन किया जाएगा। रोटरी क्लब के गिरिराज कयालने बताया कि सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक आयोजित होने वाले इस शिविर में मरीजों के आंखों की जांच की जायेगी तथा इनमें से चयनित मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन और लैंस प्रत्यारोपण के लिए शंकरा आई हॉस्पिटल जयपुर बस से रेफर किया जाएगा। जहां चयनित मरीजों का निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। साथ ही चयनित मरीजों के आने-जाने कि व्यवस्था से लेकर मरीजों के खानपान व रहने की व्यवस्था निःशुल्क की जाएगी।

ईसरदा बांध का 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण, इस मानसून में होगा जल संग्रहण

टोंक। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश के हर छोर तक सुचारू पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कर रहे है, इसी क्रम में सवाई माधोपुर और दौसा जिले में पेयजल आपूर्ति की दृष्टि से महत्वपूर्ण ईसरदा बांध का निर्माण कार्य मिशन मोड़ पर किया जा रहा है, बांध के निर्माण का 90 फीसदी कार्य पूर्ण हो चुका है। बांध के पियर्स एवं गेटों का कार्य पूरा हो चुका है, मिट्टी के बांध का आंशिक कार्य ही शेष है, अर्थन डैम एवं कॉक्रीट स्पिलवे का कार्य 15 जून तक पूर्ण किये जाने का प्रयास है। इसी के तहत शनिवार को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए सावंत ने ईसरदा बांध परियोजना के निर्माण कार्य, फिल्टर प्लांट साइट के कार्यो का निरीक्षण किया। साथ ही, विभागीय अभियंताओं को कार्य प्रगति को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उपखंड अधिकारी उनियारा शत्रुघन गुर्जर, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजसिंह, अधीक्षण अभियंता टोंक राजेश गोयल, बीसलपुर परियोजना के अधीक्षण अभियंता मनोज सिंह, ईसरदा बांध के अधीक्षण अभियंता विजय शर्मा, अधिशाषी अभियंता विकास गर्ग, सहायक अभियंता अभिषेक लसाड़िया समेत अन्य मौजूद रहे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव सावंत ने किया बांध का निरीक्षण।

बीसलपुर बांध के डाउन स्ट्रीम में ग्राम बनेठा (तहसील उनियारा) टोंक के पास बनास नदी पर बनाया जा रहा है। इसका निर्माण दो चरणों में किया जाना है।

प्रथम चरण में डैम का निर्माण पूर्ण भराव स्तर 262 आरएल मीटर (भराव क्षमता 10.77 टीएमसी) तक पूर्ण किया जाएगा। इसमें पानी का भंडारण 256 आरएल मीटर भराव क्षमता 3.24 टीएमसी है। दूसरे चरण में बांध में पूर्ण भराव क्षमता 262 आरएल मीटर तक पानी संग्रहित हो सकेगा। आगामी मानसून के दौरान बांध में जल संग्रहित किया जा सकेगा, इसके बाद दौसा के 1 हजार 79 ग्राम और 5 शहरों तथा सवाई माधोपुर के 1 शहर तथा 177 गांवों में पेयजल की सुचारू आपूर्ति हो सकेगी। यह परियोजना जल संकट समाधान के साथ बीसलपुर बांध के अधिशेष पानी और बनास नदी के बारिश के जल का कुशल प्रबंधन भी सुनिश्चित करेगी।

पहलगाम हमलों के बाद पुलिस का सघन तलाशी अभियान जारी

कोटपूतली। जम्मु कश्मीर के पहलगाम में हुये आतंकी हमलों में निर्दोष नागरिकों की हत्या के घृणित घटनाक्रम के बाद राजस्थान सरकार व पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार कोटपूतली-बहरोड़ जिला पुलिस द्वारा भी एसपी राजन दुष्यंत के नेतृत्व में जिले भर में सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया है। अभियान के शुरूआती चरण में ही जहाँ पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे करीब 43 बांग्लादेशियों को डिटेन किया है। वहीं अभी तक जिले के सभी थानों में 01 हजार से अधिक संदिग्धों के कागजात जाँचे जा चुके है। एसपी दुष्यंत ने बताया कि प्रदेश भर में राजस्थान पुलिस अलर्ट मोड़ पर है। जिसके चलते कोटपूतली-बहरोड़ जिले में भी अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों, रोहिंग्याओं समेत पाकिस्तान आदि अन्य देशों के संदिग्धों की पहचान कर डिटेन की कार्यवाही शुरू की गई है। इसके चलते जिले के सभी थानों में विशेष अभियान शुरू किया गया है। एसपी दुष्यंत के निर्देश पर थानाधिकारियों ने अपने अपने क्षेत्र में रह रहे अवैध बांग्लादेशियों के कागजात जाँच करने का कार्य शुरू करते हुये उन्हें डिटेन करने की कार्यवाही शुरू की है।

> ■ अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी व रोहिंग्या नागरिकों की पहचान शुरू

पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे 43 बांग्लादेशियों को डिटेन किया।

इसी क्रम में बहरोड़ थाने के एसएचओ विक्रांत शर्मा के नेतृत्व में पुलिस ने 07 बांग्लादेशियों मय 01 नाबालिग, शाहजहांपुर थाना एसएचओ मनोहर मीणा के नेतृत्व में पुलिस ने 31 बांग्लादेशियों मय 06 नाबालिग व नीमराणा एसएचओ राजेश कुमार मीणा के नेतृत्व में 05 बांग्लादेशियों मय 01 नाबालिग को डिटेन किया है। इस प्रकार थाना पुलिस ने करीब 43 बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें बहरोड़ स्थित डिटेंसन सैंटर में रखा है। एसपी दुष्यंत ने बताया कि इन सभी बांग्लादेशियों के निष्कासन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसी प्रकार सरूण्ड थाना क्षेत्र में अभी तक करीब 250 संदिग्धों के कागजात जाँचे जा चुके है। एसएचओ बाबूलाल मीणा ने बताया कि विभिन्न क्रेशर प्लांटों पर करीब 250 लोगों के दस्तावेज जाँचे गये है। थाना क्षेत्र में अभी तक अवैध रूप से रह रहा कोई भी बांग्लादेशी नागरिक नहीं मिला है। पुलिस लगातार सर्च अभियान चला रही है। जिले भर में पुलिस आईटी का सहारा लेकर भी संदिग्ध बांग्लादेशियों की पहचान करने व रिकॉर्ड खंगालने की कार्यवाही कर रही है।

सात दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा 5 मई से

पावटा। पावटा कस्बा स्थित श्री नरसिंह मंदिर में ज्ञानदास महाराज, मंगलदास महाराज, मोहनदास महाराज, जयरामदास महाराज, राधा मोहन दास महाराज के सान्निध्य में समस्त ग्रामवासियों की सुख-समृद्धि और मंगल कामना के लिए आयोजित श्री शिव महापुराण कथा का शुभारंभ 5 मई सोमवार से दोपहर 1 बजे से सायं 5 बजे तक हो रहा है। यह धार्मिक आयोजन 11 मई 2025 रविवार तक चलेगा। इस आयोजन में वृंदावन के प्रसिद्ध कथावाचक पंडित श्रीकृष्ण गोपाल सुवेदी महाराज अपनी अमृतमयी वाणी से भगवान शिव की लीलाओं और शिक्षाओं का भक्तिमय प्रवाह करेंगे।

श्री शिव महापुराण कथा का शुभारंभ पावटा सुभाष चौक स्थित केशव सागर धर्मशाला से भव्य कलश शोभायात्रा के साथ होगा। भव्य कलश शोभायात्रा 5 मई सोमवार सुबह पावटा कस्बा सुभाष चौक स्थित केशव सागर धर्मशाला ठाकुर जी मंदिर से प्रारंभ होकर कथा स्थल श्री नरसिंह मंदिर पहुंचेगी। जहां कथावाचक पंडित श्रीकृष्ण गोपाल सुवेदी महाराज द्वारा 5 मई सोमवार को शिव महात्म्य, शिव पूजन रहस्य, पार्थिव लिंग पूजन विधि तथा शिवरात्रि की महिमा, 6 मई मंगलवार को सदाशिव द्वारा सृष्टि विस्तार , ब्रह्मा विष्णु को ज्योतिर्मय लिंग के दर्शन, 7 मई बुधवार को सदाशिव द्वारा त्रिदेवोत्पत्ति, सती चरित्र, श्री शिव पार्वती विवाह उत्सव झांकी, 8 मई गुरुवार को श्री कार्तिकेय व श्री गणेश जन्म प्रसंग, 9 मई शुक्रवार को त्रिपुर संहाय कथा, श्री तुलसी चरित्र, श्री शिव के अनेकों रौद्र अवतारों का वर्णन, 10 मई शनिवार को द्वादश ज्योतिर्लिंगों की कथा, पार्वती चरित्र,11 मई रविवार को उपमन्यु कथा, गुरुतत्व विवेचन, शिव पंचाक्षर मंत्र महिमा, शिव पुराण विश्राम, 13 मई सोमवार को प्रातः 9 बजे शिव यज्ञ पूर्णाहुति के बाद बाबा के भोग के बाद 12 बजे से शिव प्रसादी का वितरण किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर पूरे ग्राम में उत्साह और भक्ति का माहौल है। आयोजक सुरेश, महेंद्र, वीरेंद्र , सुभाष, अशोक, गोपाल एवं समस्त बंसल परिवार व सहयोगी श्री नरसिंह मंदिर कमेटी, आदर्श रामलीला मंडल पावटा एवं बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर कमेटी और ग्रामवासियों के अनुसार, यह कार्यक्रम न केवल ग्राम, बल्कि पूरे शहर और विश्व के सुख-शांति और आध्यात्मिक उत्थान का प्रतीक बनेगा व श्री शिव महापुराण कथा के माध्यम से प्रतिदिन भगवान शिव की अद्भुत लीलाओं और शिक्षाओं का वर्णन किया जाएगा।

ट्रांसफर कराने पर यकीन नहीं रखता, काम करने पर यकीन करता हूं : मंत्री भूपेंद्र यादव

अलवर। केंद्रीय मंत्री व अलवर सांसद भूपेंद्र यादव की सांसद संपर्क संवाद यात्रा शनिवार को रामगढ़ विधानसभा के गांव मालपुर व लीलावडी से शुरू हुई। दिल्ली से सीधे मालपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री का दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस हाईवे शीतल कट पर रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता सहित नेताओं ने स्वागत कर अगवानी की।

> ■ रामगढ़ विधानसभा के गांव में पहुची केंद्रीय मंत्री व सांसद की सांसद संपर्क संवाद यात्रा

सांसद संपर्क संवाद यात्रा के दौरान ग्रामीणों की समस्या सुनते सांसद व केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव।

सांसद संपर्क संवाद यात्रा लेकर गांव में पहुंचे सांसद व केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने अधिकारी कर्मचारीयों को साफ कर दिया कि वह ट्रांसफर पर यकीन नहीं रखते हैं वह काम कराने पर यकीन रखते हैं। इसलिए उन्होंने मुख्यमंत्री को भी कहा किसी को भी लगा दें, पीछे लगकर काम करना आता है। कोई भी नोकरी करने वह सेवा करने के लिए आया है। हमें भी उन्हें अवसर देना चाहिए। सेवा का असली मतलब होता है जब सरकार की योजनाओं को जनता स्वीकार कर लेती है और तब ही तरक्की होती है।

उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तरक्की व अमन चैन के रास्ते पर आगे बढ़ रहा हैं। सरकार ने 370 को हटाकर समाप्त किया। कश्मीर में पर्यटन बड़ा लोग बड़े वहां इकोनामी बढ़ी यह हमारे पड़ोसी मुल्क को पसंद नहीं आया पहलगांव में निर्दोषों को मारकर दुनियां का सबसे बड़ा पाप किया है। उनको यह समझ में आना चाहिए की यह मोदी का भारत है सही समय पर पूरा जवाब देने की ताकत भारत रखता है।

उन्होंने कहा कि अलवर सांसद खेल उत्सव के आयोजन निरन्तर जारी रहेगा। इन खेलों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण के उच्च प्रशिक्षित कोचों के माध्यम से 1 जून से 15 जून तक 15 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर लगाया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने इस दौरान विकास कार्यों का लोकार्पण व उद्घाटन किए। दिव्यांग जनों को व्हीलचेयर प्रदान की कार्यक्रम स्थल पर शिक्षा विभाग, चिकित्सा विभाग, विधुत विभाग, जलदाय विभाग, सरस डेयरी, राजीविका, युवा एवं कार्यक्रम मंत्रालय माई भारत, बैंकिंग सेवाओं आदि की स्टॉल लगाई गई, इस दौरान जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता व महासिंह चौधरी, पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल, एडीएम द्वितीय योगेश डागुर, उपखण्ड अधिकारी सुरेन्द्र प्रसाद व सुभाष यादव, संजय नरूका, बन्नाराम मीणा, सरिता राज, कुसुम बाई, जगदीश शर्मा, गगनदीप सिंह सहित अनेक प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

हजरत कुतुबशाह बाबा का उर्स मेला शुरू

मनोहरपुर। चंदवाजी पुलिस थाने के सामने पूरब दिशा में डूंगरी पर विराजमान हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतिक हजरत कुतुब शाह बाबा रहमतुल्लाह आलेह का दो दिवसीय वार्षिक उर्स मेला 3 मई शनिवार को झंडे की रस्म व मिलाद शरीफ से शुरू होगया है ! हजरत कुतुब शाह बाबा मेला कमेटी चंदवाजी के निजामुद्दीन शाह,उस्मान शाह असगर अली व इस्लामुद्दीन ने बताया की बाबा के 3 मई शनिवार की शाम को झंडा फहराने के साथ में जायरिनों का आना शुरू हो गया है रंग-बिरंगे परिधानों में सज संवर कर विभिन्न वाहनों में सवार होकर बाबा के गीत गाते हुए हिंदू और मुस्लिम महिला व पुरुष जायरीन आरहे है रात्रि 9 बजे बाद में मिलादुन्नबी कमेटी द्वारा मिलाद शरीफ हुई जिसमें ख़ुदा के हुकुम मोहम्मद साहब के बताए हुए मार्ग पर चलने की बात कही गई रात्रि 12 बजे बाद सलाम पढ़ी गई! इस दौरान उपस्तिथ जायरिनों के मुख से यही स्वर फूट रहे थे कि "निगाहे वली में वो तासीर देखी, बदलती हुई रोज हजारों की तक़दीर देखी"!

सार-समाचार

आकाशीय बिजली गिरने से बच्चा घायल

पावटा। विराटनगर क्षेत्र में शाम को अचानक मौसम में बदलाव के कारण धूल भरी आंधी चलने लगी। धूल भरी आंधी के बाद तेज हवा और बूंदाबांदी के साथ बिजली की गर्जना हुई। मैड कस्बे के मुख्य बस स्टैंड पर एक आवासीय मकान में तेज धमाके के साथ आकाशीय बिजली गिरने की घटना से हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार मैड कस्बे में प्रकाश ज्योतिषी, रामावतार, कृष्ण, मनीष ज्योतिषी के मकान पर अचानक आकाशीय बिजली गिरने की घटना से लाखों रुपए का नुकसान हो गया। प्रकाश ज्योतिषी ने बताया कि शाम के समय वह कमरे में लेट रहे थे। और बाहर मौसम खराब था। अचानक तेज धमाके के साथ कमरे की पटिया टूट गई और कमरे में रखे इलेक्ट्रिक उपकरण धमाके के साथ खराब हो गए और पूरे कमरे में धुआं फैल गया। बिजली के लाइनों से चिंगारियां निकलने लगी। अचानक इस घटना से हड़कंप मच गया। घटना से घबराकर सभी घरवाले घर से बाहर निकले। घटना से एक बच्ची घायल हो गई। धुआं साफ होने के बाद देखा तो कमरे की छत में पट्टी टूटने के कारण बड़ा छेद हो गया आकाशीय बिजली के कारण घर के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जल गए और बिजली वायरिंग भी जल गई। खिड़कियों के कांच टूट गए। जिसके कारण लाखों रुपए का सामान खराब हो गया। घायल बच्ची का उपचार कराया गया।

पुलिस ने बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ चलाए सर्च अभियान

शाहपुरा। अवेध रूप से देश में घुसपैठ कर रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की तलाश के लिए वर्तमान में पुलिस द्वारा सर्च अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पुलिस टीम ने शाहपुरा क्षेत्र में रह रहे 4 बांग्लादेशी नागरिकों को डिटेल करने में सफलता प्राप्त की है। जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा ने बताया कि जयपुर ग्रामीण में उच्च अधिकारियों के आदेशों की पालना में अवैध रूप से भारत में घुसपैठ कर निवास कर रहे बांग्लादेशी नागरिकों की तलाश के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रजनीश पूनिया के निर्देशन में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान की सफलता के लिए शाहपुरा क्षेत्र में डीवाईएसपी मुकेश चौधरी के सुपरविजन तथा थाना प्रभारी हेमराज सिंह गुर्जर के नेतृत्व में बांग्लादेशी नागरिकों की तलाश के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा शाहपुरा क्षेत्र के होटल, ढाबे, ईंट,भट्टे, क्रेशरों, माईन्स पर अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की तलाश की गई। तलाशी के दौरान टीम द्वारा 4 बांग्लादेशी नागरिक मंगफुल पुत्र मोफुल,आरिफुल पुत्र मगफुल,सरीफुल पुत्र मंगफुल, हफीजुल पुत्र मंगफुल जाति मुसलमान निवासी बदरगज जिला रंगपुर बांग्लादेश हाल खानाबदोश देवन रोड शाहपुरा को डिटेल किया गया।

चण्डी महायज्ञ में यजमानों ने दी आहुतियां

कोटपूतली। निकटवर्ती ग्राम खरकड़ी की ढ़ाणी खेमावाली स्थित दुर्गा माता मंदिर में लालाराम भगत के सान्निध्य में चल रहे चतुर्थ नवकुण्डीय चण्डी महायज्ञ में यजमान जोड़ों ने पांचवें दिन शुक्रवार तक 01 लाख 10 हजार आहुतियां दी। यज्ञाचार्य भारत भारद्वाज एवं यज्ञब्रह्मा रामावतार शर्मा ने बताया कि सुबह नित्यार्चन करने के बाद दुर्गा सप्तशती एवं सहस्त्रनामावली द्वारा आहुतियां दिलवाई गई, तत्पश्चात हवन कर भोग पूजन व आरती की गई। श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर महन्त लालाराम भगत ने बताया कि यज्ञ से सभी प्राणियों का कल्याण होता है। अतरू सभी को इस प्रकार के आयोजनों में बढ़ चढकर हिस्सा लेना चाहिये। महायज्ञ की 06 मई को पूर्णाहुति व भंडारा होगा एवं 05 मई की रात्रि को जागरण का आयोजन किया जायेगा।

तेज अंधड़ ने किसानों की छीनी रोजी रोटी

फुलेरा । कस्बे सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में शनिवार को दोपहर अचानक तेज हवाओं के साथ आये अंधड़ से किसानों के खेत खलिहान उजड़ गये है। इसके चलते उनकी रोजी-रोटी छिनने के कगार पर आ गई है। किसानों ने बताया कि नरैना के निकट स्थित ग्राम भरतोलाव के खेतों में बनाये गये पॉलीहाऊस पूरी तरह से क्षितग्रस्त हो गये है। इसके साथ ही उक्त पॉलीहाऊस में लगाई हुई फसल भी लगभग पूरी तरह से नष्ट हो गई है। जिससे यहां के किसानों को भारी मात्रा में आर्थिक नुकसान होने की आशंकाएं जताई जा रही है।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया

मनोहरपुर । भाजपा नेता जमील खान चौहान ने कहा कि विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस को मीडिया स्वतंत्रता के मूल सिद्धांतों को बढ़ावा देने, दुनिया भर में मीडिया की स्वतंत्रता की स्थिति का आकलन करने और पत्रकारों और मीडिया पेशेवरों को उनके काम पर हमलों से बचाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह पारदर्शिता, जवाबदेही और सार्वजनिक रूप से सूचित चर्चा के लिए स्वतंत्र प्रेस के महत्व को रेखांकित करने का दिन है जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज की तीन प्रमुख आधारशिलाएँ हैं। पत्रकारों के सामने आने वाले खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाई जाएगी, जिसमें सेंसरशिप, धमकी, उत्पीड़न, कारावास और हिंसा शामिल हैं। ऐसी चुनौतियों को उजागर करके, विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस सरकारों, संस्थानों और व्यक्तियों को प्रेस के लिए एक स्वतंत्र और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। यह उन पत्रकारों को सम्मानित करने के लिए भी एक दिन है जो कठिन और खतरनाक परिस्थितियों में रिपोर्टिंग करना जारी रखते हैं। यह नैतिक पत्रकारिता, शांति और मानवाधिकारों को बढ़ावा देने में मीडिया की भूमिका और गलत सूचना और भ्रामक सूचनाओं का मुकाबला करने के लिए क्या करने की आवश्यकता है, पर चिंतन करने के लिए प्रोत्साहित करता है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मीडिया संगठनों, नागरिक समाज और प्रेस स्वतंत्रता के लिए अंतरराष्ट्रीय निकायों के बीच वैश्विक एकजुटता और सहयोग को मजबूत करता है। अंत में, यह सार्वजनिक हित के रूप में स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए सभी क्षेत्रों से समर्थन और सरकारों से जनता के जानने के अधिकार की रक्षा करने का आव्हान करता है।

चौराहे पर विद्युत लाइन का तार टूटा

राजगढ़ । कस्बे के मेला चौराहे पर शनिवार प्रातः 11हजार केवी विद्युत लाइन का तार टूट जाने से अफरा तफरी मच गई। अनायास ही टूटा तार केबल पर अटक जाने के कारण अनहोनी होने से बाल बाल बची। हादसाटलने पर आसपास के दुकानदारों एवं लोगों ने चैन की सांस ली। विदित रहे कि कस्बे के व्यस्त मेल चौराहे पर प्रातः शनिवार 11हजार केवी लाइन का तार अचानक टूट गया। गनीमत यह रही की टूटा हुआ तार विद्युत केबल के ऊपर टिक जाने से झूलता रहा। अचानक तार टूटने से आसपास के लोगों में दहशत का आलम रहा।

मुझे लगता है कि ये दोनों प्लेयर्स तीनों फॉर्मेट के लिए बेस्ट हैं। शास्त्री ने सीरीज को लेकर कहा कि अगर मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी फिट रहें तो इंग्लैंड को टेस्ट सीरीज में बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। - रवि शास्त्री

टीम इंडिया के पूर्व कोच, टीम इंडिया के बारे में बात करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी
कैगिसो रबाड़ा

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने कहा कि वह ड्रग टेस्ट में विफल होने के कारण अनंतिम निलंबन की सजा काट रहे हैं। उन्होने कहा मैं एक अनंतिम निलंबन की सजा काट रहा हूं और मैं उस खेल में वापसी करने के लिए उत्सुक हूं जिसे खेलना मुझे पसंद है। रबाडा अच्छी फॉर्म में थे और अक्टूबर में 300 विकेट लेने वाले छठे दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर बने। वह 11,817 गेंदें खेलकर इस मील के पत्थर तक पहुँचने वाले सबसे तेज़ गेंदबाज़ थे। उन्होंने इस सीज़न में टाइटन्स के पहले दो आईपीएल मैच खेले, जिसमें उन्होंने दो विकेट लिए और फिर घर वापस आ गए।

क्या आप जानते हैं ?... लीग में सर्वाधिक सफल रन चेज का रिकॉर्ड पंजाब किंग्सके नाम है, जिसने 2024 सीजन के दौरान कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 262 रनों का पीछा किया था।

सांस रोक देने वाले मुकाबले में बेंगलुरु ने जीत के साथ प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ाया

बेंगलुरु, 3 मई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सांस रोक देने वाले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को दो रन से हरा कर 16 अंकों के साथ प्लेऑफ में जगह लगभग पक्की कर ली है।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी ने पहले खेलते हुये पांच विकेट पर 213 रन बनाये जिसके जवाब में चेन्नई निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 211 रन ही बना सकी। बेंगलुरु की ओर से जेकब बेथेल (55) और विराट कोहली (62) के बाद रोमारियो शेफ़र्ड (53 रन नाबाद, 14 गेंद चार चौके और छह छक्के) ने धमाकेदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुये चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य निर्धारित करने में अहम किरदार निभाया।

जवाब में आयुष म्हात्रे (94) और रविंद्र जडेजा (77 नाबाद) ने शानदार बल्लेबाजी करते हुये जरुरी रन रेट के आसपास बने रहने का सफल प्रयास किया। उनके इस काज में भाग्य का भी साथ मिला जब बेंगलुरु के क्षेत्ररक्षकों ने चार आसान कैच टपकाये। आखिरी ओवर में चेन्नई को जीत के लिये 15 रन की जरुरत थी मगर यश दयाल ने अनुशासित गेंदबाजी कर चेन्नई को एक और हार झेलने पर विवश कर दिया। अंतिम ओवर में यश द्वारा फेंकी गयी नो बॉल पर शिवम दुबे (8) ने छक्का

जड़ कर अपनी टीम की वापसी करा दी थी मगर दयाल ने आखिरी दो गेंदो पर सिर्फ सिंगल लेने की छूट दी और मैच चेन्नई के जबड़े से छीन लिया।

17 साल के म्हात्रे आईपीएल के जरिये भारत की एक और सफल खोज साबित हुये। मात्र छह रन से चूके म्हात्रे ने 48 गेंदों में नौ चौके और पांच छक्के लगाये। दूसरे छोर पर जडेजा ने भी आज अपने हाथ खोले मगर चेन्नई को हार से नहीं बचा सके।

इससे पहले बेंगलुरु के लिये बेथेल और कोहली ने धमाकेदार शुरुआत की थी जबकि आखिरी के ओवरों में दर्शकों की सारी वाहवाही शेफर्ड लूट ले गये जब उन्होने 19वें और 20वें ओवर में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुये न सिर्फ अपना अर्धशतक पूरा कर लिया बल्कि चेन्नई के सामने एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखने में अहम भूमिका अदा की।

कोहली और बेथेल के आउट होने के बाद चेन्नई के गेंदबाजों के सामने बेंगलुरु का मध्यक्रम दवाब में बिखरता नजर आया। इन नाजुक क्षणों पर शेफर्ड तूफान बन कर सामने आये। पारी के 19वें ओवर में उन्होने खलील अहमद की गेंदों पर शेफ़र्ड ने चार छक्के और दो छक्के ठोक कर मैदान पर उबाल ला दिया जबकि आखिरी ओवर में पथिराना की अनुशासित गेंदबाजी की बखिया उधेड़ कर रख दी।

इससे पहले चेन्नई ने टॉस जीत कर बेंगलुरु को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। सलामी बल्लेबाज बेथेल और कोहली की जोड़ी ने मैच के पहले ही ओवर से आक्रामक रुख अख्तियार किया और चेन्नई के गेंदबाजों की धुनायी करते हुये स्कोरबोर्ड को तेजी से चलाया।

संजू सैमसन चेन्नई के खिलाफ आरआर टीम की कप्तानी कर सकते है

नई दिल्ली, 3 मई। संजू सैमसन के लिए आईपीएल 2025 का सफर अभी तक अच्छा नहीं रहा। सीजन की शुरुआत में ही उन्हें तीन मैच इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में खेलने पड़े थे क्योंकि वह इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज के आखिरी मैच में चोटिल हो गए थे और फिर उन्हें सर्जरी भी करानी पड़ी थी। इसी कारण से उन्हें बीसीसीआई की तरफ से सिर्फ बल्लेबाजी की इजाजत मिली थी। हालांकि, इसके बाद वह फिट घोषित कर दिए गए और दोबारा रॉयल्स की कमान संभाली। लेकिन 16 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में एक बार फिर इंजरी का शिकार हो गए और तब से वह बाहर हैं।वहीं अब संजू सैमसन की वापसी पर बड़ा अपडेट आया है। दरअसल, राजस्थान रॉयल्स को अपना अगला मैच 4 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेलना है। इसमें संजू सैमसन नजर नहीं आएंगे लेकिन इसके बाद 12 मई को चेन्नई के खिलाफ मुकाबले में उनकी वापसी हो सकती है। सैमसन की रिकवरी उम्मीद से ज्यादा अच्छी हो रही है। इसी कारण से ये खिलाड़ी एमएस धोनी की टीम के खिलाफ होने वाले मैच को वापसी के लिए टारगेट कर रहा है। माना ये भी जा रहा था कि संजू शायद शेष सीजन में खेलते नजर ना आएं लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सैमसन अपेक्षा से बेहतर तरीके से ठीक हो रहे हैं। वह एक्शन में लौटने के लिए बेहद उत्सुक हैं और सोमवार को चेपॉक में चेन्नई के खिलाफ आरआर टीम की कप्तानी कर सकते हैं।

विराट कोहली ने रचा इतिहास

बेंगलुरू, 3 मई। आरसीबी के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली इन दिनों आईपीएल 2025 में बेहतरीन फॉर्म में नजर आ रहे हैं। इस सीजन में कोहली कई रिकॉर्ड बना चुके हैं और तोड़ भी चुके हैं। इस कड़ी में शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में धमाकेदार अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए कोहली ने इतिहास रच दिया। इस दौरान पारी का दूसरा छक्का लगाते हुए कोहली ने एक खास उपलब्धि हासिल की। वह टी20 क्रिकेट में एक टीम के लिए 300 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं एक वेन्यू पर सबसे ज्यादा छक्के लगाने का क्रिस गेल का रिकॉर्ड भी तोड़ा।टी20 क्रिकेट में किसी एक टीम के लिए सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है। कोहली ने आरसीबी के लिए 300 से ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया। वह किसी एक टीम के लिए 300 या उससे ज्यादा छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। क्रिस गेल इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने भी आरसीबी के लिए खेलते हुए 263 छक्के लगाए थे।

विस्फोटक बल्लेबाज रोहित शर्मा लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। रोहित ने मुंबई इंडियंस के लिए 262 छक्के जड़े हैं। कीरोन पोलार्ड ने भी मुंबई की ओर से खेलते हुए 258 छक्के लगाए थे। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान एमएस धोनी ने टीम के लिए 257 छक्के लगाए हैं। फिलहाल, एक वेन्यू पर सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में विराट कोहली ने क्रिस गेल को पछाड़ दिया है। विराट कोहली ने बेंगलुरु में 154 छक्के लगाए हैं, जबकि क्रिस गेल ने एम चिन्नास्वामी में 151 छक्के लगाए हैं। क्रिस गेल ने टी20 क्रिकेट में मीरपुर में भी 138 छक्के ठोके हैं। एलेक्स हेल्स ने नॉटिंघम में 135 छक्के मारे हैं। रोहित शर्मा ने वानखेड़े में 122 छक्के जड़े हैं।

पंजाब किंग्स के खिलाफ लखनऊ लड़ेगी अस्तित्व की लड़ाई

धर्मशाला, 3 मई। प्लेऑफ की दहलीज पर खड़ी पंजाब किंग्स के खिलाफ लखनऊ सुपर किंग्स रविवार को हिमालय की सुरम्य वादियों से घिरे धर्मशाला के खूबसूरत मैदान में अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ेगी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) पर चार विकेट की जीत से उत्साहित पंजाब इस मुकाबले में लय और फॉर्म के साथ मजबूती से उतरेगा। पंजाब की जान उसकी विस्फोटक सलामी जोड़ी प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य में है, जिन्होंने इस सीजन में मिलकर करीब 700 रन बनाए हैं। कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पंजाब की टीम में अय्यर, नेहल वढेरा, शशांक सिंह और कीपर जोश इंगलिस बल्लेबाजी की गहराई को मजबूत बनाते है जबकि गेंदबाजी के मोर्चे पर अर्शदीप सिंह और मार्को जेनसन ने लगातार शुरुआती झटके दिए हैं, जबकि बीच के ओवरों में युजवेंद्र चहल की चतुराई से परिपूर्ण गेंदबाजी ने गेंदबाजी आक्रमण को धार प्रदान की है। सीएसके के खिलाफ उनके चार विकेट ने मुकाबले को एकतरफा कर दिया था। ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई, हरप्रीत बरार और सूर्यांश शेडगे ने पंजाब के पक्ष को और मजबूत किया। इसके विपरीत, ऋषभ पंत की अगुवाई वाली लखनऊ की टीम फॉर्म और दबाव दोनों से जूझ रही है, अपने पिछले चार मैचों में से तीन हारने के बाद अंक तालिका में छठे स्थान पर है। मुंबई इंडियंस के हाथों 54 रनों की हार ने उन्हें कगार पर ला खड़ा किया है। रविवार का मैच प्रभावी रूप से उनकी प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए जीतना जरूरी है। लखनऊ की बल्लेबाजी में सामंजस्य की कमी है, एडेन मार्करम और मिशेल मार्श स्थिर शुरुआत देने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

शमी की फॉर्म भारत के लिए चिंता का विषय

मुंबई, 3 मई। इंग्लैंड के खिलाफ अगले महीने शुरु होने वाले हाई-प्रोफाइल दौरे से पहले अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की फॉर्म भारतीय टीम के लिये चिंता का विषय बनी हुयी है। घुटने की चोट के कारण 2023 पुरुष क्रिकेट विश्व कप के बाद एक साल से अधिक समय तक खेल से बाहर रहने वाले शमी ने आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम में वापसी की थी। भारत के अजेय खिताबी अभियान में शमी ने नौ विकेट चटका कर अहम भूमिका अदा की थी।

वाटसन ने पुरुषों की स्पीड क्लाइम्बिंग का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

बाली, 3 मई। अमेरिकी पर्वतारोही सैमुअल वाटसन ने शनिवार को आईएफएससी विश्व कप बाली में पुरुषों की स्पीड क्लाइम्बिंग में 4.64 सेकंड के विश्व रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। इस स्पर्धा में उनका पांचवां रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन था। हाल ही में शीतकालीन प्रशिक्षण के दौरान, वाटसन और चीन के 15 वर्षीय उभरते सितारे झाओ यिचेंग ने लगातार 4.70 सेकंड से कम समय में प्रदर्शन किया। पिछले सप्ताह पूर्वी चीन के जियांग्सू प्रांत के वुजियांग में विश्व कप सत्र के उद्घाटन से पहले अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोहण समुदाय को एक नए रिकॉर्ड की बहुत उम्मीद थी, लेकिन सेमीफाइनल में पिछड़ने के बाद वाटसन चौथे स्थान पर रहे।

वाटसन ने दुनिया को लंबे समय तक इंतजार नहीं कराया और बाली में इंडोनेशिया के राहरजाती नूरसामसा के खिलाफ सेमीफाइनल में 4.67 सेकंड का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। 10 मिनट से भी कम समय बाद, उन्होंने जापान के रियो ओमासा के खिलाफ फाइनल में अपने ही रिकॉर्ड में 0.03 सेकंड का सुधार किया। वाटसन ने कहा ईमानदारी से कहूं तो, मुझे विश्व रिकॉर्ड तोड़ने की उम्मीद नहीं थी।क्वालीफ़ाई और अभ्यास के दौरान मौसम बहुत गर्म था, मुझे अपने सिर पर बर्फ़ की बाल्टी रखनी पड़ी। लेकिन मैं एक प्रतियोगी हूँ, मैं चाहे जो भी हो, प्रतिस्पर्धा करना चाहता हूँ। परिस्थितियाँ सभी को प्रभावित करती हैं।

19 वर्षीय वॉटसन पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता हैं, जहाँ उन्होंने कांस्य पदक मैच में 4.74 सेकंड का पिछला विश्व रिकॉर्ड बनाया था। महिलाओं की स्पीड का स्वर्ण पोलैंड की विश्व रिकॉर्ड धारक एलेक्जेंड्रा मिकजेलोवा के नाम रहा, जिन्होंने बाली में फ़ाइनल में चीन की झोउ याफ़ेई को हराया। इंडोनेशिया के पर्वतारोही किरोमल कैटिबिन और आदि असिह काडेक ने क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग का कांस्य पदक जीता।

कैस्पर रुड मैड्रिड ओपन के फाइनल में

मैड्रिड, 3 मई। पसलियों की चोट से जूझने के बावजूद नॉर्वे के कैस्पर रूड ने फ्रांसिस्को सेरुंडोलो पर 6-4, 7-5 से जीत के साथ रविवार के मैड्रिड ओपन के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी को शुरुआती सेट में तीन गेम में उपचार की आवश्यकता थी।

रोहित शर्मा ने हेरिटेज म्यूजियम का भ्रमण किया

जयपुर, 3 मई। प्रसिद्ध भारतीय क्रिकेटर और कप्तान रोहित शर्मा ने अपनी पत्नी रितिका और बेटी समायरा के साथ, जयपुर स्थित प्रतिष्ठित मीनाकारी हेरिटेज म्यूजियम का भ्रमण किया। यह म्यूजियम हाउस ऑफ सुनीता शेखावत की एक पहल है। म्यूजियम का दौरा करते हुए रोहित और उनके परिवार ने भारत की समृद्ध कला विरासत की प्रशंसा की। उन्होंने विशेष रूप से मीनाकारी की जटिल और जीवंत परंपरा को सराहा, जो मैटल पर होने वाले एनामेल कार्य के लिए मशहूर एक सदियों पुरानी कला है।

भ्रमण के दौरान शर्मा और उनके परिवार का शेखावत परिवार द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उन्होंने म्यूजियम में प्रदर्शित क्यूरेटेड कलाकृतियों का अवलोकन किया, जिनमें मीनाकारी कला की पारंपरिक और समकालीन दोनों अभिव्यक्तियां प्रदर्शित की गई हैं। परिवार ने आर्टिजंस और क्यूरेटर्स के साथ भी संवाद किया, जिससे उन्हें इस सदियों पुरानी कला में निहित बारीकी से किए गए शिल्प और इसके सांस्कृतिक महत्व की गहरी जानकारी प्राप्त हुई। रोहित शर्मा और उनकी पत्नी ने इस कला और उससे जुड़ी विरासत की सराहना की। उन्होंने न केवल इसकी सुंदरता की प्रशंसा की, बल्कि उस सांस्कृतिक विरासत को भी सराहा। जिसका यह प्रतीक है। द म्यूजियम ऑफ मीनाकारी हेरिटेज ने शर्मा परिवार को उनकी यात्रा के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया और यह उल्लेख किया कि उनकी उपस्थिति भारत की पारंपरिक शिल्प पर महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित करती है।

2026 विश्व कप तक नेमार को अपने साथ रखना चाहता है सैंटोस

रियो डी जेनेरियो, 3 मई। सैंटोस के अध्यक्ष मार्सेलो टेक्सेरा ने शुक्रवार को कहा कि क्लब चोट की चिंता को दरकिनार कर नेमार के अनुबंध को अगले साल होने वाले फीफा विश्व कप तक बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। नेमार यूरोप में एक दशक से अधिक समय और सऊदी अरब में रहने के बाद जनवरी में छह महीने के अनुबंध पर अपने बचपन के क्लब सैंटोस में शामिल हो गए थे। टेक्सेरा ने कहा, हमें एक तकनीकी तरीका तलाशना होगा ताकि हम नेमार की चोट की रिकवरी और मैदान पर उनकी मौजूदगी की निगरानी को इस तरह बदल सकें कि उनके अनुबंध को नवीनीकृत करने और अगले साल होने वाले विश्व कप तक बने रहने की संभावना बढ़ जाए। पिछले साल अक्टूबर में घुटने की चोट के बाद वापसी करने के बाद से नेमार पैर की मांसपेशियों की समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिसके कारण वे एक साल से अधिक समय तक मैदान से बाहर रहे। 33 वर्षीय ने सैंटोस के साथ अपने हालिया कार्यकाल में केवल नौ मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने तीन गोल किए हैं और तीन असिस्ट दिए हैं। टेक्सेरा ने कहा, जब हम नेमार को वापस लाए, तो हमें पता था कि उसे बहुत गंभीर चोट लगी है। यह जानते हुए, हमने अपने सभी स्टाफ को नेमार के लिए उपलब्ध कराया और प्रयास किया वह पूरी तरह से ठीक हो सके। वह यहाँ खुश है। यह उसका घर है। सैंटोस वर्तमान में 20 टीमों की ब्राज़ीलियाई सीरी ए स्टैंडिंग में छह मैचों में चार अंकों के साथ 19वें स्थान पर है। पेड्रो कैक्सिन्हा के जाने के बाद इस सप्ताह क्लब ने ब्राज़ील के पूर्व सहायक कोच क्लेबर ज़ेवियर को अपना नया मैनेजर नियुक्त किया है।

वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ कार्रवाई न करे बीसीसीआई : आईएसी

पुणे, 3 मई। इंडिया अगेंस्ट करप्शन (आईएसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमंत पाटिल ने शनिवार को बीसीसीआई से क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ निराधार शिकायत के आधार पर कोई कार्रवाई न करने का अनुरोध किया। यहां एक प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि महज 14 साल की उम्र में आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए रिकॉर्ड बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी को विवाद में घसीटने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि वैभव ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ खेलते हुए 35 गेंदों में शतक बनाया था। बाद में दावा किया गया कि इतनी कम उम्र का क्रिकेटर 90-90 मीटर का छक्का नहीं मार सकता। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के आयु वर्ग क्रिकेट में आयु परीक्षण में वैभव को अनुपयुक्त नहीं पाया गया। पाटिल ने कहा कि बीसीसीआई वर्तमान में उम्र धोखाधड़ी को रोकने के लिए टीडब्ल्यू3 तकनीक का उपयोग करता है। इस तकनीक में खिलाड़ी की हड्डियों की परिपक्वता की जांच करने के लिए बाएं हाथ और कलाई का एक्स-रे किया जाता है। कलाई के स्कैन से खिलाड़ी की उम्र का अनुमान लगाया जाता है। उन्होंने कहा कि अगर कोई भारतीय क्रिकेटर अपनी उम्र के बारे में गलत जानकारी देता हुआ पाया जाता है, तो उस पर दो साल का प्रतिबंध लगाया जा सकता है। उन्होंने तर्क दिया कि सिर्फ एक वीडियो के आधार पर खिलाड़ियों के रवैये और अच्छे क्रिकेटर की बेहतरीन पारी को बल्लेबाजी के साथ नहीं जोड़ा जा सकता है। इसलिए आईएसी प्रमुख ने बीसीसीआई से इस संबंध में सही निर्णय लेने और वैभव के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने की अपील की।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम को नया स्वरूप दिया जाएगा : राठौड़

जयपुर, 3 मई। खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में दर्शकों के बैठने के लिए अलग अलग ब्लॉक में सीटिंग व्यवस्था को बढ़ाया जाएगा। क्रिकेट देखने के साथ साथ दर्शकों को बेहतर सुविधाएं मिल सके इसके लिए आने वाले वर्षों में सीटिंग कैपेसिटी डबल करने का प्रयास करेंगे। हमने सवाई मानसिंह स्टेडियम के साउथ पवेलियन को रिनोवेट किया है। लगभग साढ़े 12 करोड़ रुपए की लागत से यह काम किया गया है। इससे वहां एक हजार लोगों के बैठने की सिटिंग कैपेसिटी भी डेवलप की गई है। जो काफी शानदार है। दो दशक पुरानी घास को भी बदल कर नई घास लगाई जाएगी। नाइट मैच के लिए भी अभी जो लाइट लगी है उसमें नई लाइट ओर लगाकर स्टेडियम को जगमग किया जाएगा। इसके साथ ही क्रिकेटर्स के लिए जो भी अत्याधुनिक सुविधाएं होनी चाहिए। जिससे इंडियन प्रीमियर लीग के अगले साल होने वाले मुकाबलों से पहले स्टेडियम का एक नया स्वरूप निकलकर सामने आएगा। राठौड़ ने कहा, इसके लिए हम कुछ पार्टनर्स की तलाश कर रहे हैं जिन्हें एक कंपटीशन के आधार पर स्टेडियम को डेवलप करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसको लेकर जल्द ही प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

19वीं सब जूनियर राज्य स्तरीय (बालक/बालिका) वुशू प्रतियोगिता का शुभारंभ

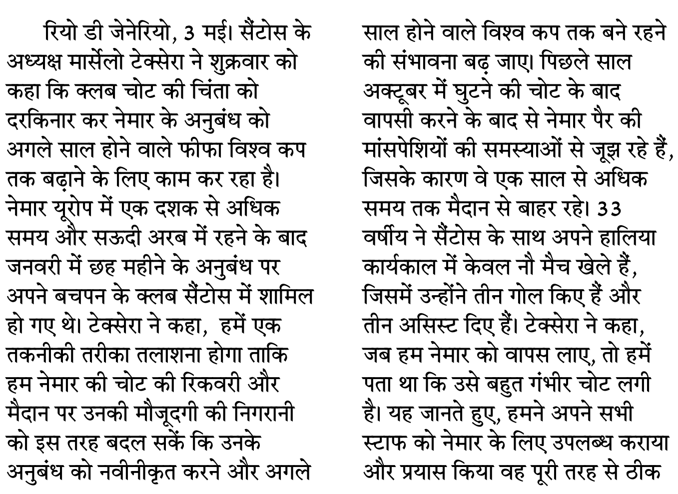

जयपुर, 3 मई। राजस्थान वुशू संघ व बीकानेर वुशू संघ के तत्वावधान में दिनांक 02 से 05 मई 2025 तक डॉक्टर करणीसिंह स्टेडियम, बीकानेर में चल रही 19वी सब जुनियर राज्य स्तरीय (बालक/बालिका) वुशू प्रतियोगिता का आज शुभारम्भ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि हीरानंद कटारिया, अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ व कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिल बोड़ा, डिप्टी डीइओ फिजिकल विभाग ने की तथा समारोह के विशिष्ट अतिथि विजय सिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ व राजेश कुमार टेलर कोच भारतीय वुशू टीम उपस्थित रहे। गणेश कुमार हर्ष, आयोजन सचिव ने समारोह के सभी अतिथियो का स्वागत किया।

आज प्रारम्भिक मुकाबलो के परिणाम इस प्रकार है -

शानशु (बालक) 39 किलोग्राम
1- हरिओम (अजमेर) ने गौरव (झुंझुनू) को 2-0 से हराया
2- अभिषेक (दौसा) नें निशांत (बीकानेर) को 2-1 से हराया
3- लवदीप (श्री गंगानगर) ने हर्षवर्धन (भीलवाडा) को 2-1 से हराया
4- शोर्य (कोटा) ने कृष्णा (पाली) को 2-0 से हराया
42 किलोग्राम
5- कनिष्क जालोर ने अक्षय बीकानेर को 2-0 से हराया
6- निशिकांत (हनुमानगढ़) ने नक्षत्रवीर सीकर को 2-0 से हराया
7- गुरजोत भीलवाडा ने धनन्जय ब्यावर को 2-0 से हराया
8 रोहित उदयपुर ने रुद्र कोटा को 2-0 से हराया
ताऊलू वर्ग ताईचीक्वान (बालक)
1. यशराज सिंह (जयपुर) को स्वर्ण पदक
2. हर्षित (श्रीगंगानगर) को रजत पदक
3. अंगद मीना (जयपुर) को कांस्य पदक
ताईचीक्वान (बालिका)
1. प्राशी माहवार (जयपुर) को स्वर्ण पदक
2. जसमीत कौर (जयपुर) को रजत पदक
3. राम दुलारी (जयपुर) को कांस्य पदक

नार्दन स्लैम 2025 स्क्वैश : पहले दिन खेले 148 मैच
राजस्थान के एक दर्जन खिलाड़ी क्वालीफायर के तीसरे दौर में

जयपुर, 3 मई। एसएमएस स्टेडियम स्थित राजस्थान स्क्वैश एकेडमी कोर्ट्स पर शुरू हुई नार्दन स्लैम 2025 स्क्वैश चैंपियनशिप के पहले दिन शनिवार को क्वालीफाइंग राउण्ड के अलग- अलग कैटेगरी के 148 मैच खेले गए। इस दौरान राजस्थान के करीब एक दर्जन खिलाड़ियों ने अपने मुकाबले जीत क्वालीफाइंग राउण्ड के तीसरे चक्र में प्रवेश कर लिया। इन खिलाड़ियों को अब मुख्य ड्रॉ में पहुंचने के लिए रविवार को आखिरी राउण्ड में जीत की दरकार होगी।

बॉयज अंडर-11 में राजस्थान के अद्रितवर्धन शर्मा ने अभ्युदय नाडियाल को 3-0 से, युवान वर्मा ने कियान जॉर्ज को 3-2 से हरा तीसरे राउण्ड में प्रवेश किया। अंडर-13 बॉयज में नैतिक बुन्देला ने कविन गुप्ता को 3-0 से, ओम ठाकुर ने सैराज भुटेकर को 3-0 से और समर देवरवाल ने देवांग सिंघल को 3-2 से शिकस्त दी। अंडर-15 बॉयज कैटेगरी में राजस्थान के फरीद अन्द्रावी ने आर्यन कपूर को 3-0 से पराजित किया। वहीं गर्ल्स अंडर-11 में कीरत देवपा ने सायरा तायल को 3-0 से और इनाया अन्द्रावी ने गार्वी चौधरी को 3-0 से हरा तीसरे दौर में जगह बनाई। इसी आयु वर्ग में गौरवी अजमेरा निर्धरा भकाल को 3-0 से, परुश्री जायसवाल ने अनवी नंदल को 3-0 से शिकस्त दी। इस बीच राजस्थान के बॉयज अंडर-11 में प्रथम चौधरी, रियान खण्डेलवाल, अमय महाजन, अभीर जैन, कबीर आर्या और अभय मिर्धा, अंडर-13 में चिन्मय, कृष्णम्मा गोयल, नैवेद्य जैन, अंडर-17 में ऋषभ जालोरी, ध्रुव सोनी, सम्यक शाह और ऋषभ अग्रवाल अपने मुकाबले हार बाहर हो गए। गर्ल्स अंडर-11 में लक्षाण्या राजावत, नविका सोनी, मायरा झालानी को भी हार का सामना करना पड़ा। शनिवार को मैचों के दौरान चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर और राज्यसभा सांसद चुन्नी लाल गरासिया ने मैच देखे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। खींवसर खुद भी स्क्वैश के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रह चुके हैं।

आयुष के ऑल राउंड खेल, वरदान व लोकेश के अर्द्धशतकों से एमी जीती

जयपुर, 3 मई। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज नारायणा क्रिकेट ग्राउण्ड सिरसी ग्राम पर खेले गये पूल-ई के मैच में एमी क्रिकेट एकेडमी ने आयुष आमेरिया 33 रन व 10 रन पर 5 विकेट के ऑल राउण्ड प्रदर्शन तथा वरदान शर्मा 77 रन व लोकेश लालचन्दानी 57 रन के अद्धर्शतको की बदौलत नारायण स्पोर्टस एकेडमी को 38 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर एमी क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए वरदान शर्मा 77 रन (46 गेंद 9 चौके 2 छक्के) लोकेश लालचन्दानी 57 रन (36 गेंद 4 चौके, 4 छक्के) आयुष आमेरिया 33 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 182 रन बनाये। गेंदबाजी में नारायणा स्पोर्टस एकेडमी की ओर से साहिल सिंह 28 रन पर 3 विकेट कांजुल बगड़ा 24 रन 2 विकेट, मनीष गुर्जर 31 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें।

जवाबी पारी में नारायणा स्पोर्टस एकेड़मी के सोम्य शर्मा 37 रन, यश खींचड़ 25 रन दीपक सोलंकी 19 रन, रोशन सारण 10 रन को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज एमी

क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजों आयुष आमेरिया 32 ओवर में 10 रन देकर 5 विकेट, पृथ्वी नागरवाल 21 रन पर 2 विकेट, अयान खान 34 रन पर 2 विकेट तथा मनीष 16 रन 1 विकेट की गेंदबाजी के समक्ष नहीं टिक सके और पूरी टीम 18.2 ओवर में 144 रन बनाकर सिमट गयी। मैंन ऑफ दा मैंच आयुष आमेरिया 33 रन व 10 रन पर 5 विकेट एमी क्रिकेट एकेडमी रहें।

युद्ध हुआ तो चार दिन भी नहीं लड़ सकता पाकिस्तान

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान के पास चार दिन का गोला बारुद भी नहीं है

■ रिपोर्टों के अनुसार, आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने अपना गोला बारुद इज़रायल व यूक्रेन को बेचा था, और अब खुद उसके पास गोला बारुद नहीं बचा है।

नयी दिल्ली, 03 मई। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को पैसा कमाने के लिए यूक्रेन और इजरायल को बड़ी मात्रा में गोला-बारूद बेचना महंगा पड़ रहा है और अब उसके खुद के पास चार दिन की लड़ाई लड़ने के लिए जरूरी गोला बारूद भी नहीं है।

विभिन्न रिपोर्टों तथा आंतरिक सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान ने यूक्रेन और इजरायल के साथ गोला बारूद बेचने के लिए जो सौदे किये, वे अब उसके गले की फांस बन गये हैं। रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि पाकिस्तान के गोला बारूद भंडार की स्थिति को देखकर यह कहना अतिशोयक्ति नहीं होगी कि लड़ाई की स्थिति में बिना गोला बारूद के चार दिन बाद उसके हथियार खिलौने बनकर रह जायेंगे।

रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तान का गोला बारूद भंडार इतना कम हो गया है कि उसकी सेना किसी बड़े विरोधी के खिलाफ़ चार दिनों से ज़्यादा समय तक युद्ध का संचालन नहीं कर सकती। दरअसल 2022 में आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को यूक्रेन-रूस लड़ाई में एक अवसर दिखाई दिया और पाकिस्तान के आयुध कारखाने यूक्रेन के लिए प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन गए, जो गुप्त मार्गों से लाखों राउंड तोपखाने के गोले, रॉकेट और छोटे हथियारों के गोला-बारूद की आपूर्ति करते थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि अकेले फरवरी और मार्च 2023 के बीच पाकिस्तान ने 42,000 122 मिमी बीएम -21 रॉकेट, 60,000 155 मिमी हॉवित्जर गोले और 130,000 122 मिमी रॉकेट भेजे, जिससे 36 करोड़ 40 लाख डॉलर की कमाई हुई। इसमें से 80 प्रतिशत लाभ कथित तौर पर रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के जीएचक्यू में भेज दिया गया। वित्तीय वर्ष 2022-23 तक, इन हथियारों का निर्यात आसमान छूकर 41 करोड़ 50 लाख डॉलर हो गया। इससे पाकिस्तानी सेना का गोला बारूद का भंडार कम होना शुरू हो गया।

विश्लेषकों के अनुमान के अनुसार, वर्ष 2025 तक पाकिस्तान का गोला-बारूद भंडार केवल 96 घंटे, यानी चार दिन के उच्च-तीव्रता वाले संघर्ष को झेल सकता है।

साथ ही रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तान उच्च मुद्रास्फीति, बढ़ते कर्ज और घटते विदेशी मुद्रा भंडार के गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। इस वित्तीय उथल-पुथल ने सेना की संचालन क्षमताओं को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। ईंधन की कमी के कारण पाकिस्तान की सेना को राशन में कटौती करने, सैन्य अभ्यास स्थगित करने और निर्धारित युद्ध अभ्यास रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा है। पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने इन सीमाओं को स्वीकार करते हुए कहा है कि पाकिस्तान के पास भारत के साथ लंबे समय तक संघर्ष करने के लिए गोला-बारूद और आर्थिक ताकत की कमी है। गोला-बारूद के भंडार में कमी और आर्थिक बाधाओं के कारण पाकिस्तान की सैन्य तैयारी में काफी कमी आई है। खुफिया रिपोर्टों से पता चलता है कि पाकिस्तान ने संभावित संघर्ष की आशंका में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास गोला-बारूद के डिपो बनाए हैं। हालांकि, मौजूदा कमी को देखते हुए इन उपायों से कितना फायदा होगा, यह बड़ा सवाल है। पाकिस्तान की अपनी सैन्य तैयारियों पर इन हथियारों के हस्तांतरण के प्रभाव ने चिंता बढ़ा दी है। गोला-बारूद की कमी के कारण पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व भी गंभीर रूप से चिंतित है और दो मई को कोर कमांडरों के सम्मेलन में कई अन्य बातों के अलावा इस मुद्दे पर भी चर्चा की गई।

राजस्थान बॉर्डर पर पाक रेंजर गिरफ्तार

■ यह पाक रेंजर श्रीगंगानगर सीमा से भारत में घुसने की कोशिश कर रहा था, जिसे बीएसएफ ने गिरफ्तार कर लिया।

गंगानगर, 03 मई। राजस्थान में अंतरराष्ट्रीय सीमा से बीएसएफ ने एक पाक रेंजर को पकड़ा है। यह घटनाक्रम जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मद्देनजर दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच सीमा सुरक्षा बल के एक जवान को रेंजर्स की तरफ से पकड़े जाने के करीब 15 दिन बाद हुई है। बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। मामले में अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी रेंजर को बीएसएफ के राजस्थान फ्रंटियर ने हिरासत में ले लिया है। वहीं, बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार शॉ को रेंजर्स ने 23 अप्रैल को पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर से पकड़ा था और भारतीय बल की तरफ से दर्ज कराए गए कड़े विरोध के बावजूद उन्होंने उसे सौंपने से इनकार कर दिया।

जानकारी के मुताबिक बीएसएफ इस पाकिस्तानी रेंजर से पूछताछ कर रही है कि वह किस मकसद से भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था।

गोवा के शिरगांव में भगदड़ से 7 की मौत, 50 घायल

हादसा श्री लैराई जात्रा के दौरान हुआ, जिसमें 30 से 40 हजार लोग शामिल थे

■ यह एक वार्षिक कार्यक्रम है, बड़ी संख्या में श्रद्धालू जात्रा में शामिल होकर मंदिर जा रहे थे। यह यात्रा हर साल अप्रैल -मई में आयोजित होती है।

गोवा, 03 मई। गोवा के शिरगांव में श्री लैराई जात्रा (यात्रा) के दौरान शुक्रवार रात मची भगदड़ में 7 लोगों की मौत हो गई। शनिवार सुबह मिली जानकारी के अनुसार, हादसे में 50 से ज्यादा लोग घायल हैं, जिनमें 20 गंभीर हैं। राहत-बचाव कार्य जारी है। मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है।

शुक्रवार शाम को बड़ी संख्या में श्रद्धालु जात्रा में शामिल होने मंदिर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक दुकान के सामने बिजली के तार से करंट लगने के बाद कुछ लोग गिर गए। जिससे अफरा-तफरी हुई और भगदड़ मच गई। कहा जा रहा है कि क्राउड मैनेजमेंट के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने की वजह से हादसा हुआ। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं।

श्री लैराई जात्रा नॉर्थ गोवा के बिचोलिम तालुका के शिरगांव गांव में आयोजित होने वाला हिंदू धार्मिक उत्सव है। जात्रा हर साल अप्रैल या मई में होती है।

इसमें गोवा, महाराष्ट्र और कर्नाटक से हजारों श्रद्धालु आते हैं। इस यात्रा के लिए एक हजार वर्ष जात्रा 2 मई की शाम से 3 मई की सुबह तक आयोजित की गई थी, जिसके इसी दौरान हादसा हुआ।

गोवा पुलिस के मुताबिक महाराष्ट्र, कर्नाटक सहित कई राज्यों के 30 से 40 हजार लोग यात्रा में शामिल होने पहुंचे थे। शुक्रवार शाम भीड़ मंदिर की ओर जा रही थी, तभी एक ढलान पर कुछ लोग गिर पड़े। इसके बाद पीछे से आ रहे लोग भी एक-दूसरे पर गिरते चले गए। 40 से 50 लोग इस दौरान नीचे गिर गए। इसके बाद अफरा-तफरी होने से भगदड़ मच गई।

पुलिसकर्मियों की ही तैनाती हुई थी। वहीं, भीड़ की एक्टिविटी को ड्रोन की मदद से ट्रैक किया जा रहा था।

भगदड़ मामले में सरकार ने एक्शन लेते हुए डीएम, एसपी और डीएसपी समेत कई अधिकारियों का तबदला कर दिया है।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं, जिसके बाद सरकार ने कलेक्टर समेत कई अधिकारियों का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर लिखा, गोवा के शिरगांव में भगदड़ के कारण हुई मौतों से दुखी हूं। अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना, घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने घायलों का मुफ्त इलाज करने को कहा है। घटना पर गोवा कांग्रेस ने भी दुख जताया है।

पाकिस्तान पर और कड़े प्रतिबंध लगाए भारत ने

■ पाकिस्तान के साथ डाक सेवा पर प्रतिबंध।

■ किसी भी किस्म के आयात पर रोक लगाई।

■ पाकिस्तान के जहाजों का भारतीय बंदरगाहों में प्रवेश निषेध।

नई दिल्ली, 03 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पहलगाम आतंकवादी हमले के दोषियों को कड़ी सजा देने के संकल्प को दोहराये जाने के साथ साथ निरंतर कठोर निर्णयों से पाकिस्तान की नकेल कस रहे भारत ने शनिवार को भी पड़ोसी देश के खिलाफ़ कई दंडात्मक उपायों की घोषणा की, जिनमें पाकिस्तान के साथ डाक सेवाओं को निलंबित करना, उस देश से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से माल के आयात पर प्रतिबंध लगाना और पाकिस्तानी ध्वज वाले जहाजों के भारतीय बंदरगाहों में प्रवेश पर प्रतिबंध शामिल हैं।

ये कदम जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ़ भारत की जवाबी कार्रवाई के तहत उठाये गये हैं। इस हमले में इस्लामी बंदूकधारियों ने 26 लोगों की बेरहमी से गोली मारकर हत्या कर दी थी।

इस बीच, संचार मंत्रालय के डाक विभाग ने एक अधिसूचना जारी कर कहा है कि भारत ने हवाई और सड़क मार्गों के माध्यम से पाकिस्तान से आने वाले सभी श्रेणियों के मेल और पार्सल के आदान-प्रदान को निलंबित करने का निर्णय लिया है। इससे पहले जहाजरानी महानिदेशालय ने मर्चेंट शिपिंग अधिनियम के तहत, एक निर्देश जारी कर पाकिस्तान के ध्वज वाले जहाजों को भारतीय बंदरगाहों में प्रवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया और भारतीय ध्वज वाले जहाजों को पाकिस्तान के बंदरगाहों पर जाने से रोक दिया। ये प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने भी शुक्रवार को जारी एक अधिसूचना में, तत्काल प्रभाव से पाकिस्तान से आने या निर्यात किए जाने वाले सभी सामानों के आयात या पारगमन पर प्रतिबंध लगा दिया है।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने अटारी चौकी को पहले ही बंद कर दिया है, जो दोनों देशों के बीच एकमात्र व्यापार मार्ग है। पाकिस्तान ने भी भारत के कदमों के जवाब में इसी तरह की कई घोषणाएं की हैं, जिससे दोनों देशों के बीच संबंधों में कड़वाहट आ गयी है।

नड्डा तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक नेताओं से मिले

मीटिंग में आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति और तैयारी पर चर्चा की गई

■ भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने एक्स पर मीटिंग की जानकारी दी।

■ नड्डा ने भाजपा कार्यकर्ताओं से अपील की कि घर-घर जाकर मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दें।

चेन्नई, 03 मई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केन्द्रीय मंत्री जे पी नड्डा ने तमिलनाडु में अपने सहयोगी दल अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की तमिलनाडु इकाई की कोर कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक की, जिसमें 2026 के विधानसभा चुनाव की रणनीति और तैयारी संबंधी कार्यों पर चर्चा और समीक्षा की गई।

बैठक में पार्टी नेताओं ने राज्य विधानसभा में भाजपा की संख्या बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत करने का वादा किया।

इसके लिए उन्होंने राज्य में एनडीए का नेतृत्व कर रही अन्नाद्रमुक और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर काम करने का वादा किया। इन सहयोगियों के गठबंधन में शामिल होने और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को सत्ता से बेदखल होने की संभावना है।

बाद में नड्डा ने एक्स पर लिखा, आज चेन्नई मे भाजपा तमिलनाडु की कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता की।

उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तमिलनाडु के सर्वांगीण विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ हैं, जिसमें समृद्ध तमिल संस्कृति को संरक्षित करने और बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया है।

उन्होंने कहा, मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता सक्रिय रूप से घर-घर जाकर अभियान चला रहा है, तथा विकसित भारत के विजन में योगदान दे रहा है।

नड्डा ने पार्टी पदाधिकारियों से जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को मजबूत करने और चुनावों की तैयारी शुरू करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने का भी आग्रह किया। चुनाव एक साल से भी कम समय में होने वाले हैं।

नवनिर्वाचित भाजपा राज्य इकाई के अध्यक्ष और विधायक दल के नेता नैनार नागेन्द्रन, जो अन्नाद्रमुक के पूर्व कद्दावर नेता हैं और दक्षिणी जिलों में काफी प्रभाव रखते हैं, भाजपा के तमिलनाडु प्रभारी पी सुधाकर रेड्डी, संयोजक एच राजा, राष्ट्रीय महिला मोर्चा की अध्यक्ष वनथी श्रीनिवासन, जो विधायक भी हैं, पूर्व राज्य अध्यक्ष सुश्री तमिलिसाई सुंदरराजन, पोन राधाकृष्णन और अन्य वरिष्ठ नेता इस अवसर पर मौजूद थे।

गौरतलब है कि भाजपा ने अन्नाद्रमुक के एनडीए से बाहर निकलने के दो साल बाद, 2026 के महत्वपूर्ण चुनावों के लिए इस पार्टी के साथ संबंधों को फिर से मजबूत किया है।

इसकी घोषणा भाजपा के मास्टर चुनाव रणनीतिकार और केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने अन्नाद्रमुक महासचिव और विपक्ष के नेता एडप्पादी के पलानीस्वामी से नई दिल्ली में मुलाकात के बाद की।

एक ही मुद्दे पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के तथ्य की जानकारी नहीं दी गई। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। ऐसे में उन्हें याचिका वापस लेने की अनुमति दी जाए।

मामले की सुनवाई करते हुए, अदालत ने याचिका वापस लेने के आधार पर उसे खारिज करते हुए शिक्षा सचिव को कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

राजनाथ सिंह नहीं जाएंगे रुस की विक्ट्री डे परेड में

■ पाकिस्तान के साथ तनाव के माहौल को देखते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रुस की विक्ट्री डे परेड में जाना कैंसल कर दिया है। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ रुस जा सकते हैं।

नयी दिल्ली, 03 मई। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ उत्पन्न तनावपूर्ण स्थिति के मद्देनजर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बजाय अब रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ आगामी नौ मई को रूस में 'विक्ट्री डे परेड' समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।

रूस ने इस समारोह में हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित किया था लेकिन पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद बनी परिस्थितियों को देखते हुए भारत ने रूस को बताया था कि प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे और संभवत: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इसमें भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

रक्षा सूत्रों ने शनिवार को बताया कि भारत पाकिस्तान के बीच के ताजा हालात तथा गतिविधियों को देखते हुए, अब रक्षा मंत्री की रूस यात्रा को टाल दिया गया है और उनकी जगह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ रूस के विक्ट्री डे परेड के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद से भारत पाकिस्तान को हर स्तर पर घेरने में जुटा है और इसके लिए निरंतर कदम उठाये जा रहे हैं। भारत ने कहा है कि वह इस हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों तथा हमले की साजिश रचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा।

जातिगत जनगणना के निर्णय के लिए मायावती ने प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया

परंतु मायावती ने यह भी कहा कि जनता के दबाव में मोदी सरकार को झुकना पड़ा

■ मायावती ने कहा, भाजपा व कांग्रेस दोनों में, खुद को ओबीसी शोषितों का हितैषी बताने की होड़ लगी है पर दोनों एक ही थाली के चट्टे बट्टे हैं, वोटों की राजनीति करते हैं।

लखनऊ, 03 मई। केन्द्र सरकार द्वारा जातिगत जनगणना कराने की बात कही गई है। इसे लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने बयान दिया है। एक्स पर मायावती ने लिखा, "साल 1931 व आजादी के बाद पहली बार देश में जातीय जनगणना कराने के केन्द्र के निर्णय का श्रेय लेने में कांग्रेस यह भूल गयी कि दलित व ओबीसी समाज के करोड़ों लोगों को आरक्षण सहित उनके संवैधानिक हक से वंचित रखना उसके इतिहास का काला अध्याय है व इस कारण उसे सत्ता भी गंवानी पड़ी है। किन्तु सत्ता विहीन होने के बाद कांग्रेस नेतृत्व का खासकर दलित व ओबीसी समाज के प्रति नया उभरा प्रेम विश्वास से परे, इन वर्गों के वोट के स्वार्थ की खातिर छलावा की अवसरवादी राजनीति है। वैसे भी आरक्षण को निष्क्रिय बनाकर अन्तत: इसको खत्म करने की इनकी नापाक मंशा को कौन भुला सकता है?

मायावती ने लिखा, वैसे आरक्षण व संविधान के जनकल्याणकारी उद्देश्यों को फेल करने में भाजपा भी कांग्रेस से कम नहीं, बल्कि दोनों एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं। किन्तु अब वोटों के स्वार्थ व सत्ता के मोह के कारण भाजपा को भी जातीय जनगणना की जन अकांक्षा के आगे झुकना पड़ा है, जिसका स्वागत है। साथ ही, संविधान निर्माता बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को भारतरत्न से सम्मानित करने से लेकर धारा 340 के तहत, ओबीसी को आरक्षण देने जैसे अनेक मामलों में कांग्रेस व भाजपा का रवैया जातिवादी व द्वेषपूर्ण रहा है, किन्तु इनके वोट की राजनीति के खेल निराले हैं। लोग सावधान रहें।

मायावती ने अगले पोस्ट में कहा, काफी लम्बे समय तक ना-ना करने के बाद अब केन्द्र द्वारा राष्ट्रीय जनगणना के साथ जातीय जनगणना भी कराने के निर्णय का भाजपा व कांग्रेस आदि द्वारा श्रेय लेकर खुद को ओबीसी हितैषी सिद्ध करने की होड़, जबकि इनके बहुजन-विरोधी चरित्र के कारण ये समाज अभी भी पिछड़े, शोषित व वंचित। वैसे भी कांग्रेस एवं भाजपा आदि की अगर नीयत व नीति बहुजन समाज के प्रति पाक-साफ होती तो ओबीसी समाज देश के विकास में उचित भागीदार बन गया होता, जिससे इनके मसीहा परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर का 'आत्म-सम्मान व स्वाभिमान' का मिशन सफल होता हुआ ज़रूर दिखता।

साबरकांठा : जीप, बस व बाइक की भिड़ंत में 6 की मौत, 8 घायल

हिम्मतनगर (गुजरात), 03 मई। गुजरात के साबरकांठा जिले में शनिवार को एक जीप, राज्य परिवहन की बस और एक दोपहिया वाहन की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।यह हादसा हिंगटिया गांव के पास एक राजमार्ग पर उस समय हुआ, जब जीप और बस में आमने-सामने की टक्कर हो गई और मोटरसाइकिल उसी समय दुर्घटनाग्रस्त जीप से टकरा गई।

महिला की हत्या...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिवादी बृजेश मीना ने खो-नागोरियान पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके माता-पिता गोनेर रोड स्थित पावर हाउस में करीब चार महीने से रह रहे हैं। वह 27 अगस्त 2023 को अपनी मां से मिलकर जगतपुरा गया हुआ था। दोपहर करीब 2 बजे रमेश मीणा ने फोन कर बताया कि उसकी मां को गौतम जाटव नाम के व्यक्ति ने चाकू से कई जगह वार कर घायल कर दिया है।

उसकी मां को एसएमएस अस्पताल लेकर जा रहे हैं। अस्पताल में पांच दिन भर्ती रहने के बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने रिपोर्ट पर कार्रवाई कर आरोपी की गिरफ्तारी की और अपराध में काम में लिए गए चाकू सहित अन्य सामान की बरामदगी कर आरोपी के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया।

कोर्ट में गवाहों ने बयानों में अभियुक्त की पहचान की और कहा कि भागन्ती देवी को चाकू मारने वाला गौतम ही था। वह जब महिला पर चाकू के कई वार कर भाग रहा था तो जनता ने उसे पकड़ लिया था और गेट से बांध दिया था। वहीं, एफएसएल रिपोर्ट में भी साबित हो गया कि अभियुक्त ने ही भागन्ती देवी की हत्या की थी।

बांग्लादेशियों को अवैध रुप से भारत लाने वाला शातिर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 03 मई। देश भर में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। दिल्ली पुलिस ने बांग्लादेशियों को अवैध रूप से भारत में एंट्री करवाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा 40 से अधिक अवैध बांग्लादेशियों को भी पकड़ा गया है। फिलहाल पुलिस इस शख्स से पूछताछ कर रही है। मामले की जांच की जा रही है। दरअसल, साउथ ईस्ट जिले की पुलिस ने यह कार्यवाही की है। यह मास्टरमाइंड करीब 10 साल से ज्यादा समय से बांग्लादेशियों को भारत में एंट्री कराने के काम को अंजाम दे रहा था। यह पैसा लेकर बांग्लादेश से लोगों को भारत में लाकर बसाता था।

पायलट पति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पायलट पति के पास आय के पर्याप्त स्त्रोत हैं, लेकिन प्रार्थिया के पास आय के साधन उसके पति की तुलना में बहुत कम हैं। ऐसे में पत्नी अपने ससुराल में जिस स्तर का जीवन गुजारती, वही जीवन स्तर उसे पति से अलग रहने पर भी रखना चाहिए। इसलिए दोनों के जीवन स्तर को देखते हुए प्रार्थिया व उसकी बेटी को भरण-पोषण की राशि दिलवाना उचित होगा।

मामले से जुड़े अधिवक्ता डीएस शेखावत ने बताया कि प्रार्थिया का विवाह 2 मई 2014 को हिन्दू रीति-रिवाज से हुआ था। इस दौरान उसकी बेटी का जन्म हुआ। बेटी उसके पास ही रह रही है। शादी के बाद से ही उसे ससुराल वाले दहेज के लिए प्रताड़ित करने लग गए। वे उसे शारीरिक व मानसिक तौर पर प्रताड़ित करने लगे। इसके चलते, उसने 15 नवंबर 2018 को पति व उसके घरवालों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना की शिकायत दर्ज कराई। वहीं, घरेलू हिंसा का मामला भी विचाराधीन है। उसका पति इंडिगो एयरलाइंस में कैप्टन के पद पर है और उसे प्रति माह 6.50 लाख रुपए वेतन मिलता है। वहीं, अन्य संसाधनों से भी उसकी काफी आय होती है। इसलिए उसे अपने व बेटी के लिए 3 लाख रुपए भरण पोषण राशि दिलवाई जाए।

इसके जवाब में पति ने कहा कि उसने प्रार्थिया को प्रताड़ित नहीं किया है और पार्थिया पायलट है व उसकी आय हर महीने1.80लाख रुपए है। वह खुद का और बेटी का भरण-पोषण करने में सक्षम है। इसलिए प्रार्थना पत्र खारिज किया जाए। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनकर पति को पत्नी व बेटी को हर महीने 1.40 लाख रुपए भरण-पोषण भत्ता देने का निर्देश दिया।

प्रदेश के छोटे खान बजरी मालिकों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आई.ए.एस. अफसर राजीव स्वरूप को एस.ई.आई.ए.ए. का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उनकी नियुक्ति से पूर्व कुछ समय तक तो यह पद रिक्त पड़ा हुआ था।

जैसा कि विदित है, राजीव स्वरूप, गहलोत सरकार के दौरान हुए सचिन पायलट गुट व मंत्रिमंडल के कुछ विधायकों के फोन टैपिंग प्रकरण के दौरान गृह सचिव के पद पर कार्यरत थे, जिसके बाद उन्हें मुख्य सचिव के पद पर भी नियुक्त किया गया था, परंतु केन्द्र सरकार से एक्सटैंशन नहीं मिलने के कारण तीन महीने के भीतर उन्होंने मुख्य सचिव के पद से रिटायरमैंट लिया, जिसके कुछ समय बाद ही उन्हें एस.ई.आई.एस. का अध्यक्ष बना दिया गया।

खनन विभाग के सूत्रों के अनुसार राजीव स्वरूप की अध्यक्षता में एस.ई.आई.ए.ए. ने बजरी खनन करने की अनुमति प्राप्त करने हेतु दायर 16 हजार से भी अधिक आवेदनों में से केवल 4,500-5,000 आवेदनों को ही स्वीकृति दी। करीब दो-ढाई हजार आवेदनों को अस्वीकार किया और शेष आवेदनों पर कोई फैसला नहीं सुनाया, जिस वजह से बजरी खनन के उद्योग से जुड़े कई उद्योगपति आज भी प्रभावित हैं।

उल्लेखनीय है कि गहलोत सरकार के जाते ही वर्तमान सरकार ने एस.ई.आई.ए.ए. के पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरु कर दी। परंतु सुप्रीम कोर्ट में एन.जी.टी. के आदेश के खिलाफ अपील भी दायर की गई और राजस्थान से बजरी खनन मालिकों की तरफ से आवेदन भी दायर किये गये कि एस.ई.आई.ए.ए. उनके आवेदनों की जाँच-पड़ताल करे बिना, उन्हें खारिज नहीं कर सकता।

सभी तथ्यों को सुनने के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार 12 नवबंर को छोटे खान मालिकों को राहत दी थी और कहा था कि राजस्थान सरकार मार्च 2025 तक एस.ई.आई.ए.ए. के सभी सदस्यों को नियुक्त कर बचे हुए बजरी खनन आवेदनों पर फैसला सुनाए। परंतु सरकार ने अभी तक भी एस.ई.आई.ए.ए. के सभी सदस्यों को नियुक्त नहीं किया है। इस वजह से बजरी खनन करने के लिए दायर सभी आवेदनों पर फैसला नहीं लिया जा सकता है।

इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने एक मई को सुनवाई के बाद आदेश जारी किए और कहा कि एस.ई.आई.ए. आवेदनों पर कानूनी प्रक्रिया के अनुसार, "फैसला लेने के लिए दो महीनों का अतिरिक्त समय ले सकता है और एस.ई.आई.ए.ए. को अगली सुनवाई पर अपना जवाब भी प्रस्तुत करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि जिन आवेदनों को एस.ई.आई.ए.ए. जाँच कर पहले ही बजरी खनन की अनुमति दे चुका है, उन पर किसी भी तरह की रोक न लगाई जाए, जिससे करीब 5000 छोटे खान व्यवसायियों को राहत मिली है।

तेजस्वी यादव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है उससे वंचित वर्गों और हाशिए पर रहे लोगों की मांगों की पुष्टि होती है।

यादव ने लिखा बिहार कास्ट सर्वे से पता लगा कि राज्य में 63 प्रतिशत ओबीसी एवं ईबीसी है। उम्मीद है ऐसे ही नतीजे राष्ट्रीय स्तर पर निकलेंगे।

हालिया वर्षों में जातिगत जनगणना की मांग ने काफी जोर पकड़ा था साथ ही भारत की जनसंख्या में सामाजिक आर्थिक लाभों के वितरण में पारदर्शिता की मांग भी उठ रही थी।

जातिगत जनगणना का समर्थन कर रहे लोगों को डर है कि क्या सरकार इसके नतीजों पर कार्यवाही करने की मंशा रखती है। यादव ने कहा जातिगत जनगणना सामाजिक न्याय की लम्बी यात्रा में मात्र पहला कदम है। उन्होंने कहा आरक्षण पर लगी सीमा पर भी पुनर्विचार किया जाना चाहिए।

'2016 की सर्जिकल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सकता है।

उनका तर्क है कि इन उपायों के जरिए भारत वैश्विक आलोचना और सीधे युद्ध को न्यौता दिए बिना ही, पाकिस्तान को भारी कीमत चुकाने पर मजबूत कर सकता है।

रिटायर्ड कर्नल व रक्षा विश्लेषक वी.एस. नायर के अनुसार, "हम एक दृष्टिकोण परिवर्तन देख रहे हैं। यह एक नई नीति बन रही है, जिसमें कठोर सैन्य शक्ति के साथ-साथ राजनीतिक संचालन के तकनीकी, कूटनीतिक और आर्थिक साधन शामिल हैं। यह पारंपरिक युद्ध के जाल में फंसे बिना सबक सिखाने का तरीका है।"

इसी बीच, कूटनीतिक सूत्रों के अनुसार, भारत ने प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय सहयोगियों से संपर्क कर उन्हें सीमा पार बढ़ रही भड़काने वाली गतिविधियों और पहलगाम हमले की गंभीरता के बारे में जानकारी देना शुरु कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि इसका उद्देश्य भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को लेकर एक मजबूत वैश्विक समर्थन तैयार करना है।

ज़मीनी स्तर पर, नियंत्रण रेखा पर तैनात सैनिक "हाई अलर्ट" पर हैं। वहाँ पक्के बंकर, उन्नत निगरानी प्रणालियां और बेहतर गतिशीलता संसाधन तैनात किए गए हैं। ज़मीनी रिपोर्टों के अनुसार, सैनिकों का मनोबल ऊँचा है और वे किसी भी दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देने को तैयार हैं।

हालांकि, संभावित कार्रवाई की समय सीमा अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन इतना निश्चित है कि भारतीय सैन्य तंत्र किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस समय सरकार की चुप्पी ही भविष्य की कार्यवाही को लेकर उत्सुकता को बढ़ा रही है।

जैसा कि एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने संक्षेप में कहा, "हम तैयार हैं। अगला कदम खुद बोलेगा।"

एनआईए ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरोप पत्र दायर किया था।

इस बीच, अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले 2008 के आतंकवादी हमलों के मास्टरमाइंड राणा की अपील को खारिज कर दिया था। उसके बाद, राणा को भारतीय हिरासत में भेजने का रास्ता साफ हो गया था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908